24 नवंबर 2025
सोमवार

# केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

नल-जल पाइपलाइन बिछाने के बाद टूटी सड़कों की मरम्मत पर कार्रवाई तेज

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

आपकी आवाज

## दिल्ली में 262 करोड़ का 328 किलो ड्रग्स जब्त, दो गिरफ्तार

- इंटरनेशनल कार्टेल का भंडाफोड़ करने पर गृहमंत्री ने सराहा

**एजेंसी। नई दिल्ली**

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलीजेंस के साथ मिलकर नगालैंड की रहने वाली एक युवती समेत दो ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार कर एक अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ड्रग्स कार्टेल का भंडाफोड़ किया है। यह कार्रवाई आपरेशन क्रिस्टल फोर्ट्रेस के तहत की गई। इनकी निशानदेही पर छतरपुर स्थित किराए के फ्लैट से 262 करोड़ रुपये कीमत की 328.54 किलोग्राम मेथामफेटामाइन नामक ड्रग्स बरामद की गई है।नगालैंड की रहने वाली युवती ने छतरपुर में यह फ्लैट ड्रग्स तस्करी के लिए किराए पर लिया था। एजेंसी का दावा है कि इस सिंडिकेट के तार दुबई से लेकर दिल्ली व पूर्वोत्तर राज्यों में फैले हैं। दिल्ली में मेथामफेटामाइन की यह सबसे बड़ी जब्ती में से एक माना जा रहा है।गिरफ्तार किए गए तस्करों के नाम शाने वारिस व एस्थर किनिमी है। शाने वारिस को 20 नवंबर की सुबह दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश अमरोहा के मंगरौली गांव का रहने वाला है। वह पिछले कुछ महीने से नोएडा सेक्टर-पांच में किराए के मकान में रह रहा था और फेक सिमकार्ड, वाट्सएप, जैंगी और दूसरे सुरक्षित एप से दुबई से लगातार एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन के जरिये जुड़ा हुआ था। नोएडा में बैठकर वह दुबई के अपने सरगना के इशारे पर सिंथेटिक ड्रग्स की डिलीवरी, पिकअप और स्टोरेज मैनेज करता था। उससे पूछताछ के बाद एस्थर किनिमी नाम की युवती को गिरफ्तार किया गया जो नगालैंड से ताल्लुक रखती है।

### दिल्ली में फैले नेटवर्क के तिले कनेक्शन

वहीं, शाने वारिस की निशानदेही पर एनसीबी की टीम जब शनिवार की रात छतरपुर एन्क्लेव फेज-दो, जैन हाउस, चौथी मंजिल पर फ्लैट नंबर 402 पहुंची तो एक कमरे से 328.54 किलो मेथाम्फेटामाइन ड्रग्स बरामद हुई। वह फ्लैट अस्थायी स्टोरेज प्वाइंट के तौर पर इस्तेमाल हो रहा था। एनसीबी को शक है कि यह सिर्फ एक ठिकाना नहीं, बल्कि दिल्ली में फैले एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है, जिसमें जामिया नगर, शाहीन बाग, और ओखला जैसी लोकेशन का इस्तेमाल कम्युनिकेशन और को-ऑर्डिनेशन के लिए किया जा रहा था।

### टेक सपोर्ट की तरह काम कर रहे

सूत्रों के मुताबिक इस सिंडिकेट का दिल्ली में एक संपर्क जोन शाहीन बागझ जामिया इलाका था। यहां फेक आइडी, अस्थायी रेंटल कमरे और बिना ट्रेस होने वाली पैकेज हैंडलिंग का इस्तेमाल किया जाता था। यहां कुछ लोग ह्यटेक सपोर्टह्ल की तरह काम कर रहे थे।शाने वारिस से पूछताछ के बाद एनसीबी अब पूरी सप्लाई चेन, फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन, क्रिप्टो पेमेंट और ह्यस्टोरेज नेटवर्कह्ल को ट्रेस करने में लगी है। इसके अलावा टीम एस्थर किनिमी और उससे जुड़े अन्य लोगों को तलाश रही है।इस कार्टेल का सरगना पिछले साल दिल्ली में एनसीबी द्वारा जब्त की गई 82.5 किलोग्राम कोकेन के मामले में भी वांछित है। इंटरनेशनल एनफोर्समेंट पार्टनर्स के साथ मिलकर उसे कानूनी कार्रवाई का सामना करने के लिए भारत लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

## भारत-चीन सीमा की रक्षा करेंगी महिलाएं आईटीबीपी 10 महिला बॉर्डर चौकी बनाएगी

**एजेंसी। नई दिल्ली**

सरकार अब भारत-चीन एलएसी पर निगरानी बढ़ाने के लिए इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस फोर्स के जवानों की तैनाती बढ़ा रही है। आईटीबीपी ही 3,488 किलोमीटर लंबी भारत-चीन एलएसी की रखवाली करती है। अब आईटीबीपी के डीजी ने एलान किया है कि भारत-चीन एलएसी पर 10 सिर्फ महिला बॉर्डर चौकी बनाई जाएंगी। आईटीबीपी ने लद्दाख में 2020 में सीमा पर सैन्य झड़प के बाद 'फॉरवर्डाइजेशन' योजना बनाई है, इसके तहत अब तक भारत के उत्तरी और पूर्वी हिस्से में आईटीबीपी अपनी 215 बॉर्डर चौकियों को भी आगे बढ़ाएगी। इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस के डीजी प्रवीण कुमार ने शनिवार को जम्मू में फोर्स के 64वें स्थापना दिवस परेड के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि 'हमने फॉरवर्डाइजेशन प्लान पर काम किया है और इसके नतीजे में, फॉरवर्ड-डिप्लॉयड बॉर्डर चौकी की संख्या अब 180 के मुकाबले 215 हो गई है। डीजी ने कहा कि सात नई बटालियन और एक सेक्टर हेडक्वार्टर बनाने से न सिर्फ यह योजना मजबूत हुई है, बल्कि फॉरवर्ड इलाकों तक हमारी पहुंच और निगरानी भी बढ़ी है। केंद्र ने 2023 में आईटीबीपी के लिए सात और बटालियन और लगभग 9,400 जवानों वाला एक सेक्टर ऑफिस मंजूर किया था। डीजी ने कहा कि फोर्स आने वाले समय में भारत-चीन लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर ऐसे 41 और फॉरवर्ड बेस बनाएगी ताकि सुरक्षा और समन्वय को मजबूत किया जा सके।

### विपक्ष के आरोपों के बीच चुनाव आयोग ने जारी किए आंकड़े

## पश्चिम बंगाल, यूपी समेत 12 राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया तेज

**एजेंसी। नई दिल्ली**

उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल समेत 12 राज्यों में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया पर विपक्षी दलों का हंगामा तेज हो गया है। एक ओर यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखे हुए है, वहीं दूसरी ओर चुनावी सूची के संशोधन अभियान को लेकर सियासी आरोप-प्रत्यारोप का दौर चरम पर पहुंच चुका है। चुनाव आयोग ने अखिलेश यादव के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ चल रही है। आयोग ने बताया कि 12 राज्यों में एसआईआर का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। फॉर्म वितरण का काम लगभग पूरा हो चुका है, जिसमें 95.44 प्रतिशत फॉर्म बांटे जा चुके हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग पर एसआईआर प्रक्रिया में गड़बड़ी का सीधा आरोप लगाते हुए एजेंसियों को निशाना बनाने का पुराना राग अलापा है। इस बीच, चुनाव आयोग ने विपक्ष के दावों को खारिज करते हुए अखिलेश के आरोपों पर जवाब दिया है।

### चुनाव आयोग का स्पष्ट जवाब

चुनाव आयोग ने अखिलेश यादव के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि एसआईआर प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ चल रही है। चुनाव आयोग ने बताया कि उत्तर प्रदेश में सभी अधिकारियों को पहले ही विस्तृत ट्रेनिंग दी जा चुकी है। अगर कहीं फॉर्म नहीं पहुंचा या शिकायत मिली, तो उसे गंभीरता से लेते हुए तुरंत वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है। आयोग के अनुसार, यूपी में अब तक 2 करोड़ से अधिक गणना फॉर्म जमा हो चुके हैं, जिन्हें डिजिटाइज भी कर दिया गया है। आयोग ने देशभर की प्रगति पर जोर देते हुए बताया कि 12 राज्यों में एसआईआर का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। फॉर्म वितरण का काम लगभग पूरा हो चुका है, जिसमें 95.44 प्रतिशत फॉर्म बांटे जा चुके हैं। एसआईआर यानी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन, चुनावी सूची को अपडेट करने का एक विशेष अभियान है, जो वोटरों की सटीक जानकारी सुनिश्चित करता है। इसका उद्देश्य फर्जी वोटरों को हटाना, नए वोटरों को जोड़ना और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर डेटा को मजबूत बनाना है। लेकिन विपक्ष इसे सत्ताधारी दल के पक्ष में हेरफेर का हथियार बता रहा है।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी है और वोटर फॉर्म्स के वितरण व गणना में भारी अनियमितताएं हो रही हैं। अखिलेश ने कहा कि यह प्रक्रिया निष्पक्ष नहीं है। एजेंसियां सत्ताधारी दल के इशारों पर काम कर रही हैं, जिससे लाखों वोटरों के अधिकारों का हनन हो रहा है। उनके इस बयान ने उत्तर प्रदेश में राजनीतिक हलचल मचा दी है। पश्चिम बंगाल में भी तृणमूल कांग्रेस के नेता खुलकर बोल रहे हैं। वे आरोप लगा रहे हैं कि चुनाव आयोग भाजपा के साथ मिलकर वोटर लिस्ट में हेरफेर कर रहा है, जिससे अल्पसंख्यक और गरीब वोटर प्रभावित हो रहे हैं। विपक्ष का कहना है कि सही ट्रेनिंग के बिना ही एसआईआर शुरू कर दी गई, जो लोकतंत्र के लिए खतरा है।

## दिल्ली में होगा राष्ट्रीय व्यापारी सम्मेलन पूरे देश में चलेगी स्वदेशी रथयात्रा

**एजेंसी। नई दिल्ली**

व्यापारियों के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने पूरे देश में स्वदेशी वस्तुओं के उत्पादन और उपभोग को बढ़ावा देने के लिए रथयात्रा निकालने का निर्णय किया है। इसके लिए दिल्ली में एक दिवसीय राष्ट्रीय व्यापारी सम्मेलन 25 नवंबर को दिल्ली में आयोजित किया गया है जिसमें देश भर के 100 से अधिक व्यापारी नेता भाग लेंगे। इस सम्मेलन में रथयात्रा को लेकर अंतिम निर्णय लिए जाएंगे। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री और भाजपा सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने बताया है कि यह बैठक देश के व्यापारिक परिदृश्य, व्यापारियों की समस्याओं, भविष्य की रणनीति और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वदेशी बेचो-स्वदेशी खरीदों के आह्वान को देश में कोने कोने तक ले जाने हेतु स्वदेशी संकल्प रथ यात्रा निकाली जाएगी। ऐसा एक रथ महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र से होकर अब छत्तीसगढ़ में प्रवेश कर रही है वहीं एक दिसंबर से दो रथ मध्य प्रदेश में गांव-गांव भ्रमण करेंगे। बैठक में अन्य राज्यों में इसी प्रकार रथ चलाने की योजना तय की जाएगी। इससे देश के सबसे निचले स्तर के श्रमिकों को काम मिलेगा और रोजगार सृजन में सहायता मिलेगी। सम्मेलन में डिजिटलाइजेशन को तेजी से आगे बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम तय किए जाएंगे।

## बिहार चुनाव में प्रचंड हार के बाद तेजस्वी यादव ने तोड़ी चुप्पी

**एजेंसी। नई दिल्ली**

बिहार विधानसभा 2025 चुनाव में एनडीए ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 243 में से 202 सीटें अपने नाम करने में कामयाब रही। वहीं, इस चुनाव में महागठबंधन महज 35 सीटों पर ही सिमट गई। महागठबंधन के इस करारी हार के बाद कांग्रेस से लेकर राजद और वीआईपी पार्टी में अभी तक हलचल मचा हुआ है। बिहार विधानसभा 2025 चुनाव में मिली करारी हार के बाद सबसे अधिक राजद में कहल मचा हुआ है। हार के बाद राजद पार्टी पर एक से एक आरोप-प्रत्यारोप जारी है और तेजस्वी यादव के नेतृत्व पर सवाल उठाए जा रहे हैं। राजद परिवार में एक तरफ भाई-बहन आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं, तो दूसरी तरफ हार के बाद अभी तक लालू से लेकर रबड़ी यादव और तेजस्वी यादव की तरफ से कोई बयान नहीं आया है। इस बीच तेजस्वी यादव के एक्स हैंडल से पोस्ट किया गया है कि अभी वह घड़ी नहीं है जब हम तेजस्वी यादव जी की आलोचना में लग जाएं, समय है उनका साथ देना का।ह बिहार विधानसभा 2025 चुनाव में मिली हार के बाद तेजस्वी यादव के आधिकारिक एक्स हैंडल के एक पोस्ट में लिखा है कि यह समय अत्यंत नाजुक और संवेदनशील है। अभी वह घड़ी नहीं है जब हम आलोचना में लग जाए। इस वक्त तेजस्वी यादव का साथ देना चाहिए और हौसला बढ़ाना चाहिए। तेजस्वी यादव के आधिकारिक एक्स हैंडल के पोस्ट में लिखा है कि तेजस्वी यादव पर चारों तरफ से हमला हो रहा है, ऐसे में अपने ही लोगों का मनोबल तोड़ना सही नहीं है।ह आगे इस पोस्ट में आग्रह किया गया है कि यह समय मजबूती से एकजुट होकर साथ खड़े रहने की है।

### जी-20 में पीएम मोदी ने दिए 6 मंत्र, जो दुनिया के लिए साबित हो सकते हैं गेमचेंजर

## टूटेगी आतंकवाद की रीढ़, ड्रग-टेरर नेक्सस से होगा मुकाबला: पीएम मोदी

**एजेंसी। जोहान्सबर्ग**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में जी-20 लीडर्स समिट के पहले दिन दुनिया के नेताओं को संबोधित किया। उन्होंने इनक्लूसिव और सस्टेनेबल इकोनॉमिक ग्रोथ किसी को पीछे न छोड़ना और ह्यएक मजबूत दुनिया डिजास्टर रिस्क रिडक्शन में जी-20 का योगदान क्लाइमेट चेंजय जस्ट एनर्जी ट्रांजिशनय फूड सिस्टम्सह्ल टाइटल वाले दो सेशन में बात की। अपने भाषण के दौरान, प्रधानमंत्री ने जी-20 नेताओं के सामने विचार के लिए छह आइडिया रखे। ये आइडिया सभी के लिए ग्रोथ, डेवलपमेंट और भलाई के लिए भारत के नजरिए को बताते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इन कोशिशों से हर तरफ ग्रोथ हासिल करने में मदद मिलेगी। पीएम मोदी ने जी-20 ग्लोबल ट्रेडिशनल नॉलेज रिपॉजिटरी बनाने का प्रस्ताव रखा। पीएम ने कहा कि इससे आने वाली पीढ़ियों के फायदे के लिए इंसानियत की मिली-जुली समझ का इस्तेमाल होगा। प्रधानमंत्री ने ड्रग टेरर नेक्सस का मुकाबला करने के लिए जी-20 इनिशिएटिव बनाने का भी प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि इससे ड्रग ट्रैफिकिंग पर रोक लगेगी और ड्रग-टेरर इकॉनमी टूटेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दूसरा प्रस्ताव जी-20 अफ्रीका स्किल्स मल्टीप्लायर बनाना था। उन्होंने कहा कि इस प्रोग्राम का मकसद अफ्रीका में युवाओं को स्किल देने के लिए दस लाख सर्टिफाइड ट्रेनर्स का एक पूल बनाना होगा। इससे लोकल कैपेसिटी बनेगी और कॉन्टिनेंट में लॉन्ग-टर्म डेवलपमेंट को बढ़ावा मिलेगा। पीएम मोदी ने जी-20 देशों में से हर एक के हेल्थकेयर एक्सपर्ट्स को शामिल करने के लिए एक ग्लोबल हेल्थकेयर रिस्पॉन्स टीम बनाने का प्रस्ताव रखा।

# बक्सर के वरिष्ठ पत्रकार संतोष सिंह का निधन, पत्रकारों में छाया शोक

**केटी न्यूज/बक्सर**

बक्सर जिले के अनुभवी और समर्पित पत्रकार संतोष सिंह का बीती रात असामयिक निधन हो गया। नुआंव (कृष्णाब्रह्म) निवासी संतोष सिंह शनिवार देर शाम सिमरी थाना क्षेत्र के बलिहार गांव में एक वैवाहिक समारोह में शामिल होने गए थे, जहां से लौटने के दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। सीने में तेज दर्द उठते ही परिजन और साथियों ने उन्हें तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार डॉक्टर करीब दो घंटे तक लगातार उनका उपचार करते रहे। प्रारंभिक जांच में उनकी हालत सामान्य होती प्रतीत हो रही थी, लेकिन बीच उपचार के अचानक फिर से तेज दर्द उठा और उनकी स्थिति गंभीर हो गई। डॉक्टरों के प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। चिकित्सकों का कहना है कि हृदय में ब्लॉकेज के कारण उन्हें लगातार हार्ट अटैक आया, जिससे उनकी मृत्यु हो गई।

उनके निधन की खबर मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों और परिचितों में शोक की लहर दौड़ पड़ी। संतोष सिंह अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र और तीन पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लिए यह क्षति और भी अधिक गहरी मानी जा रही है। माता-पिता के इकलौते पुत्र रहे संतोष सिंह ने कम उम्र से ही पूरे परिवार की जिम्मेदारियां संभाल रखी थीं।

पत्रकारिता जगत में संतोष सिंह का नाम मेहनती, सादगीपूर्ण और मिलनसार पत्रकार के रूप में जाना जाता था। जिले की अनेक महत्वपूर्ण रिपोर्टिंग में उनकी भूमिका उल्लेखनीय रही। स्थानीय मीडिया कर्मियों ने उनके निधन को पत्रकारिता जगत की अपूरणीय क्षति बताते हुए गहरी संवेदना व्यक्त की है। संतोष सिंह की सरलता, संवाद शैली और पेशे के प्रति समर्पण को लंबे समय तक याद किया जाएगा।

सभी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति और शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की।

## डुमरांव विधायक पहुंचे नुआंव, दिवंगत पत्रकार संतोष सिंह के परिजनों से मिल व्यक्त किया शोक

**डुमरांव।** स्थानीय दैनिक अखबार के युवा व जुझारू पत्रकार संतोष कुमार सिंह के आकस्मिक निधन ने पूरे जिले को स्तब्ध कर दिया है। उनके अचानक चले जाने की खबर से पत्रकारिता जगत, सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों में गहरा शोक व्याप्त है। इसी बीच रविवार को डुमरांव विधायक राहुल कुमार सिंह नुआंव गांव पहुंचे और शोकाकुल परिवार से मिलकर दुख साझा किया।उविधायक ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि संतोष सिंह एक सरल, सहज और कर्मठ पत्रकार थे, जिनकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में मैं और मेरा पूरा परिवार संतोष जी के परिजनों के साथ मजबूती से खड़ा है। किसी भी तरह की मदद की जरूरत होगी तो हम तत्पर रहेंगे। बताया जाता है कि बीते शनिवार की देर रात संतोष सिंह की अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें सदर अस्पताल, बक्सर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। उनका निधन इतना अचानक हुआ कि किसी को इस खबर पर विश्वास ही नहीं हुआ। सुबह होते-होते क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई और नुआंव स्थित उनके आवास पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। साथी पत्रकार, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी तथा गांव के लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचते रहे। कई स्थानों पर स्वतःस्फूर्त रूप से शोक सभा आयोजित की गई, जहां उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की गई। संतोष सिंह अपने मृदुभाषी स्वभाव, जमीन से जुड़े विचार और निष्पक्ष रिपोर्टिंग के लिए जाने जाते थे। उनका असमय निधन न सिर्फ परिवार के लिए, बल्कि पूरे मंडल की पत्रकारिता के लिए अपूरणीय क्षति है।

## वरिष्ठ पत्रकार संतोष कुमार सिंह के निधन पर सहकर्मियों ने नम आंखों से दी अंतिम विदाई

**बक्सर।** जिले के प्रतिष्ठित दैनिक अखबार के वरिष्ठ पत्रकार संतोष कुमार सिंह के आकस्मिक निधन ने पूरे पत्रकार समाज को गहरे शोक में डुबो दिया है। रविवार की सुबह उनके देहांत की सूचना जैसे ही फैली, मीडिया जगत में सन्नाटा पसर गया। कई पत्रकारों को शुरूआत में इस खबर पर विश्वास ही नहीं हुआ, लेकिन बाद में सत्य की पुष्टि होने पर सभी भावुक हो उठे। उनका यूं अचानक चले जाना पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति के रूप में देखा जा रहा है।संतोष कुमार सिंह अपनी सरलता, निष्पक्ष रिपोर्टिंग और जमीन से जुड़े लेखन के लिए जाने जाते थे। वे न सिर्फ एक कर्मठ पत्रकार थे, बल्कि नए पत्रकारों के लिए प्रेरणा स्रोत और मार्गदर्शक भी थे। उनके निधन की सूचना के बाद डुमरांव में पत्रकारों ने एक शोकसभा आयोजित की, जिसमें बड़ी संख्या में पत्रकार और शुभचिंतक शामिल हुए। सभा के दौरान दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। शोकसभा में वरिष्ठ पत्रकार अजय सिंह, रवि शंकर श्रीवास्तव, अरविंद कुमार चौबे उर्फ चुन्नु चौबे, अनिल ओझा, कुंदन ओझा, रवीन्द्र दूबे, रजनीकांत दूबे, नवीन पाठक, अमित ओझा, अरूण विक्रांत, रंजीत पांडेय, आलोक सिन्हा, सुजीत कुमार, वरूण सिंह, अरूण कुमार सिंह, प्रकाश कुमार बादल, श्रीकांत दूबे, अनुज शर्मा, राहुल कुमार राउत, सुजीत ओझा, विनीत मिश्रा, चंद्रकांत निराला सहित कई पत्रकार मौजूद रहे। सभी ने संतोष सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका निधन सिर्फ पत्रकारिता के क्षेत्र का नुकसान नहीं, बल्कि समाज के लिए भी बड़ी क्षति है। मौके पर उपस्थित पत्रकारों ने बताया कि संतोष सिंह सदैव पत्रकारिता के मूल्यों पर कायम रहते थे और निर्भीक लेखन के लिए जाने जाते थे। उनकी विनम्रता और मिलनसार व्यवहार ने उन्हें सभी के बीच प्रिय बना दिया था। उनके न होने से पत्रकारिता की दुनिया में एक खालीपन महसूस किया जाएगा, जिसे भर पाना मुश्किल है। सभी पत्रकारों ने भगवान से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

## कांग्रेस कार्यालय में शोकसभा आयोजित कर पत्रकार संतोष सिंह को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

### जिला कांग्रेस कमेटी ने उनकी निष्पक्ष पत्रकारिता और सौम्य व्यक्तित्व को बताया अविस्मरणीय

**बक्सर।** हिंदुस्तान अखबार के सकुर्लेशन हेड स्व. संतोष सिंह के असामयिक निधन पर रविवार को बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में शोकसभा आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे ने की। सभा की शुरूआत दो मिनट के मौन के साथ दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना कर की गई। शोकसभा को संबोधित करते हुए डॉ. पांडे ने कहा कि संतोष सिंह का व्यक्तित्व मृदुभाषी, निर्भीक, ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ पत्रकार के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि श्री सिंह ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन अत्यंत निष्ठा से किया और जिले की समस्याओं, जनभावनाओं एवं सामाजिक मुद्दों को सम्मानपूर्वक उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी निष्पक्ष पत्रकारिता और सहज व्यवहार ने उन्हें जिले में एक अलग पहचान दिलाई। डॉ. पांडे ने बताया कि वे बक्सर मुक्तिधाम जाकर दिवंगत पत्रकार के पार्थिव शरीर का अंतिम दर्शन किए और परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में कांग्रेस परिवार श्री सिंह के परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। आज अंतिम संस्कार के दौरान भी कई कांग्रेसजन, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। शोक व्यक्त करने वालों में डॉ. प्रमोद ओझा, संजय कुमार पांडे, रोहित उपाध्याय, संजय कुमार दुबे, राजू यादव, बब्बन पुरा, दिवाकर सेठ, मोहम्मद शमशाद, निर्मला देवी, कुमकुम देवी, रूमी देवी, संतोष मोहन शाह सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल थे। सभा के अंत में दिवंगत आत्मा की शांति के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई और उनके योगदानों को याद किया गया।

## भाजपा जिलाध्यक्ष और सदर विधायक ने पत्रकार संतोष सिंह के निधन पर व्यक्त की गहरी शोक

- समाज व पत्रकारिता जगत की अपूरणीय क्षति

**केटी न्यूज/बक्सर**

नुआंव (कृष्णाब्रह्म) निवासी एवं हिन्दुस्तान अखबार के वरिष्ठ पत्रकार संतोष सिंह के आकस्मिक निधन पर जिले की राजनीतिक एवं सामाजिक हलकों में गहरी शोक लहर व्याप्त हो गई है। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश भुवन तथा नव निर्वाचित सदर विधायक आनंद मिश्र ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दिवंगत पत्रकार के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की है।

सदर विधायक आनंद मिश्र ने कहा कि संतोष सिंह का निधन बक्सर ही नहीं, पूरे पत्रकारिता जगत के लिए एक बड़ी क्षति है। उन्होंने कहा कि संतोष राष्ट्र, समाज और बक्सर के प्रति समर्पित पत्रकार थे। अपने अनुभव और पत्रकारिता कौशल से उन्होंने कई सुधारात्मक पहल कीं, जो हमेशा स्मरणीय रहेंगी। उनकी गर्मजोशी, साहस और निष्पक्ष रिपोर्टिंग की शैली आम लोगों के बीच भी उन्हें विशेष रूप से प्रिय बनाती थी।

वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश भुवन ने कहा कि संतोष सिंह तेज-तर्रार, ईमानदार और संवेदनशील पत्रकार थे। उनके निधन से भाजपा परिवार सहित सभी कार्यकताओं में शोक की भावना है। उन्होंने कहा कि संतोष सिंह केवल एक पत्रकार ही नहीं, बल्कि समाज के हित में सदैव सक्रिय रहने वाले नेक इंसान थे। उनका जाना पत्रकारिता के साथ-साथ समाज के लिए भी अपूरणीय क्षति है।

दोनों नेताओं ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की है।

## चार माह से मनरेगा कार्यालय अस्थायी मोड पर, स्थाई प्रभारी की कमी से ठप पड़ रहे काम

- ब्रहमपुर और चक्की का एक साथ प्रभार संभाल रहे सुभाष कुमार, प्रगति रिपोर्ट से लेकर भुगतान तक हर स्तर पर दिख रही

**केटी न्यूज/चक्की**

प्रखंड मुख्यालय स्थित चक्की मनरेगा भवन इन दिनों गंभीर प्रशासनिक अव्यवस्था से जूझ रहा है। चार महीनों से कार्यालय पूरी तरह अस्थायी प्रभार पर चल रहा है। मनरेगा पी.ओ. संजय सिंह के स्थानांतरण के बाद विभाग अब तक स्थाई प्रभारी की नियुक्ति नहीं कर सका है। स्थिति यह है कि अस्थायी प्रभार संभाल रहे सुभाष कुमार एक साथ ब्रह्मपुर और चक्की दोनों प्रखंडों का कार्यभार देख रहे हैं, जिसके चलते कार्य संचालन पर सीधा और गहरा प्रभाव पड़ रहा है।

कार्यालय परिसर में अब भी पूर्व पदस्थापित अधिकारी का पुराना बोर्ड टंगा हुआ है। यह न केवल विभागीय लापरवाही को उजागर करता है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि

प्रशासनिक अपडेट को लेकर विभाग कितनी उदासीनता बरत रहा है। यहां तक कि चार महीने बीत जाने के बाद भी बोर्ड बदलने की दिशा में किसी प्रकार की पहल नहीं हुई है।

स्थानीय कर्मियों का कहना है कि स्थाई प्रभारी के अभाव में योजनाओं की प्रगति बेहद प्रभावित हुई है। दैनिक कार्यों में लगातार देरी देखने को मिल रही है, चाहे वह आवेदनों का निस्तारण हो, फाइलों की जांच-पड़ताल हो या फिर मजदूरों को भुगतान से जुड़ी प्रक्रियाएं। कर्मियों के अनुसार सुभाष कुमार के पास दो प्रखंडों का प्रभार होने के कारण वे किसी एक कार्यालय में लगातार उपस्थित नहीं रह पाते, जिसका सीधा असर आम लोगों तक पहुंचने वाली सेवाओं पर पड़ रहा है।

ग्रामीणों का भी यही दर्द है। उनका कहना है कि मनरेगा कार्यालय में सुस्ती इतनी बढ़ गई है कि फाइलें सप्ताहों तक लंबित रहती हैं। कई मजदूरों ने बताया कि काम पूरा होने के बाद भी भुगतान समय पर नहीं मिल रहा। आवेदन पर कार्रवाई में हो रही देरी से उनके रोजमर्रा के जीवन पर भी आर्थिक असर पड़ रहा है।

मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण योजना, जिसका उद्देश्य बेरोजगार ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराना है, व्यवस्थागत खामियों की वजह से पटरी से उतरती दिख रही है। स्थाई प्रभारी की अनुपस्थिति ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। विभागीय लापरवाही से न केवल योजनाओं की गति थम गई है, बल्कि ग्रामीणों का भरोसा भी कमजोर पड़ने लगा है।

स्थानीय लोगों और कर्मियों की मांग है कि विभाग जल्द से जल्द चक्की मनरेगा कार्यालय में स्थाई प्रभारी की नियुक्ति करे, ताकि सभी प्रक्रियाएं सुचारू रूप से चल सकें और योजनाओं का लाभ समय पर जरूरतमंदों तक पहुंच सके। फिलहाल हालात यह बताते हैं कि जब तक विभाग इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाता, चक्की में मनरेगा की रफ्तार सुधरना मुश्किल है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720

डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ

डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन

डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST

पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

# गोलंबर-डुमरांव मार्ग की बदहाली पर ग्रामीणों का दबाव बढ़ा, विधायक ने दिया आश्वासन

- जनसुनवाई में विधायक को सौंपा गया ज्ञापन, जल्द मरम्मत की मांग तेज

**केटी न्यूज/बक्सर**

सदर क्षेत्र के गोलंबर-डुमरांव मार्ग की जर्जर स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों का आक्रोश लगातार बढ़ रहा है। सड़क पर बढ़ती दुर्घटनाओं और प्रशासनिक उदासीनता के चलते ग्रामीणों ने अब आंदोलन को तेज कर दिया है। इसी क्रम में छात्र नेता अंकित द्विवेदी, वार्ड पार्षद मंटू कुमार उर्फ बबुआजी तथा सामाजिक कार्यकर्ता अभिषेक द्विवेदी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को जिला अतिथि गृह में आयोजित जनसुनवाई के दौरान सदर विधायक आनंद मिश्रा को ज्ञापन सौंपकर सड़क निर्माण की मांग दोहराई। ग्रामीणों ने बताया कि यह मार्ग जासो, कनसही, कुडहा, नारदाश्रम नदांव और भगवान माधव

के निमार्णाधीन मंदिर जैसे कई महत्वपूर्ण स्थलों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क पथ है। साथ ही यह बक्सर सदर, डुमरांव और राजपुर विधानसभा क्षेत्रों के बीच आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग के रूप में भी उपयोग होता है। उनका कहना है कि इस रास्ते की दयनीय स्थिति के कारण प्रतिदिन स्कूली छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, कामगारों और आम नागरिकों को खतरे का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के मौसम में सड़क की हालत और खराब हो जाती है, जिससे दुर्घटनाओं का जोखिम कई गुना बढ़ जाता है।

प्रतिनिधिमंडल ने विधायक को बताया कि विधानसभा चुनाव के दौरान भी इस सड़क की बदहाली बड़ा मुद्दा बनी रही थी और जनता की नाराजगी ने राजनीतिक माहौल को स्पष्ट रूप से प्रभावित किया था। ग्रामीणों ने कहा कि यह सिर्फ विकास का प्रश्न नहीं बल्कि सुरक्षा और जनसुविधा से जुड़ा गंभीर मामला है, इसलिए इसे जनआंदोलन का रूप दिया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आंदोलन और व्यापक रूप लेगा। मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए सदर विधायक आनंद मिश्रा ने बताया कि गोलंबर-डुमरांव मार्ग उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि मार्ग वर्तमान में अनुरक्षण नीति के तहत है और इसकी तकनीकी समीक्षा चल रही है। विधायक ने भरोसा दिलाया कि सम्बंधित अधिकारियों से वार्ता कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। विधायक के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने संतोष व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि वर्षों से लंबित यह मांग अब पूरी होगी तथा क्षेत्रवासियों को सुरक्षित और सुगम सड़क जल्द उपलब्ध हो सकेगी।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

# दीपिका पांडे का बक्सर आगमन, जिला कांग्रेस ने किया भव्य स्वागत

■ डॉ. मनोज पांडे के नेतृत्व में संगठन को नई ऊर्जा, कार्यक्रमों में तेजी के संकेत

**केटी न्यूज/बक्सर**

झारखंड सरकार की कैबिनेट मंत्री एवं महागामा विधानसभा की विधायक दीपिका पांडे रविवार को बक्सर पहुंचीं। जिले में उनके आगमन पर कांग्रेसजनों ने उत्साहपूर्ण माहौल में फूलमालाओं एवं अंगवस्त्र से जोरदार स्वागत किया। स्वागत समारोह का नेतृत्व बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे ने किया। अभिनंदन के दौरान डॉ. पांडे ने कहा कि उनका दीपिका पांडे से दो दशक पुराना संबंध है। उन्होंने बताया कि दीपिका पांडे कांग्रेस की कर्मठ, संघर्षशील एवं जनसरोकारों से जुड़ी नेता हैं जिन्होंने झारखंड में विकास और प्रशासनिक दक्षता की नई पहचान स्थापित की है। उन्होंने कहा कि गुजरात, बंगाल सहित कई राज्यों में कांग्रेस के कार्यक्रमों में उनके साथ काम करने का अवसर मिला, जिससे उनकी कार्यशैली, निष्ठा और संगठन के प्रति समर्पण को नजदीक से जानने का मौका प्राप्त हुआ। डॉ. पांडे ने कहा कि इन अनुभवों ने बक्सर में कांग्रेस संगठन को मजबूत और सक्रिय बनाने में महत्वपूर्ण प्रेरणा दी है।

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री दीपिका पांडे ने डॉ. मनोज पांडे के नेतृत्व और संघर्षशीलता की सराहना की। उन्होंने कहा कि ह्नराहुल गांधी को ऐसे ही निष्ठावान और कर्मठ कार्यकताओं की आवश्यकता हैह्व और वे इस भावना को पार्टी नेतृत्व तक पहुंचाएंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि डॉ. पांडे की सक्रियता से बक्सर जिला कांग्रेस आने वाले दिनों में और सशक्त होगी।

डॉ. पांडे ने उनके प्रति व्यक्त विश्वास के लिए मंत्री दीपिका पांडे का आभार जताते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के प्रति अपने 38 वर्षों के राजनीतिक जीवन में उन्होंने कभी पीछे हटना नहीं सीखा और आगे भी पूरी निष्ठा से संगठन को समर्पित रहेंगे। संगठनात्मक वक्तव्य जारी करते हुए उन्होंने कहा कि जिला कांग्रेस कमेटी को जुझारू, संगठित और जनआधारित स्वरूप में स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास जारी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को बूथ स्तर से मजबूत करते हुए युवाओं, महिलाओं, किसानों, मजदूरों और वंचित वर्गों की आवाज को प्रभावी ढंग से उठाना संगठन की प्राथमिकता है। आगामी महीनों में संगठन विस्तार एवं पुनर्गठन अभियान, बूथ स्तर पर मजबूत टीमों का गठन, युवा एवं महिला कांग्रेस की सक्रियता बढ़ाना तथा जन-जागरण, जन-संपर्क और मुद्दा-आधारित संघर्ष कार्यक्रमों को तेज करने की योजना है।

समिति ने कहा कि डॉ. पांडे के नेतृत्व में कार्यकताओं की एकता और उत्साह इस बात का संकेत है कि कांग्रेस बक्सर में एक मजबूत, निर्णायक और संघर्षशील शक्ति के रूप में उभरने को तैयार है।

## एक नजर

### मल्लाह टोली घाट पर 308वां गंगा सफाई अभियान सम्पन्न, युवाओं में दिखा उत्साह

**गंगा की धारा जीवन का सहारा के संदेश के साथ युवाओं ने किया श्रमदान**

**चौसा।** गंगा की स्वच्छता को लेकर गंगा युवा समिति चौसा बक्सर द्वारा जारी सफाई महाअभियान ने रविवार को एक और उपलब्धि दर्ज की। समिति के संयोजक एवं गंगा पुत्र कहलाने वाले भरत पांडेय के नेतृत्व में 308वां गंगा सफाई महाअभियान मल्लाह टोली घाट पर उत्साहपूर्ण माहौल में आयोजित किया गया। अभियान की शुरूआत सुबह से ही श्रमदान के साथ हुई, जिसमें मां गंगा में जमा कचरा, पूजा सामग्री, प्लास्टिक जनित अपशिष्ट और अन्य फेंकी गई वस्तुओं को बाहर निकालकर घाट परिसर को स्वच्छ व व्यवस्थित किया गया। स्वयंसेवकों ने घाट पर फैले मलबे को साफ किया और लोगों को गंगा में कचरा न फेंकने की अपील भी की। संयोजक भरत पांडेय ने बताया कि चौसा की यह पावन धरती पौराणिक, धार्मिक और ऐतिहासिक पहचान से जुड़ी रही है। ऐसे में यहां गंगा की निर्मलता को बनाए रखना न सिर्फ धार्मिक आस्था का विषय है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण हेतु एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि समिति द्वारा शुरू किया गया गंगा सफाई अभियान कई वर्षों से लगातार चल रहा है और इसे रुकने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि जीवन की व्यस्तताओं के बीच कम से कम एक रविवार गंगा की सेवा को अवश्य दें। अपने नजदीकी घाट को स्वच्छ और निर्मल रखने में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। अभियान में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुए। समाजसेवी लालजी चौधरी, दीपक कुमार और बाबू विश्व प्रताप पांडेय सहित अन्य कार्यकताओं ने सक्रिय रूप से श्रमदान किया। स्वयंसेवकों ने घाट पर पहुंचकर सफाई कार्य को गति दी और गंगा तट के आसपास जागरूकता भी फैलाई। गंगा युवा समिति का मानना है कि स्वच्छ गंगा न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ी है बल्कि लाखों लोगों के जीवन व आजीविका का आधार भी है। इसलिए गंगा की सफाई और उसके संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। समिति के सदस्य बताते हैं कि वे हर सप्ताह सफाई अभियान के माध्यम से लोगों में जागरूकता पैदा करते हैं तथा घाटों पर स्वच्छता सुनिश्चित करने का प्रयास जारी रखते हैं। 308वीं कड़ी तक पहुंच चुके इस अभियान को लेकर स्थानीय लोगों में भी सकारात्मक माहौल देखने को मिला। कई लोगों ने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि यदि समाज के सभी वर्ग इसी प्रकार जुड़ें तो गंगा घाटों को पूरी तरह स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सकता है। गंगा युवा समिति की ओर से यह भी कहा गया कि आने वाले समय में अधिक से अधिक युवाओं को जोड़कर अभियान को और व्यापक रूप दिया जाएगा, ताकि चौसा क्षेत्र के सभी घाटों को स्वच्छ रखने का लक्ष्य सहज रूप से पूरा हो सके। इस प्रकार रविवार का दिन एक बार फिर गंगा तट की सेवा, श्रमदान और

## लोक प्राधिकार ने संवेदक पर 50 हजार का आर्थिक दंड ठोका, 15 दिन में कार्य पूरा करने का निर्देश

# नल-जल पाइपलाइन बिछाने के बाद टूटी सड़कों की मरम्मत पर कार्रवाई तेज

**केटी न्यूज/सिमरी**

सिमरी प्रखंड के काजीपुर पंचायत में नल-जल योजना की पाइपलाइन बिछाने के बाद गली-सड़कों की बिगड़ी स्थिति पर आखिरकार प्रशासन हरकत में आया है। काजीपुर निवासी शहनवाज अंसारी, पिता मो. बेलाल अंसारी द्वारा दर्ज परिवाद पर सुनवाई करते हुए लोक प्राधिकार ने गंभीर रुख अपनाया है।

बता दें कि 08 सितंबर 2025 को दर्ज किए गए परिवाद संख्या - 99999010809255573816, में आरोप लगाया गया था कि पीएचईडी विभाग द्वारा पाइपलाइन बिछाने के दौरान पूरे पंचायत की गली और सड़कें तोड़ दी गईं, लेकिन कार्य पूरा होने के बाद उनका पुनर्निर्माण नहीं कराया गया। इससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

### परिवाद पर सुनवाई, लोक प्राधिकार को जारी हुआ नोटिस

परिवाद-पत्र के अवलोकन के बाद यह स्पष्ट हुआ कि मामला पूरी तरह नल-जल योजना कार्य से जुड़ी लापरवाही से संबंधित है। इस आधार पर लोक प्राधिकार के रूप में सहायक अभियंता, लोक स्वास्थ्य अवर प्रमंडल ब्रह्मपुर को नोटिस जारी कर पूरा प्रतिवेदन मांगा गया।

### 50 हजार का आर्थिक दंड, कड़े निर्देश जारी

लोक प्राधिकार से दिनांक 08 नवंबर 2025 को पत्रांक 106/ब्रह्मपुर के माध्यम से प्रतिवेदन प्राप्त हुआ। प्रतिवेदन में बताया गया कि शिकायत की जांच के बाद संवेदक की लापरवाही प्रमाणित पाई गई है। इस पर 50 हजार रुपये का आर्थिक दंड अनुशंसित करते हुए उसे तुरंत कार्रवाई करने का कड़ा निर्देश दिया गया है। साथ ही लोक प्राधिकार ने यह भी अनुरोध किया कि सड़क मरम्मती कार्य कराने हेतु 15 दिन का अतिरिक्त समय दिया जाए, ताकि कार्य को पूरी तरह संपन्न कराया जा सके।

### 15 दिन में सड़क दुरुस्त करने का निर्देश

प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर सुनवाई में यह स्पष्ट हो गया कि विभागीय स्तर पर संवेदक की लापरवाही स्वीकार की जा चुकी है और उस पर कार्रवाई भी शुरू हो चुकी है। इस स्थिति को देखते हुए आदेश दिया गया कि लोक प्राधिकार नियमों के अनुसार संबंधित सड़कों की मरम्मती सुनिश्चित करे तथा 15 दिनों की अवधि में कार्य पूरा कराए। सुनवाई में यह भी कहा गया कि नल-जल जैसी जनकल्याणकारी योजना के तहत किए गए कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ग्रामीणों की बुनियादी सुविधाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले किसी भी संवेदक या विभागीय कर्मी पर आगे भी इसी प्रकार की कठोर कार्रवाई की जाएगी। लोक प्राधिकार की ओर से की गई कार्रवाई और दंड अनुशंसा को देखते हुए परिवादी का परिवाद स्वीकृत कर लिया गया है और उक्त आदेश के साथ वाद की कार्यवाही समाप्त कर दी गई। इसके साथ ही संबंधित विभाग को स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए गए हैं कि सड़क मरम्मत कार्य में किसी भी प्रकार की देरी या कोताही पाए जाने पर संवेदक पर आगे और भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह फैसला काजीपुर पंचायत के ग्रामीणों के लिए राहत की खबर लेकर आया है, क्योंकि लंबे समय से टूटी सड़कों के कारण लोगों को आवागमन में गंभीर परेशानी झेलनी पड़ रही थी। अब उम्मीद की जा रही है कि 15 दिनों के भीतर गली-सड़कों की मरम्मती शुरू होकर पूरा कार्य समय पर पूरा हो जाएगा।

# नो इंट्री में नहीं प्रवेश करेंगे भारी वाहन विधायक ने थाना प्रभारी को लगाई फटकार

■ शहर में सुबह 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक एनएच-120 पर लग जाता है नो इंट्री

**केटी न्यूज\डुमरांव**

अनुमंडल मुख्यालय डुमरांव शहर के बीचोबीच से गुजरने वाली सड़क एनएच-120 की सड़क पर चलने वाले भारी वाहन चालक नो इंट्री का पालन नहीं करते हैं। इनके पालन नहीं करने से पूरे दिन इस रोड में जाम की समस्या पूरे दिन बनी रहती है। इसकी शिकायत जैसे ही नवनिर्मित विधायक राहुल सिंह के पास पहुंची उन्होंने डुमरांव और नया भोजपुर के थाना प्रभारियों को हड़काया। उन्होंने उनसे साफ लहजे में कहा कि नो इंट्री के बाद मुख्य सड़क पर भारी वाहन कैसे प्रवेश कर जाते हैं, जिससे जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने साफ लहजे में कहा की अब नो इंट्री में भारी वाहन गुजरते हुए पाए गए तो एसपी से बात नहीं कर सीधे इसकी शिकायत डीजी से की जाएगी। विधायक के हड़काने के बाद रविवार को नो इंट्री में एक भी भारी वाहन गुजरते हुए नहीं देखे गए और नहीं जाम की समस्या ही मिली। इसको लेकर नगरवासी से लेकर दुकानदार तक काफी खुश थे। कई दुकानदारों और समाजसेवियों ने बताया की आज लगा है कि नो इंट्री का माने क्या होता है, नहीं तो हर दिन भारी वाहनों के प्रवेश कर जाने से जाम लग जाता था। इस जाम में स्कूली बस फंस जाते थे, जिससे उसमें बैठे छोटे बच्चे भूख, पानी और गर्मी से छटपटा जाते थे। जाम की वजह से स्टेशन रोड और गोला रोड के व्यवसाय पर काफी बूरा असर पड़ता था। रविवार को रोड पर एक भारी वाहन गुजरते हुए नहीं पाए गए। बक्सर की तरफ से आने वाले भारी वाहन नया और पुराना भोजपुर और बिक्रमगंज की तरफ से आने वाले वाहन टेढ़की पुल के पास रोक दिये गए थे। इसमें डुमरांव और नया भोजपुर के थाना प्रभारी स्वयं इसकी निगरानी कर रहे थे। अनुमंडल मुख्यालय में काम से आने वाले भी जाम नहीं लगने के कारण समय से अपना काम कर घर को लौट गए।

# इलेक्ट्रिक बाइक के शो-रूम में घुस मैनेजर को पीटा, काउंटर से रूपए ले भागने का भी आरोप

■ मैनेजर ने डुमरांव थाने में एक नामजद समेत अज्ञात पर मारपीट व लूट-पाट का आरोप लगा दर्ज कराया एफआईआर

**केटी न्यूज/डुमरांव**

डुमरांव के स्टेशन रोड स्थित ओला इलेक्ट्रिक बाइक के शो-रूम में घुस उसके मैनेजर के साथ मारपीट की गई है। इस मामले में पीड़ित मैनेजर ने डुमरांव थाने में एक नामजद तथा कुछ अज्ञात लोगों पर मारपीट करने तथा काउंटर से 8200 रूपए नगद ले भागने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराया है। पुलिस एफआईआर दर्ज कर नामजद आरोपित की गिरफ्तारी तथा अज्ञात को चिन्हित करने के प्रयास में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार औद्योगिक थाना क्षेत्र के रामोबरिया गांव निवासी शशिनाथ प्रसाद स्टेशन रोड स्थित ओला इलेक्ट्रिक बाइक शो-रूम में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। रविवार को उसके शो-रूम पर औद्योगिक थाना क्षेत्र के ही बरूना गांव निवासी संजीत कुमार पिता लक्ष्मण सिंह अपने कुछ दोस्तों के साथ पहुंचा तथा शशिनाथ से मारपीट करने लगा। उनकी मारपीट से शशि का सर फट गया। जब उसके सर से खून के फब्बारे निकले तब सभी काउंटर में रखे 8200 रूपए लेकर भाग गए। दिनदहाड़े हुई इस घटना के बाद से जहां पीड़ित प्रबंधक में भय का माहौल है, वहीं आस पास के दुकानदारों में आक्रोश व्याप्त है।

इस संबंध में डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि आरोपित व पीड़ित एक दूसरे के पूर्व परिचित है। आरोपित ने इसके शो-रूम के माध्यम से एक बाइक बुक करवाई थी तथा कुछ पैसे एडवांस के तौर पर दिए थे, लेकिन वह बाद में अपनी डिलीवरी को कैंसल करा दिया तथा अपने रूपए मांग रहा था। इसी बात पर उसकी प्रबंधक से विवाद हो गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसी को भी कानून हाथ में नहीं लेने दिया जाएगा। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपित की गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

# भोजन बैंक बक्सर की पहल, 33वें सप्ताह भी जरूरतमंदों को परोसा गया निःशुल्क

■ जनसहयोग से आगे बढ़ रहा है भागीरथी सहयोग सेवा संस्थान का मानवसेवा अभियान

**केटी न्यूज/बक्सर**

रविवार को भागीरथी सहयोग सेवा संस्थान के तत्वावधान में संचालित भोजन बैंक बक्सर द्वारा लगातार 33वें सप्ताह निःशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शहर के गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को प्रसाद स्वरूप भोजन उपलब्ध कराया गया। संस्था की ओर से चलाया जा रहा यह सेवा कार्यक्रम शहर में मानवीय संवेदना और सामाजिक सहयोग का प्रेरक उदाहरण बनता जा रहा है।

कार्यक्रम का संचालन दीपक कुमार सिंह, विनोद कुमार (सीआरपीएफ), अधिवक्ता अकरम, गुंजन सिंह एवं कृष्ण देव चौधरी ने संयुक्त रूप से किया। भोजन वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित मनोज वर्मा, कार्यपालक सहायक प्रमोद एवं प्रमोद केशरी ने संस्थान की इस पहल को सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि ह्नर सेवा ही नारायण सेवाह्व की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए संस्था जिस तरह हर सप्ताह जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचा रही है, वह समाज में सकारात्मक संदेश देती है। ऐसी पहल में आम लोगों को तन-मन-धन से सहयोग करना चाहिए। संस्थान को इस सप्ताह भी कई लोगों ने खाद्य सामग्री व आर्थिक सहायता प्रदान की। कार्यपालक सहायक अभय राय ने अपने पिता स्वर्गीय नंद जी राय की पुण्यतिथि पर खाद्य सामग्री देकर योगदान दिया। वहीं सीआरपीएफ के राजकमल ने अपने साले की शादी के उपलक्ष्य में सामग्री उपलब्ध कराई। मनोज कुमार वर्मा एवं न्यू स्वर्णकार संघ की टीम, शुभम सिंह (राजस्थान), चंदन उपाध्याय तथा अन्य कई लोगों ने भी खाद्य सामग्री देकर संस्था को सहयोग प्रदान किया। आर्थिक सहयोग देने वालों में रविरंजन एवं वैष्णवी जी (शादी की सालगिरह), दीपक सिंह (बिजली दुकान), शिवानंद उपाध्याय (उपाध्यायपुर), रितेश वर्मा, प्रमोद आरटीपीएस एवं ओंकार सिंह का विशेष योगदान रहा। संस्था की पूरी टीम ने सभी सहयोगकताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान हाफी इमरान शामसी, अजित वर्मा, पंकज, अनिल वर्मा, चंदन वर्मा, अजित वर्मा (चुरामनपुर), बब्लू गुप्ता, राहुल वर्मा, चंदन उपाध्याय, कृष्णा केशरी, दिव्यांग संघ जिलाध्यक्ष जीतेन्द्र ठाकुर, टीके सर, संतोष राय, राज श्रीवास्तव, अर्जुन सिंह, शिवम राय, रौशन पांडेय, चंदू सिंह, प्रीतम कुमार सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ अधिवक्ता ललन राम एवं अधिवक्ता राजेश यादव ने भोजन बैंक को निरंतर सहयोग मिलते रहने की कामना करते हुए सभी दानदाताओं व उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज की सहभागिता से ही ऐसा सेवा कार्यक्रम निरंतर चल पाता है। भागीरथी सहयोग सेवा संस्थान के सचिव राजीव कुमार तथा भोजन बैंक मार्गदर्शन टीम के भुआली वर्मा ने घोषणा की कि आगामी रविवार को सुबह 9 बजे पुनः बक्सर रेलवे स्टेशन परिसर में भोजन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने आमजन से आग्रह किया कि जरूरतमंदों को भोजन कराने के पावन कार्य में सहभागी बनें और इस मानवसेवा अभियान को सफल बनाने में सहयोग दें।

# मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से परेशान नगरवासी, दवा छिड़काव ठप, नगर परिषद पर उठ रहे सवाल

**केटी न्यूज/डुमरांव**

डुमरांव शहर इस समय मच्छरों के भारी प्रकोप से जूझ रहा है। हालात यह हैं कि घरों और गलियों में मच्छरों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे लोगों के बीमार पड़ने का खतरा बढ़ गया है। सबसे अधिक परेशानी छोटे बच्चों को हो रही है, जिन्हें मच्छर काटने से बुखार, एलर्जी और अन्य दिक्कतें तेजी से बढ़ रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर परिषद पूरी तरह लापरवाह बनी हुई है। शहर में जगह-जगह फैले जलजमाव के बावजूद अब तक मच्छरनाशी दवा का छिड़काव शुरू नहीं किया गया है। चारों दिशाओं में गंदा पानी जमा रहने से मच्छरों को तेजी से पनपने का मौका मिल रहा है, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। लोगों का कहना है कि दवा छिड़काव बंद रहने से नगर परिषद की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। इधर, इस समस्या से बेखबर मानो नगर परिषद चैन की बंशी बजा रही हो। जब इस संबंध में स्वच्छता प्रभारी राजीव कुमार से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि स्टेशन रोड में जमा पानी हटाया जा चुका है, जबकि रोड कटिंग क्षेत्रों में जमा पानी के निस्तारण का कार्य जारी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मच्छरों के नियंत्रण के लिए जल्द ही दवा छिड़काव शुरू किया जाएगा।

नगरवासियों का कहना है कि आश्वासन नहीं, बल्कि त्वरित कार्रवाई की जरूरत है, ताकि बढ़ते मच्छर प्रकोप से राहत मिल सके और बीमारी फैलने का खतरा रोका जा सके।

# आवास सहायक एवं स्वच्छता कर्मियों के साथ बीडीओ ने किया बैठक

**केटी नयूज/रोहतास**

प्रखण्ड में नियुक्त सभी आवास सहायक एवं स्वच्छ लोहिया बिहार मिशन अन्तर्गत कार्यरत पंचायत पर्यवेक्षक कर्मियों के साथ बीडीओ ने कार्यालय सभागार में बैठक की.इस दौरान सभी आठ पंचायतों में संचालित स्वच्छता कार्यक्रम की वर्तमान स्थिति का समीक्षा किया गया.विधानसभा चुनाव पूर्व शिविर के माध्यम से प्राप्त आवास योजना के आवेदनों पर आवास सहायकों के साथ विचार विमर्श हुआ. जानकारी प्रदान करते हुए बीडीओ ने बताया कि विधान सभा चुनाव के बाद गांव में जनहित में संचालित सभी योजनाओं पर तेजी से क्रियान्वयन के लिए बैठक कर-के सम्बन्धित कर्मियों व पदाधिकारियों को निर्देशित किया जा रहा है.

उनहोंने कहा कि लोहिया स्वच्छ बिहार मिशन के अंतर्गत गांव के नाली गली साफ सफाई, कचरा उठाव एवं प्रबंधन तथा मौजूद संसाधनों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा किया गया.बैठक के दौरान मौजूद मिशन के बीसी अनिल कुमार को गुणवत्ता पूर्ण तरीके से कार्य में तेजी लाने को कहा गया.

पर्यवेक्षक एवं कर्मियों के बकाया मानदेय भुगतान के बारे में जानकारी ली गई.साफ सफाई में कोताही बरतने वाले कर्मियों एवं पर्यवेक्षक को चिन्हित करते हुए कार्य मुक्त करने के लिए निर्देशित किया गया.

उन्होने बताया कि सरकार द्वारा जनहित में संचालित योजनाओं के लिए पंचायतों में आयोजित शिविर के दौरान आवास योजना का लाभ हेतु लगभग तीन हजार आठ सौ जरूरतमंद लोगों द्वारा आवेदन प्रदान किया गया है.जिसके जांच के लिए मनरेगा पीआरएस, पंचायत सचिव एवं सम्बन्धित पंचायत के आवास सहायकों का संयुक्त टीम गठित किया गया है.जांच टीम के रिपोर्ट प्रदान किये जाने पर बीडीओ खुद जांच करेंगे.जिसके बाद योग्य लाभुकों का चयन करते हुए रिपोर्ट सरकार को भेजा जायेगा.बैठक के दौरान इन सभी कार्य को तेजी से करने के लिए निर्देशित किया गया. मौके पर सभी पर्यवेक्षक एवं आवास सहायक मौजूद रहे.

## भोजपुर में मिठाई दुकानदार और पुत्र की डबल मर्डर मिस्ट्री सुलझी...

# बिहार में भीषण सड़क हादसा, स्कॉर्पियो दुर्घटना में तीन की मौत, चार की हालत गंभीर

**एजेंसी/दरभंगा**

दरभंगा में आज अहले सुबह एक भयानक सड़क हादसा हुआ, जिसमें तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य की हालत गंभीर है। घटना सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत दरभंगा-मुजफ्फरपुर मार्ग की है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने आननफानन में सभी घायलों को तत्काल इलाज के लिए डीएमसीएच में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत चिंताजनक बताई है।घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि स्कॉर्पियो दिल्ली मोड़ बस स्टैंड के पास दुर्घटनाग्रस्त हुई है। उनका कहना है कि गाड़ी तेज गति से अनियंत्रित होकर हवा में उछलते हुए एक लेन से विपरीत लेन

पर चली गई और डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीन यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना सबसे पहले एक ट्रक चालक ने हाईवे पुलिस को दी। सूचना मिलते ही हाईवे पुलिस के इंस्पेक्टर शशिभूषण सिंह अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने गाड़ी में फंसे हुए घायलों को किसी तरह बाहर निकलवाया और उन्हें तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों की हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए डीएमसीएच रेफर कर दिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।घटना के संबंध में बताया जाता है कि मधेपुरा जिला के रैभी गांव निवासी प्रमोद यादव के पुत्र गुड्डू कुमार अपनी मां का पटना के आईजीआईएमएस से इलाज करवा कर वापस अपने घर लौट रहे थे। इस दौरान यह घटना हो गई। इस घटना में गुड्डू के मामा, मौसा और स्कॉर्पियो के चालक की मौत हो गई है, जबकि गुड्डू कुमार की बीमार मां के पैर टूट गए हैं। हाइवे मोबाइल के शशिभूषण सिंह ने बताया कि उन्हें एक ट्रक वाले ने घटना की जानकारी दी थी। इसके बाद उन्होंने मौके से वाहन के भीतर से फंसे लोगों को निकलवाकर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है। गाड़ी में कुल सात लोग सवार थे, जिसमें तीन की मौत हो गई। चार लोग घायल हैं, जिनका इलाज चल रहा हैं। फिलहाल घायलों से बातचीत नहीं हो पा रही है।

# 989 बकायेदार उपभोक्ताओं की लाइन कटी व 74 पर प्राथमिकी

**केटी नयूज/रोहतास**

रोहतास। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सासाराम अन्तर्गत सभी प्रखंडो में विद्युत विभाग के अधिकारियो द्वारा बकाया रखने वाले उपभोक्ताओं से वसूली के लिए सघन अभियान चलाया जा रहा है। मामले की जानकारी देते हुए सासाराम विद्युत आपूर्ति प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता ई. ब्रवीम ने बताया कि मुख्यालय के निदेर्शानुसार नवंबर महीने में अभी तक प्रमंडल अंतर्गत कुल 989 बकायेदार उपभोक्ताओं का लाइन काट दिया गया है। इसमें अवर प्रमंडल बिक्रमगंज में 393, सासाराम (शहरी) मे 162 सासाराम (ग्रामीण) मे 331 व कोचस मे 103 बकायेदार उपभोक्ता शामिल हैं। बता दें कि इसके साथ ही साथ सभी प्रखंडो में छापेमारी दल का गठन कर विद्युत ऊर्जा चोरी के विरुद्ध सघन छापेमारी की जा रही है। नवंबर महीने में अभी तक विद्युत आपूर्ति प्रमण्डल सासाराम अंतर्गत कुल 74 लोगों पर विद्युत ऊर्जा चोरी

से सम्बंधित प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है जिसमें बिक्रमगंज मे 28, सासाराम (ग्रामीण) मे 22, सासाराम (शहरी) में 3 व कोचस मे 21 शामिल हैं। बकाया पर लाइन काटने के बाद बिना बकाया का भुगतान किये ही पोल से विद्युत तार को स्वतः जोड़कर अपने परिसर में विद्युत का उपभोग करने वालों पर भी प्राथमिकी दर्ज करायी जा रही है। उन्होंने बकायेदार उपभोक्ताओं से अपील की है कि अपने बकाया विद्युत विपत्र का पूर्ण भुगतान शीघ्र करे ताकि सामान्य रूप से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके एवं अनुचित रूप विद्युत का उपयोग करने की स्थिति में विभाग द्वारा कड़ी कानूनी करवाई की जाएगी।

# पीसीसी ढलाई में अनियमितता के आरोप पर पहुंचे सहायक अभियंता, किया कार्य का निरीक्षण

**केटी नयूज/रोहतास**

नगर परिषद बिक्रमगंज के गुलजार बाग में बिक्रमगंज घुसियां कला पथ में ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा कराये जा रहे पीसीसी ढलाई के कार्य में अनियमितता का आरोप लगाये जाने के बाद रविवार को ग्रामीण कार्य विभाग के सहायक अभियंता दीपा नंदन देवेश कार्य स्थल पर पहुंचे और कार्य का निरीक्षण करने के उपरांत अपनी उपस्थिति में निर्धारित मानक के अनुरूप कार्य कराये। इस दौरान मोहल्ला वासी आदिल खां, असगर हुसैन, तनवीर आलम सहित कई लोग वहां मौजूद थे। सहायक अभियंता ने बताया कि पूर्व में ढलाई का कार्य शुरू किया गया था। जिस पर कुछ लोगों द्वारा आरोप लगाया गया कि गुणवत्ता पूर्ण और मानक के अनुसार कार्य नहीं हो रहा है। लोगों की शिकायत को ध्यान में रखते हुए तत्काल काम बंद करा दिया गया था। ठेकेदार को बालू बदलने का निर्देश दिया गया था। एक सप्ताह

बाद पुनः यहां उपस्थित होकर कार्य शुरू कराया है। कार्य में मानक का पूरा ख्याल रखा गया है। उन्होंने ने पूर्व के आरोप को भी गलत बताया। कहा कि योजना मात्र 40 लाख की है और आरोप लगाने वाले लोग करोड़ो के घोटाला का आशंका व्यक्त किये थे। जो सच्चाई से कोसो दूर है। अच्छे कार्य में कुछ लोगों को आअड़ंगा डालने की आदत होती है। सहायक अभियंता ने बताया कि 700 मीटर लंबी और 12.4 मीटर चौड़ी पीसीसी ढलाई का प्राकल्लित राशि 49.075 लाख है। मोहल्ले वासियों ने बताया कि बिक्रमगंज घुसिया कला पथ गुलजार बाग में गढ़े में पूरी तरह से तब्दील हो गया था। जिससे आने जाने में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। इसको लेकर कई बार नगर परिषद प्रशासन से गुहार लगाया गया, लेकिन एक न सुनी गई। मोहल्ले वासियों के आग्रह पर विधायक अरूण सिंह ने ग्रामीण कार्य विभाग से अनुशंसा किये। जिसके बदौलत पीसीसी ढलाई का कार्य किया जा रहा है। इससे लोगों में काफी खुशी है। मोहल्ले के लोग कार्य से संतुष्ट भी है।

# कारकाट में पत्रकार और पुलिस के बीच हुआ रोमांचक क्रिकेट मुकाबला, पुलिस टीम ने 20 रनों से मारी बाजी

- फिरकी के जादूगर अमित पत्रकार ने मचाया धमाल, 6 विकेट लेकर पुलिस टीम को किया परेशान

**केटी न्यूज/रोहतास**

रोहतास जिले के काराकाट मुख्यालय स्थित गोडारी स्टेडियम में रविवार को पत्रकार और पुलिस कर्मियों के बीच एक दोस्ताना क्रिकेट मैच खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले का उद्घाटन एएसपी संकित कुमार (आईपीएस) ने किया। टॉस जीतकर पुलिस टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया और निर्धारित 16 ओवरों में 175 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। पुलिस टीम की ओर से मनीष कुमार दो ने 46 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि कंच्छवा थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने 37 रनों का अहम योगदान दिया। एएसपी संकित कुमार

ने भी 28 रन बनाकर टीम के स्कोर को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। वहीं पत्रकार टीम के फिरकी गेंदबाज अमित कुमार (दैनिक भास्कर डिजिटल) ने शानदार गेंदबाजी करते हुए महज चार ओवर में 6 विकेट झटके और पुलिस टीम को बैकफुट पर धकेल दिया। पत्रकार अंकित कुमार ने भी 2 विकेट अपने नाम किए।`लक्ष्य का पीछा करते हुए पत्रकार टीम ने भी जोरदार शुरूआत की। टीम के बल्लेबाज प्रिंस कुमार ने ताबड़तोड़ अंदाज में 70 रनों की पारी खेली, लेकिन पूरे प्रयासों के बावजूद टीम 16 ओवर में 9 विकेट खोकर 155 रन ही बना सकी। इस तरह पुलिस टीम ने यह मुकाबला 20 रनों से जीत लिया। मैच के अंत में काराकाट थानाध्यक्ष ने भी अपनी फिरकी गेंदबाजी से दो विकेट लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विजेता टीम को अनुमंडल प्रभात खबर के पत्रकार संतोष चंद्रकांत ने विजेता ट्रॉफी एएसपी संकित कुमार और उनकी टीम को सौंपी। मौके पर एएसपी संकित कुमार ने कहा कि हार-जीत खेल का हिस्सा है, महत्वपूर्ण यह है कि ऐसे आयोजन लगातार होते रहें ताकि आपसी सौहार्द और सहयोग की भावना बनी रहे। उन्होंने बताया कि व्यस्त चुनावी कार्यक्रम के बाद सभी के लिए यह मैच ताजगी और उत्साह भरा अनुभव साबित हुआ।`इस मौके पर नासरीगंज थानाध्यक्ष अविनाश कुमार, काराकाट एसआई रफीक अंसारी, स्कोरर पत्रकार विकास कुमार, अंकित कुमार, राहुल मिश्रा, अशोक कुमार, संजय पांडे, रवि कुमार, पवन कुमार, एसपी गार्ड शाहरुख कुमार, सिपाही कमलेश कुमार समेत कई पत्रकार और पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

# संघ परिवार सम्मेलन तिलौथू में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

**एजेंसी। रोहतास**

सरस्वती विद्या मंदिर, तिलौथू के प्रांगण में रविवार, 23 नवंबर 2025 को संघ परिवार सम्मेलन का भव्य आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता खंड संघचालक श्री जंगलेश प्रसाद चौरसिया ने की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री नंदकिशोर तिवारी, संयोजक – कुटुम्ब प्रबोधन, रोहतास विभाग ने अपने प्रेरक उद्बोधन में परिवार की महिमा पर प्रकाश डालते हुए रामचरित मानस की विभिन्न चौपाइयों के माध्यम से संस्कारित एवं सशक्त परिवार निर्माण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मजबूत परिवार ही सशक्त समाज की नींव होता है और इसके लिए संस्कार, परंपरा एवं नैतिक मूल्यों का संरक्षण आवश्यक है। जिला संघचालक श्री विजय कुमार सिंह ने उपस्थित परिवारों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विशालता, संगठन की कार्यप्रणाली एवं समाज निर्माण में उसके योगदान से अवगत कराया। `सम्मेलन में लगभग 50 परिवारों के कुल 150 महिला, पुरुष एवं बच्चों की सहभागिता रही, जिससे कार्यक्रम की भव्यता और भी बढ़ गई।

कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष श्री जंगलेश प्रसाद चौरसिया ने सभी आगंतुकों एवं सहयोगकताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। सम्मेलन को सफल बनाने में श्री वैभव कुमार, रवीन्द्र ठाकुर, राकेश सिन्हा, अभय कुमार, सोनू कुमार, चितरंजन मिश्र सहित सभी स्वयंसेवकों का सराहनीय योगदान रहा। यह सम्मेलन परिवार, संस्कार और सामाजिक एकता के संदेश को मजबूत करते हुए समाज में सकारात्मक चेतना का संचार करने वाला सिद्ध हुआ।

## एक नजर

### चोरी से बिजली जलाने पर तीन लोगों पर एफआईआर दर्ज

**काराकाट।** चोरी से बिजली जलाने के मामले में बिजली विभाग के धावा दल ने तीन लोगों को बिजली चोरी में पकड़ा गया । कनीय विद्युत अभियंता काराकाट संजीत कुमार ने बताया कि बिजली चोरी की गुप्त सूचना पर छापेमारी किया गया जिसमें तीन गांवों से तीन लोगों को पकड़ा गया जिस पर जुमार्ना के साथ एफआईआर दर्ज के किया गया । कनीय विद्युत अभियंता के बयान पर तीनों लोगों पर जुमार्ना के साथ एफआईआर किया गया । बताया गया कि बाद टोला गांव निवासी अजीत कुमार पिता राम सुंदर सिंह पर 24 हजार 321 रु जुमार्ना, रमेश कुमार पिता राम विलाश मिश्रा पर 12 हजार 855 रु तथा काराकाट गांव निवासी कैमुद्दीन पिता मोहमुद्दीन पर 21 हजार 699 रु जुमार्ना के साथ एफआईआर दर्ज कराया गया ।थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने कहा कि विद्युत कनीय अभियंता के बयान पर एफआईआर दर्ज किया गया है आगे की कारवाई जारी है

### बाईक से गिर महिला हुई घायल, जुझ रही जीवन व मौत के बीचे

**राजपुर।** प्रखंड मुख्यालय राजपुर डिहरी रोड में हब्बुपुर मोड़ पर शुक्रवार को सुबह बेटे के साथ बाईक पर बैठकर घर जा रही एक महिला गिरकर बुरी तरह जख्मी हो गई.स्थानिय लोगों के सहयोग से घायल महिला के बेटे द्वारा अपनी मां को ईलाज के लिए राजपुर सीएचसी लाया गया.जहां चिकित्सकों ने बेहतर ईलाज के लिए सदर अस्पताल सासाराम रेफर कर दिया. ड्यूटी पर तैनात डा राकेश कुमार ने बताया कि बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव निवासी 62 वर्षीय सैबुनिशा को उसका बेटा ईलाज के लिए लाया था.महिला को काफी गंभीर चोट था.जो बेहोश थी.जीवन और मौत से जुझ रही महिला को बेहतर ईलाज के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेजा गया.

### तीन हजार लीटर महुआ पास पुलिस ने किया नष्ट

**राजपुर।** बघैला थाना क्षेत्र के सुअरा टोला गांव स्थित कांव नदी तटीय क्षेत्र में स्थानीय पुलिस ने शुक्रवार को महुआ पास को नष्ट किया.` थानाध्यक्ष करन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना पर पुलिस ने दल बल के साथ छापेमारी किया गया.जहां तीन हजार महुआ शराब की निर्माण की पास बरामद किया गया है.हालांकि पुलिस को देख धंधेबाज भागने में सफल रहे. उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा शराब धंधेबाज को चिन्हित करने के लिए लगातार छापेमारी कर रही है.तत्काल हीं धंधेबाज पुलिस के हिरासत में होंगे.

### गैस लीकेज रहने के कारण सिलेंडर में लगी आग, बाप-बेटे झुलसे

आप भी एजेंसी की गाड़ी या गोदाम में जाकर सिलेंडर लाते हैं, तो यह खबर आपके लिए है। सहरसा में घरेलू गैस खत्म होने के बाद गृहस्वामी सिलेंडर लेकर एजेंसी में गये हुए थे, वहां से उन्होंने खाली सिलेंडर देकर भरा हुआ सिलेंडर लिया लेकिन यह जांच नहीं किया कि सिलेंडर लीकेज है या नहीं। इनकी इस लापरवाही के चलते खाना बनाने के दौरान सिलेंडर में आग लग गयी। जिसके बाद अफरा-तफरी मच गयी। घटना सहरसा जिले के रमेश झा रोड स्थित एक आवास का है जहां खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में अचानक आग लग गई। गनीमत रही कि परिवार के सदस्यों की सूझबूझ से सिलेंडर में लगी आग बुझा लिया गया। आग बुझाने के दौरान घर में रखे कई कंबल जलकर राख हो गए। वहीं घर के गृहस्वामी और उनका नाबालिग बेटा झुलस गए। जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। इनके सिर के कुछ बाल जल गए। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम और डायल-112 पुलिस भी मौके पर पहुंची। नगर निगम वार्ड संख्या 31, रमेश झा रोड निवासी अविनाश कुमार सिंह ने बताया कि रविवार दोपहर गैस खत्म होने पर वे दूसरा सिलेंडर शहीद रमन गैस एजेंसी से लेकर आए थे। घर लौटकर सिलेंडर को चूल्हे में सेट किया और जैसे ही माचिस जलाई, सिलेंडर में आग पकड़ ली। यह देखकर वे घबरा गए और कंबल से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग कम नहीं हुई। तब उन्होंने लाठी की मदद से धधकते सिलेंडर को घर से बाहर निकाल सीढ़ी के सहारे नीचे उतारना शुरू किया। इस बीच मोहल्ले वालों ने फायर ब्रिगेड को फोन कर दिया। आसपास के लोगों ने मिलकर आग बुझाने का प्रयास किया, तब जाकर आग पर काबू पाया जा सका। फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही आग बुझाई जा चुकी थी। अविनाश कुमार सिंह का कहना है कि सिलेंडर में पहले से गैस का रिसाव हो रहा था, जिसके कारण आग लगी। आग बुझाने के दौरान वे और उनके बेटे देवाशीष के बाल हल्के झुलस गए।

### मुजफ्फरपुर में 25 वर्षीया विवाहिता की गला दबाकर हत्या, खेत से मिला शव, 5 साल पहले हुई थी शादी

**मुजफ्फरपुर।** मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर थाना क्षेत्र के दाऊद छपरा गांव में रविवार की शाम में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब गांव के दो खेतों के बीच 25 वर्षीय एक विवाहित महिला का शव बरामद हुआ। महिला की पहचान स्थानीय निवासी 25 वर्षीय पार्वती कुमारी के रूप में हुई है। प्रथमदृष्टया यह मामला गला दबाकर हत्या का प्रतीत होता है, क्योंकि मृतका के गले पर गहरे निशान पाए गए हैं। स्थानीय लोगों ने शव देखकर तुरंत मीनापुर थाने की पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही इंस्पेक्टर राम इकबाल प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने बताया कि जांच-पड़ताल जारी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पार्वती की शादी दिसंबर 2020 में गरहा के पटियासा में हुई थी और उसकी एक 2 साल की मासूम बेटी भी है। मृतिका लगातार अपने मायके और ससुराल आती-जाती रहती थी। किसान परिवार की बेटी थी । पुलिस मृतका के परिजनों और स्थानीय लोगों से गहन पूछताछ कर रही है ताकि हत्या के पीछे के सही कारणों का पता लगाया जा सके।

# गृह मंत्री बनने के बाद तारापुर पहुंचे सम्राट चौधरी, रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

**एजेंसी। पटना**

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी अपने दो दिवसीय दौरे पर तारापुर विधानसभा पहुंचे। जहां पर तारापुर विधानसभा की जनता ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। चुनाव जीतने के बाद यह उनका पहला दौरा है । बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी अपने दो दिवसीय दौरे पर आज तारापुर विधानसभा पहुंचे। चुनाव जीतने के बाद यह उनका तारापुर का पहला आगमन है। संग्रामपुर में बने हेलिपैड पर उतरते ही हजारों समर्थकों ने ह्लसम्राट चौधरी ज़िंदाबादह्व के नारों से उनका स्वागत किया। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। संग्रामपुर से सम्राट चौधरी ने रोड शो की शुरूआत की और पूरे विधानसभा क्षेत्र का दौरा कर मतदाताओं का आभार जताया। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि ह्लयह सरकार बिहार के विकास के लिए बनी है, अब सभी को विकास के लिए मिलकर काम करना है।ह्वदौरे के उपरांत वे अपने पैतृक आवास में विश्राम करेंगे और कल दो कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के बाद पटना लौट जाएंगे। वहीं तारापुर विधानसभा की राजनीति में ह्यगेम चेंजरह्न माने जाने वाले सकलदेव बिंद ने भी सम्राट चौधरी के आगमन पर खुशी जताई। उन्होंने महागठबंधन छोड़ भाजपा का दामन थामा था। उन्होंने कहा कि ह्लगृह विभाग संभालने के बाद सम्राट चौधरी पहली बार तारापुर की धरती पर आए हैं, उनका स्वागत है। हम बिहार के विकास के लिए भाजपा में शामिल हुए हैं। जब मीडिया ने पूछा कि सम्राट चौधरी ने वादा किया था कि उन्हें किसी न किसी सदन तक पहुंचाया जाएगा, इस पर सकलदेव बिंद ने कहा कि वे पार्टी के फैसले को सर-आंखों पर रखेंगे।साथ ही उन्होंने कहा कि बिहार में योगी मॉडल लागू हो चुका है और 2025 बिहार के लिए सबसे बेहतरीन साल साबित होगा। अपराधियों को अब अपना ठिकाना तलाशना होगा।

## एक नजर

### कटिहार सदर अस्पताल में कैदी ने मचाया उत्पात, 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने किया काबू में



**कटिहार।** कटिहार सदर अस्पताल में रविवार की सुबह उस समय हड़-कंप मच गया जब इलाज के लिए भर्ती एक कैदी ने अचानक तांडव मचाना शुरू कर दिया। दो दिन पहले मॉडल कारागार से हत्या के आरोपित श्याम मंडल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रविवार को मौका पाकर वह सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मियों को चकमा देकर सीधे अस्पताल के कैदी कक्ष में घुस गया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। जिसके बाद कैदी कक्ष में उत्पात मचाना शुरू कर दिया। कमरे में तोड़फोड़ करने लगा। हालत इतना बिगड़ गया कि अस्पताल प्रशासन और पुलिस दोनों सकते में आ गए। कैदी कक्ष के आसपास सुरक्षा तत्काल बढ़ा दी गई। पुलिस ने पहले शांति से समझाने की कोशिश की, लेकिन श्याम मंडल लगातार आक्रामक होता गया। स्थिति को सामान्य बनाने के लिए पुलिस टीम को करीब तीन घंटे तक कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। आखिरकार अधिकारियों की सूझबूझ, संयम और लगातार मनुहार के बाद कैदी को बिना किसी बड़े नुकसान के बाहर निकाला गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, श्याम मंडल एक गंभीर हत्या कांड का मुख्य आरोपी है। 20 नवंबर को अहमदाबाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया पूरी करते हुए कटिहार मंडल कारागार भेजा था। गिरफ्तारी के बाद तबीयत बिगड़ने पर उसे सदर अस्पताल में भर्ती किया गया था। इस घटना के बाद अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। अस्पताल प्रशासन ने पुलिस को निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था और भी सख्त करने की सलाह दी है। हालांकि नगर पुलिस ने बिना किसी अप्रिय घटना के स्थिति को नियंत्रित किया। कैदी के हाथों में हथकड़ी लगाकर ले जाया गया ताकि वो पुलिस की गिरफ्त से नहीं भागे। क्योंकि उसने अस्पताल में ऐसा तांडव मचाया कि उसकी हरकतों को देख पुलिस भी हैरान रह गयी।

### पटना सहित कई जिलों में बढ़ा वायु प्रदूषण ज्यादातर शहर मध्यम प्रदूषित श्रेणी में दर्ज

**पटना।** बिहार में सर्द हवाओं के लौटने और हवा की गति कम होने से वायु गुणवत्ता लगातार खराब होने लगी है। रविवार को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पटना के ज्यादातर क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता मध्यम प्रदूषित (टङ्मीं१ं३) श्रेणी में दर्ज की गई।दानापुर में अदक 136, पटना सिटी में 100, तारामंडल के पास 132, गांधी मैदान इलाके में 160 और राजवंशी नगर में 123 रिकॉर्ड किया गया। इनमें पटना सिटी की हवा संतोषजनक श्रेणी में रही, जबकि बाकी क्षेत्रों की वायु गुणवत्ता मध्यम रही।बिहार के कई प्रमुख शहरों की हवा भी संतोषजनक से मध्यम प्रदूषित श्रेणी के बीच रही। कटिहार (अदक 96), छपरा (67), बेतिया (90), भागलपुर (94), मोतिहारी (84) और सहरसा (83) की हवा संतोषजनक श्रेणी में दर्ज की गई।हवा में धूलकणों की बढ़ती मात्रा को देखते हुए पटना नगर निगम ने मुख्य सड़कों पर पानी का छिड़काव बढ़ा दिया है।

# एमएलए आवास का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया निरीक्षण, जेपी गंगा पथ और मीठापुर-महुली

**एजेंसी। पटना**

10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद नीतीश कुमार एक बार फिर से प्रदेश में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लगातार ले रहे हैं। पटना में विधायक और विधान पार्षद के लिए बन रहे फ्लैट का सीएम नीतीश ने निरीक्षण किया। वही मीठापुर-महुली एलिवेटेड रोड, बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन के फ्ङ्ङ और अपने ड्रीम प्रोजेक्ट पटना मरीन ड्राइव के नाम से प्रसिद्ध जेपी गंगापथ पर सौंदर्यीकरण कार्य का जायजा लिया। इस दौरान सीएम नीतीश ने अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। बता दें कि मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद नीतीश कुमार एक्टिव मोड में आ गये हैं। वो लगातार अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं और बिहार में चल रही एक-एक परियोजनाओं के कार्य प्रगति के बारे में जानकारी ले रहे हैं। वो लगातार कंस्ट्रक्शन



साइट का विजिट भी कर रहे हैं। पटना में विधायकों और विधान पार्षदों के लिए बनाये जा रहे सरकारी फ्लैट में अब तक कितना काम हुआ है यह देखने के लिए मुख्यमंत्री अधिकारियों के साथ पहुंचे और एक-एक चीज का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिये। उन्होंने इन फ्लैटों में अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने और साफ-सफाई पर ध्यान देने की बात कही। मौके पर भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि मौजूद थे। उन्होंने सीएम नीतीश को बताया कि 75 फ्लैट एमएलसी को आवंटित कर दिया गया है। वही विधायकों के लिए 246 फ्लैट बनाए जा रहे हैं, जिसमें 88 फ्लैट विधायक भी आवंटित किए जा चुके हैं। जबकि 188 फ्लैटों का निर्माण दो महीने में पूरा कर लिया जाएगा। एमएलए और एमएलसी के बन रहे सरकारी फ्लैट का जायजा लेने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मीठापुर-महुली एलिवेटेड रोड के कामकाज को देखने के लिए पहुंचे। अभी इसे सिपारा से मीठापुर से जोड़ने का काम किया जा रहा है। इसका जायजा लेने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कंस्ट्रक्शन के काम को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। मौके पर मौजूद बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष शीर्षत कपिल ने सीएम नीतीश को बताया कि मीठापुर-महुली पथ की लंबाई 11 किलोमीटर है। लेकिन अभी भी काम चल रहा है जिसे अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा। इस दौरान सीएम नीतीश ने पटना-गया पुराने रोड के चौड़ीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से पुनपुन घाट तक जाने के लिए एलिवेटेड सड़क का निर्माण कार्य तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही लक्ष्मण झूला का निर्माण कार्य भी जल्द पूरा करने को कहा। जिसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन (NH-31) के आरओबी का शुभारंभ किया। वही निमार्णाधीन बख्तियारपुर-ताजपुर पथ का निरीक्षण किया और इसे तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दारोगा राय पथ स्थित नवनिर्मित एम०एल०ए० आवास (डुप्लेक्स बंगला) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने एम०एल०ए० आवास के विभिन्न भागों का जायजा लिया और वहां उपलब्ध करायी गयी सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि सभी आवासों में निर्वाचन क्षेत्र संख्या और विधानसभा क्षेत्र अंकित है। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि नवनिर्मित विधायक आवास बहुत अच्छा बना है। इन आवासों को सभी नवनिर्वाचित विधायकों को उनके निर्वाचन क्षेत्र संख्या और विधानसभा क्षेत्र के आधार पर शीघ्र ही आवंटित कर दिया जायेगा। इस आवास में सभी आधुनिक सुविधायें उपलब्ध हैं। इस परिसर का सौंदर्याकरण भी बहुत अच्छे ढंग से किया गया है। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने जे०पी० गंगा पथ के सौंदर्गीकरण कार्य का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि जे०पी० गंगा पथ के निर्माण से लोगों को आवागमन में काफी सहूलियत हो रही है। अधिकारियों को निर्देश देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि जे०पी० गंगा पथ का सौंदर्याकरण कार्य बेहतर ढंग से करायें। पथ के बगल में बनने वाले पार्क में रेलिंग का भी निर्माण करायें ताकि लोग सुरक्षित रह सकें और उन्हें घूमने-फिरने में सुविधा हो।

# सहरसा में फोरलेन पर भीषण टक्कर एक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

**एजेंसी। सहरसा**

सहरसा से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। शहर के पटुआहा स्थित फोरलेन पर दो बाइकों की जोरदार टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा रविवार देर शाम उस समय हुआ, जब सहरसा नगर निगम के वार्ड नंबर 24 निवासी 40 वर्षीय संतोष तिवारी अपनी बाइक से वापस घर लौट रहे थे। उनके साथ बाइक पर उसी वार्ड के 60 वर्षीय मोहम्मद औजीर भी सवार थे। उप्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, संतोष तिवारी अपनी बाइक से जीरो माइल से अपने घर की ओर आ रहे थे। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार में आ रहे एक अज्ञात बाइक सवार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि संतोष और औजीर दोनों सड़क पर गिरकर बुरी तरह जख्मी हो गए। हैरानी की बात यह रही कि टक्कर मारने वाला बाइक सवार खुद भी घायल हुआ, लेकिन मौके से अपनी गाड़ी उठाकर फरार हो गया। हादसे के बाद स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को नजदीकी नारायण






हॉस्पिटल ले जाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि संतोष के सिर में गंभीर चोटें आईं हैं और उनकी स्थिति नाजुक है। उन्हें तुरंत बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। लेकिन दर्दनाक मोड़ यह रहा कि पटना पहुंचने से पहले ही रास्ते में संतोष ने दम तोड़ दिया। दूसरी ओर मोहम्मद औजीर को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। उसंतोष तिवारी की मौत की खबर मिलते ही उनके घर में कोहराम मच गया। वृद्ध मां का रो-रोकर ुरा हाल है। वे लगातार बस यही कह रही थीं कि उनका बेटा ही घर का सहारा था, जिसे ईश्वर ने छीन लिया। संतोष की पत्नी का भी रो-रोकर बुरा हाल है। पति की मौत की खबर सुनते ही वह बेसुध होकर गिर पड़ीं। परिजनों ने किसी तरह उन्हें संभाला, लेकिन बार-बार अपने पति को याद कर उनका दर्द फूट पड़ रहा है। मृतक संतोष तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। उनका परिवार काफी साधारण है और गुजर-बसर के लिए संतोष ही मुख्य सहारा थे। वे पेशे से प्राइवेट बिजली मिस्त्री का काम करते थे, जिससे घर का पूरा खर्च चलता था। संतोष के दो छोटे-छोटे बेटे हैं–एक 11 साल का और दूसरा 8 साल का। पिता की मौत से दोनों मासूमों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उजख्मी मोहम्मद औजीर ने बताया कि वे जीरो माइल से संतोष की बाइक पर बैठकर अपने घर लौट रहे थे।

# पीएम मोदी, सीएम और मैथिली ठाकुर पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाला गिरफ्तार, गुजरात से ला रही पुलिस

**एजेंसी। पटना**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और मैथिली ठाकुर को लेकर इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले आरोपी पंकज कुमार यादव को गुजरात की पुलिस ने उसे जामनगर से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने कहा कि दरभंगा साइबर थाना की पुलिस उसे लाने के लिए रवाना हो गई हैं।दरभंगा पुलिस के अनुसार बहेड़ी थाना के उज्जैना गांव का रहने वाला है पंकज कुमार यादव। उसने शुक्रवार को सुबह में पंकज यादव ऑफिसियल इंस्टाग्राम नाम के आईडी से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मैथिली ठाकुर का आपत्तिजनक फोटो और रिल बनाकर उसने सोशल मिडिया पर वायरल कर दिया। इस रिल के वायरल होते ही दरभंगा के एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने त्वरित कार्यवाई करते हुए साइबर थानाध्यक्ष प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया। साइबर थानाध्यक्ष के बयान पर शुक्रवार की रात प्राथमिकी दर्ज कर कार्यवाई भी शुरू कर दी गई। पुलिस ने इंस्टाग्राम की आईडी का लोकेशन ट्रेस करने के बाद दरभंगा पुलिस ने गुजरात की पुलिस से संपर्क किया। गुजरात की पुलिस को पंकज के बारे में जानकारी दी गई। लोकेशन की जानकारी मिलते ही गुजरात की जामनगर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी की पुष्टि साइबर डीएसपी विपिन बिहारी ने की है।बताया जाता है कि पंकज कुमार यादव बहेड़ी थाना क्षेत्र के उजैना गांव का रहने वाला हैं। वह गुजरात की निजी कंपनी में प्राइवेट नौकरी किया करता हैं। वह अभी कुछ दिनों पहले ही दरभंगा अपने पिता के निधन के बाद आया था। आर्थिक तंगी के कारण वह फिर से गुजरात चला गया। इस संबंध में साइबर डीएसपी विपिन बिहारी ने बताया कि सोशल मिडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने के बाद उसने इंस्टाग्राम आईडी की जाँच के बाद उसे गुजरात की पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की टीम आरोपी पंकज यादव को लाने के लिए भेजी गई है। दरभंगा लाने के बाद उससे पूछताछ की जाएगी।

# बिहार पुलिस की तैयारी कर रहे युवक ने किया सुसाइड मोबाइल पर पत्नी से कहासुनी के बाद उठा लिया बड़ा कदम

**एजेंसी। पटना**

पटना के बाढ़ अनुमंडल स्थित दयाचक में एक युवक ने खुदकुशी कर ली। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और उसे पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज पूरे मामले की छानबीन शुरू की। घटना शनिवार की देर शाम की है। जब पत्नी से मोबाइल पर बात करने के दौरान युवक की कहासुनी हो गयी थी। जिसके बाद उसने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान चलिसकुरवा गांव निवासी 25 वर्षीय मनीष के रूप में हुई है। जो बाढ़ थाना क्षेत्र के दयाचक में किराए के मकान में रहता था। उसकी पत्नी मायके गयी हुई थी। डपत्नी से बातचीत के दौरान कहासुनी हो गयी और गुस्से में आकर उसने इतना बड़ा कदम उठा लिया। मनीष से मिलने जब एक व्यक्ति पहुंचा तो देखा कि वह फंदे से लटका हुआ है। जिसके बाद उसने पुलिस को इस बात की सूचना दी जिसके बाद मौके पर पहुंची



पुलिस ने पूरे मामले की छानबीन शुरू की। परिजनों को भी इस घटना की जानकारी दी गयी। जिसके बाद परिवार के सदस्य भी घटनास्थल पर पहुंचे। परिजनों ने बताया कि मनीष की शादी 6 महीने पहले हुई थी। शादी के बाद वह बिहार पुलिस की तैयारी कर रहा था। पत्नी बख्तियारपुर के अलीपुर गांव की रहने वाली है, 15 दिन से वो मायके में रह रही थी। जब से शादी हुआ तब से मनीष परेशान रहता था। सुसाइड के पहले उसने पत्नी से बातचीत की थी। पुलिस ने उस फोन को जब्त कर लिया है और घटना के सभी बिन्दुओं की जांच शुरू कर दी है। घटना के कारणों का पता अभी नहीं चल पाया है। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों के हवाले कर दिया गया है। परिजन दाह संस्कार के लिए शव को अपने गांव ले गये हैं। जवान बेटे के इस कदर जाने से परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है। उनके आंखों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। इस घटना से गांव में भी मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

# एशिया के सबसे बड़े पशु मेले में पहुंचे एक करोड़ का 'प्रधान जी', देखने उमड़ी भीड़

**एजेंसी। सहरसा**

एशिया के सबसे बड़े और ऐतिहासिक सोनपुर पशु मेले में हर वर्ष कुछ न कुछ अनोखा देखने को मिलता है। यह मेला न केवल व्यापार का केंद्र है, बल्कि पशुप्रेमियों और पर्यटकों के लिए भी उत्सुकता का विषय बना रहता है। इस बार मेले में सबसे अधिक चर्चा जिस पशु की हो रही है, वह है एक अनोखा जाफराबादी नस्ल का भैंसा, जिसका नाम है, प्रधान जी। रोहतास जिले के सूर्यपुरा प्रखंड की गोसल डीह रत्नपट्टी गांव के पूर्व मुखिया ब्रह्मदेव सिंह कुशवाहा इस भैंसे के मालिक हैं। उन्होंने मेले में इसकी कीमत एक करोड़ रुपये रखी है। उनके पुत्र



राजेश कुशवाहा के अनुसार, अभी तक 50 लाख रुपये से अधिक की बोली लग चुकी है और खरीदार लगातार कीमत बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रधान जी सिर्फ एक साधारण भैंसा नहीं है, बल्कि अपनी नस्लीय क्वालिटी और प्रभावशाली काया के कारण मेले में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

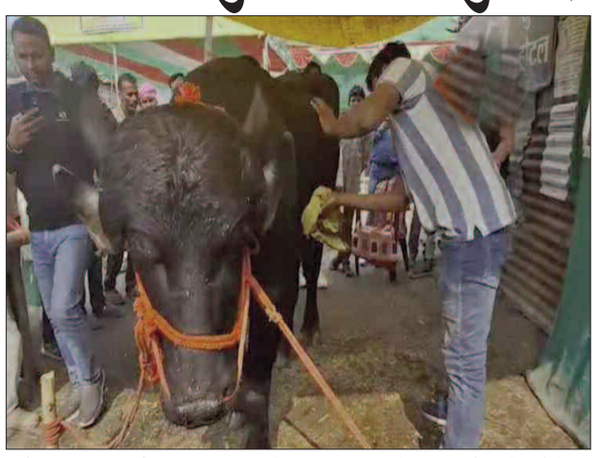

### नस्ल: जाफराबादी भारत की सबसे बेहतरीन दुग्ध उत्पादक नस्लों में से एक

**ऊंचाई: 5 फीट से अधिक**
**लंबाई: 8 फीट से ज्यादा**
**उम्र: 38 महीने**
बिडिंग शुल्क: प्रति बोली 2000 रुपये
दूध क्षमता (इसके बच्चे की अनुमानित): सुबह 12 लीटर + शाम 12 लीटर

प्रधान जी का रौबदार शरीर, चमकदार काया और संतुलित बॉडी स्ट्रक्चर इसे अन्य भैंसों से अलग बनाता है। अपनी प्राकृतिक बनावट, मजबूत हड्डियों और बेहतरीन नस्लीय क्षमताओं के कारण यह पशुपालकों के बीच भारी चर्चा का विषय बन चुका है। प्रधान जी को देखने के लिए रोजाना बड़ी संख्या में लोग जुट रहे हैं। बच्चे, महिलाएँ, पशुपालक, पर्यटक–हर वर्ग का व्यक्ति इसकी झलक पाने को उत्सुक है। कई लोग इसके साथ फोटो और वीडियो भी बना रहे हैं, जिसके कारण यह सोशल मीडिया पर भी काफी वायरल हो रहा है। मेले में आए कई बड़े खरीदारों ने ल्लङ्गीीी२ंङ्क्षि२ दिखाया है और बोलीदाताओं की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। मालिक का दावा है कि इसकी कीमत एक करोड़ तक आराम से पहुंच सकती है क्योंकि जाफराबादी नस्ल के ये गुण और उम्र इसे निवेश के लिहाज से बेहद मूल्यवान बनाते हैं।

# बगहा में बड़ा हादसा टला : पुलिस की गाड़ी का टायर ब्लास्ट, ई-रिक्शा को मारी टक्कर

**एजेंसी। बगहा**

बगहा में रविवार को एक बड़ा हादसा होने से बाल-बाल टल गया। जानकारी के अनुसार नगर थाना की पुलिस गश्ती वाहन रत्नमाला के समीप पहुंचते ही अचानक टायर ब्लास्ट हो गया। टायर फटते ही गाड़ी अनियंत्रित हो गई और तेज रफ्तार होने के कारण सड़क किनारे चल रहे एक ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। अचानक हुए इस हादसे से मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को बाहर निकाला गया। इस दुर्घटना में पुलिस वाहन में सवार एक दारोगा समेत तीन पुलिस कर्मी घायल हो गए। सभी घायलों को तुरंत अनुमंडलीय अस्पताल बगहा ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार घायलों के सिर, हाथ और पैर में चोटें आई हैं, लेकिन स्थिति फिलहाल नियंत्रण में बताई जा रही है।दुर्घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना के अन्य पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। टायर ब्लास्ट की वास्तविक वजहों का पता लगाने के लिए वाहन को थाने ले जाया गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि टायर फटने के बाद पुलिस वाहन बेकाबू होकर करीब 20झ्र25 मीटर तक घिसटता चला गया, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था। राहत की बात यह रही कि उस समय सड़क पर भीड़भाड़ कम थी, अन्यथा जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता था।

## सुभाषितम्

नियम के बिना और अभिमान के साथ किया गया तप व्यर्थ ही होता है। - वेदव्यास

## जमीन और जमीर दोनों गये?

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की का एक बयान आया, जिसमें उन्होंने कहा, हम अपनी जमीन और जमीर दोनों ही खोने की कगार पर खड़े हो गए हैं। रूस के साथ युद्ध के चार साल पूर्ण हो गए हैं। रूस और यूक्रेन को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इस लड़ाई में नाटो देश जो चाहते थे वह भी अपने मकसद मे कामयाब नहीं हो पाए। यूक्रेन के हाथ भी कुछ नहीं लगा। नाटो देशों और अमेरिका ने यूक्रेन को रूस के खिलाफ खड़ा करके यूक्रेन को एक तरह से बर्बाद कर दिया है। इस लड़ाई में अमेरिका और नाटो देशों ने यूक्रेन को जिस तरह का वादा किया था वैसा साथ नहीं दिया। अब नाटो देश और अमेरिका ने जो हथियार दिए हैं उसके भी पैसे मांग रहे हैं। अमेरिका ने तो उसके बदले यूक्रेन का एक हिस्सा ही मांग लिया था। अमेरिका और नाटो देशों के भरोसे पर यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस के साथ युद्ध छेड़ दिया था। यूक्रेन, सोवियत रूस का एक हिस्सा था। जब सोवियत रूस का विघटन हुआ तब यूक्रेन ने अपने आप को सोवियत रूस से अलग कर स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया था। यूक्रेन की आबादी अपने आप को रूस के ज्यादा निकट पाती है। यूक्रेन और रूस की संस्कृति एक दूसरे से जुड़ी हुई है। दोनों ही देशों के लोगों के एक दूसरे के साथ रिश्ते भी हैं। नाटो देशों ने यूक्रेन को जो लालच दिया था उस लालच में यूक्रेन ने जो भविष्य देखा था, उस लिहाज से नाटो देशों और अमेरिका ने एक तरह से यूक्रेन के साथ धोखा किया। उन्होंने यूक्रेन के साथ विश्वासघात किया है। पिछले 4 वर्षों में यूक्रेन की आम जनता का युद्ध के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। नागरिकों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। हजारों लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन ने कई दशकों में जो विकास किया था, इस लड़ाई में वह भी बर्बाद हो गया। नाटो देशों के संगठन और संयुक्त राष्ट्र संघ ने यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध बंद कराने के लिए कोई सार्थक प्रयास नहीं किए। अब इस युद्ध में यूक्रेन का सब कुछ बर्बाद हो गया है। अमेरिका जैसे देश भी अपने हितों को साधने में यूक्रेन को दबाने का काम कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 28 शर्तों के साथ एक प्लान तैयार करके जेलेंस्की को दिया है। डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि यदि उसने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया तो ऐसी स्थिति में अमेरिका भविष्य में उसकी कोई मदद नहीं करेगा। यूक्रेन के लिए यह स्थिति आसमान से गिरने और खजूर में अटकने जैसी हो गई है। ट्रंप के शांति प्रस्ताव में यूक्रेन को अपना 20 फीसदी हिस्सा रूस को देना होगा। इसमें पूर्वी यूक्रेन के डोनबास का इलाका भी शामिल है। यूक्रेन मात्र 6 लाख सैनिकों वाली सेना को रख पाएगा। नाटो देशों के संगठन में यूक्रेन की एंट्री नहीं होगी। नाटो सेनायें यूक्रेन में नहीं रहेंगी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर कह रहे हैं, वह यूक्रेन के साथ हैं। यूरोप में शांति स्थापना के लिए यूक्रेन के पक्ष को मजबूती से रखना होगा। यूक्रेन को सुरक्षा कवच देने की बात कर रहे हैं। युद्ध लड़ने के लिए जो आर्थिक और सामरिक सहायता चाहिए थी वह तो दी नहीं, अभी भी भरोसे पर रख रहे हैं। वहीं ट्रंप ने जो प्रस्ताव जेलेंस्की को दिया है, उस प्रस्ताव में यूक्रेन के हाथ कुछ नहीं लग रहा है। यूक्रेन को शांति स्थापित करने के लिए अपना बहुत बड़ा हिस्सा रूस को देना होगा। यदि यूक्रेन ने शांति प्रस्ताव नहीं माना, तो अमेरिका ने यूक्रेन का साथ छोड़ने की धमकी दी है। ऐसी स्थिति में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की अब खुद मानकर चल रहे हैं, वह नाटो देशों और अमेरिका के फैलाये गए जाल में बुरी तरह से फंस गए हैं। ट्रंप द्वारा जो शांति प्रस्ताव दिया गया है उसे ना उगलते बन रहा है, ना निगलते बन रहा है। यूक्रेन इस शांति प्रस्ताव के तहत ना अपनी जमीन बचा पा रहा है, ना ही अपने जमीर को ही बचा पा रहा है। रुस ने यूक्रेन को तो नाटो से दूर रहने को ही कहा था। यूक्रेन ने रूस के साथ युद्ध करके अपना वह सब कुछ खो दिया है। जो उसका वैभव था। रूस को भी बड़ी आर्थिक, सामरिक और बड़ी संख्या में जनहानि हुई है। यूक्रेन ने अमेरिका और नाटो देशों के भरोसे पर विश्वास करके सबसे बड़ी गलती की।

## चिंतन-मनन

## बद्धजीव का कर्मक्षेत्र

अर्जुन प्रकृति, पुरुष, क्षेत्र, क्षेत्रज्ञ, ज्ञान तथा ज्ञेय के विषय में जानने का इच्छुक था। जब उसने इनके विषय में पूछा तो कृष्ण ने कहा कि यह शरीर क्षेत्र कहलाता है और इस शरीर को जानने वाला क्षेत्रज्ञ है। यह शरीर बद्धजीव के लिए कर्म-क्षेत्र है। बद्धजीव इस संसार में बंधा हुआ है और वह भौतिक प्रकृति पर अपना प्रभुत्व प्राप्त करने का प्रयत्न करता है। इस प्रकार प्रकृति पर प्रभुत्व दिखाने की क्षमता के अनुसार उसे कर्म-क्षेत्र प्राप्त होता है। यह कर्म-क्षेत्र शरीर है। और यह शरीर क्या है? शरीर इन्द्रियों से बना हुआ है। बद्धजीव इन्द्रियतृप्ति चाहता है, और इन्द्रियतृप्ति को भोगने की क्षमता के अनुसार ही उसे शरीर या कर्म-क्षेत्र प्रदान किया जाता है। इसीलिए बद्धजीव के लिए शरीर क्षेत्र अथवा कर्मक्षेत्र कहलाता है। जो व्यक्ति अपने को शरीर मानता है, वह क्षेत्रज्ञ कहलाता है। क्षेत्र तथा क्षेत्रज्ञ अथवा शरीर और शरीर के ज्ञाता (देही) का अन्तर समझ पाना कठिन नहीं है। कोई भी व्यक्ति सोच सकता है कि बाल्यकाल से वृद्धावस्था तक उसमें अनेक परिवर्तन होते रहते हैं, फिर भी वह व्यक्ति वही रहता है। इस प्रकार कर्म-क्षेत्र के ज्ञाता तथा वास्तविक कर्म-क्षेत्र में अन्तर है। एक बद्धजीव जान सकता है कि वह अपने शरीर से भिन्न है। बताया गया है कि जीव शरीर के भीतर है और यह शरीर बालक से किशोर, किशोर से तरुण तथा तरुण से वृद्ध के रूप में बदलता जाता है और शरीरधारी जानता है कि शरीर परिवर्तित हो रहा है। स्वामी स्पष्टतः क्षेत्रज्ञ है। कभी-कभी हम सोचते हैं। मैं सुखी हूं, मैं पुरुष हूं, मैं स्त्री हूं। यह ज्ञाता की शारीरिक उपाधियाँ हैं, लेकिन ज्ञाता शरीर से भिन्न होता है। भले ही हम तरह-तरह की वस्तुएं प्रयोग में लाएं- जैसे कपड़े इत्यादि, लेकिन हम जानते हैं कि हम इन वस्तुओं से भिन्न हैं। इसी प्रकार, थोड़ा विचार करने पर हम यह भी जानते हैं कि हम शरीर से भिन्न हैं। मैं, तुम या अन्य कोई जिसने शरीर धारण कर रखा है, क्षेत्रज्ञ कहलाता है- अर्थात वह कर्म-क्षेत्र का ज्ञाता है और यह शरीर क्षेत्र है- साक्षात कर्म-क्षेत्र है।

# दुबई एयरशो में तेजस हादसा और मेक-इन-इंडिया की साख

- योगेश कुमार गोयल



21 नवंबर को दुबई वर्ल्ड सेंट्रल (अल-मक्तूम) एयरपोर्ट पर आयोजित एयर शो के दौरान भारतीय वायुसेना का स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) 'तेजस एमके-1ए' अचानक नियंत्रण खोकर नीचे गिर गया और आग के गोले में बदल गया। भारतीय वायुसेना ने हादसे की पुष्टि करते हुए कहा कि इस दुर्घटना में पायलट की शहादत हुई है और घटना की खोज के लिए कोर्ट-ऑफ-इंक्वायरी गठित की गई है। दुबई एयरशो के दौरान हजारों लोग अपनी आंखें ऊपर टिकाए उस गर्वित क्षण को देख रहे थे, जब भारत का तेजस एमके-1ए देश की आकाश में अपने कौशल की झलक दिखा रहा था परंतु कुछ ही पलों में यह दृश्य एक भयावह त्रासदी में बदल गया। विमान ने अचानक अपनी स्थिरता खो दी, जैसे किसी ने उसकी धड़कन रोक दी हो और देखते-ही-देखते वह सीधे नीचे गिरता हुआ आग के विशाल गोले में परिवर्तित हो गया। धुएं का काला गुबार ऊपर उठा और पूरा एयरशो मानो स्तब्ध होकर ठहर गया। स्वदेशी इंजीनियरिंग का सबसे चमकदार प्रतीक यह वही तेजस है, जिसने पहली बार 2001 में उड़ान भरी थी और 23 वर्षों तक किसी भी दुर्घटना का शिकार नहीं हुआ। दुनिया के कई हल्के लड़ाकू विमानों में तेजस को सबसे सुरक्षित माना जाता था और आज भी उसकी श्रेणी में यह एक अत्यंत विश्वसनीय प्लेटफॉर्म है। तेजस क्रैश का यह दूसरा मामला है। पहला मार्च 2024 में राजस्थान के जैसलमेर के पास हुआ था, जिसमें पायलट सुरक्षित इजेक्ट हो गए थे। बाद की जांच में पाया गया था कि उस दुर्घटना का कारण इंजन का अचानक सीज होना था। इसके पीछे ऑयल पंप में खराबी की संभावना बताई गई थी। उस घटना के बाद पूरे एलसीए एमके-1 बेड़े की विस्तृत सुरक्षा जांच की गई और पाया गया कि विमान में कोई प्रणालीगत सुरक्षा खामी नहीं है। ऐसी स्थिति में दुबई हादसा एक बार फिर प्रश्न उठाता है कि आखिर इस विश्वसनीय प्लेटफॉर्म ने प्रदर्शन के दौरान अचानक ऐसा व्यवहार क्यों किया, जिसने पायलट को प्रतिक्रिया का भी अवसर नहीं दिया? दुबई एयरशो में विमान द्वारा किए जा रहे मैन्यूवर्स के दौरान जो दृश्य सामने आए, उन्होंने विशेषज्ञों के बीच कई सवाल पैदा किए हैं। विमान तेज गति से एक मोड़ ले रहा था और सामान्यतः ऐसी परिस्थितियों में तेजस जैसे आधुनिक चौथी पीढ़ी के विमान स्थिर रहते हैं परंतु पलभर में ही उसका नियंत्रित ग्लाइड अचानक एक फ्री-फॉल में तब्दील हो गया। विमान के नीचे आते ही कुछ ही सैकेंड में वह पूरी तरह आग में घिर गया। ऐसे में सवाल यही है कि क्या तेजस में कोई ऐसी खामी थी, जो वह दुर्घटनाग्रस्त हुआ। क्या उसकी उड़ान से पहले फिट होने की सही तरह से जांच नहीं की गई थी? न केवल देश बल्कि दुनिया के सामने यह सामने आना जरूरी है कि आखिर तेजस एकाएक हवा से सीधा जमीन पर क्यों आ गिरा क्योंकि इसे पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, या तो विमान को अचानक पावर लॉस हुआ या किसी महत्वपूर्ण नियंत्रण प्रणाली ने काम करना बंद कर दिया। यह भी संभव है कि अत्यधिक तेज कोण (एंगल ऑफ अटैक) में मोड़ लेते हुए विमान एरोडायनामिक स्टॉल का शिकार हो गया हो परंतु अनुभवी टेस्ट पायलट ऐसे मैन्यूवर के दौरान सामान्यतः नियंत्रण नहीं खोते। इसलिए जांच की दिशा स्वाभाविक रूप से किसी तकनीकी विफलता, इंजन व्यवहार, नियंत्रण प्रणाली या अचानक हुई किसी यांत्रिक टूट-फूट की तरफ जाएंगी। तेजस एमके-1ए को भारत का सबसे आधुनिक, हल्का और अत्याधुनिक तकनीक वाला लड़ाकू विमान माना जाता है। यह सुपरसोनिक गति से उड़ान भर सकता है, बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइलें दाग सकता है और एक साथ कई लक्ष्यों को भेद सकता है। इसका ढ़ांचा टाइटेनियम, एल्युमिनियम-लिथियम मिश्रधातुओं और कार्बन फाइबर कंपोजिट से बना है, जिससे यह बेहद हल्का और मजबूत बनता है। यह हल्का वजन ही इसे असाधारण फुर्ती प्रदान करता है। तेजस की रेंज, पेलोड और युद्धक क्षमता इसे एशिया और अफ्रीका के कई देशों में आकर्षण का केंद्र बनाती हैं। मलेशिया, तुर्कमेनिस्तान, इजिप्ट, यूएई, श्रीलंका और सिंगापुर जैसे देश इसमें रुचि दिखा रहे हैं। इसीलिए दुबई एयरशो में तेजस की उपस्थिति भारत के लिए केवल तकनीक का प्रदर्शन नहीं थी बल्कि यह एक अंतर्राष्ट्रीय मंच था, जहां भारत अपनी रक्षा विनिर्माण क्षमता का भरोसेमंद चेहरा पेश कर रहा था। ऐसे में तेजस का प्रदर्शनी के दौरान दुर्घटनाग्रस्त होना स्वाभाविक रूप से भारत की निर्यात संभावनाओं के लिए चिंता का विषय है। हालांकि रक्षा विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि एक अकेली दुर्घटना किसी विमान की छवि को स्थायी रूप से धूमिल नहीं करती, बशर्ते जांच पारदर्शी, तेज और गहन हो। एफ-16, मिग-29, राफेल, ग्रिपेन इत्यादि दुनिया के लगभग सभी प्रसिद्ध युद्धक विमानों की शुरूआती वर्षों में दुर्घटनाएं हुई थी लेकिन समय के साथ वे दुनिया के सबसे विश्वसनीय प्लेटफॉर्म बने। अतः तेजस के लिए भी यह निर्णायक परीक्षा का समय है। तेजस भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी लड़ाकू विमान है, हालांकि इसका इंजन अमेरिकी कंपनी जीई से आता है। भारत और जीई के बीच 2021 और 2023 में हुए समझौतों के तहत एमके-1ए और एमके-2 कार्यक्रम के लिए इंजन की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इंजनों पर आंशिक निर्भरता के बावजूद तेजस की बाकी प्रणाली (डिजाइन, ढ़ांचा, एवीओनिक्स, राडार) भारत द्वारा विकसित की गई हैं। तेजस को भारतीय वायुसेना में 2016 में शामिल किया गया था और तब से इसकी दो स्क्वाड्रन सेवा में हैं। एमके-1ए संस्करण, जो कि दुर्घटनाग्रस्त विमान का मॉडल था, तेजस परिवार का सबसे उन्नत संस्करण माना जाता है। इसके लिए 2021 में भारत सरकार ने एचएएल को 48,000 करोड़ रुपये का बड़ा अनुबंध दिया था और हाल ही में इसकी 97 और इकाईयों के लिए लगभग 62,000 करोड़ रुपये का नया समझौता हुआ था। इसका मतलब है कि भारत आगामी वर्षों में तेजस को अपनी वायुसेना का मुख्य लाइट-फाइटर प्लेटफॉर्म बनाने की दिशा में बढ़ चुका है। ऐसे समय में दुबई जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में हुआ यह क्रैश सार्वजनिक विमर्श में कई प्रश्न छोड़ गया है। क्या यह तकनीकी खामी थी? क्या प्रदर्शन की परिस्थितियां अनुकूल नहीं थी? क्या किसी बाहरी तत्व ने विमान के व्यवहार को प्रभावित किया? क्या पूर्व क्रैश से सीखी गई तकनीकी सीखों को एमके-1ए में पर्याप्त रूप से शामिल किया गया था? इस घटना का एक और भावनात्मक पक्ष है, पायलट की शहादत। एक टेस्ट पायलट उच्च-जोखिम वाले वातावरण में उड़ान भरता है। वे केवल उड़ान नहीं भरते बल्कि हर उड़ान में विमान, उसकी प्रणालियों और उसकी हर क्षमता का परीक्षण करते हैं। इसीलिए उन्हें एयरोनॉटिक्स का अग्रदूत माना जाता है। इस हादसे के बीच यह तथ्य नहीं भुलाया जा सकता कि तेजस अब भी भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता, सामरिक क्षमता और रक्षा-विकास की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। इस दुर्घटना से तेजस का भविष्य खत्म नहीं होता बल्कि यह उसके विकास की गति को और तर्कसंगत, वैज्ञानिक और मजबूत बनाने का अवसर बन सकता है।

# परिवारवाद के आरोपों से उठा सियासी तूफान-आरजेडी बनाम एनडीए की टकराहट

- किशन सनमुखदास भावनानी




बिहार विधानसभा चुनाव के आए हैरत अंगेज नतीजों के बाद बिहार की राजनीति एक बार फिर से परिवारवाद के आरोपों के इर्द-गिर्द घूमने लगी है। नई सरकार के गठन के बाद 21 नवंबर 2025 को देर श्याम जिस तरह से आरजेडी ने मुख्यमंत्री और भारत के प्रधानमंत्री पर तीखे सवाल दागे हैं, उसी तीव्रता से बीजेपी ने भी जवाबी हमला करके पूरे राजनीतिक विमर्श को नई दिशा की ओर मोड़ दिया है। बिहार में सत्ता परिवर्तन के हर चरण के साथ परिवारवाद का मुद्दा किसी धधकते अंगारे की तरह सामने आता रहा है, कभी शांत, तो कभी भड़कता हुआ। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह बहस महज राजनीतिक रणनीति नहीं बल्कि भारतीय लोकतंत्र के भीतर वंशवाद बनाम योग्यता के बड़े विमर्श का हिस्सा है, जो दशकों से विभिन्न राज्यों में अलग-अलग रूपों में सामने आता रहा है। नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद आरजेडी ने जिस आक्रामक अंदाज में नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री मोदी को घेरा, उससे यह साफ हो गया कि आने वाला राजनीतिक सीजन सिर्फ. विकास या प्रशासनिक मुद्दों पर नहीं, बल्कि सत्ता में 'कौन और क्यों' शामिल है, इस सबसे संवेदनशील प्रश्न पर भी केंद्रित रहेगा। आरजेडी ने कहा कि परिवारवाद पर सबसे ज्यादा शोर मचाने वाले अब स्वयं उसी प्रवृत्ति को बढ़ावा दे रहे हैं, इसलिए उन्हें अपने ही आरोपों का जवाब देना चाहिए। यह हमला इसलिए भी तीखा माना गया क्योंकि आरजेडी ने सीधे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री जैसे दो शीर्ष पदों को इस बहस के केंद्र में रख दिया। आरजेडी का तर्क स्पष्ट है, यदि हमारी पार्टी पर वर्षों से परिवारवाद के आरोप लगाए जाते रहे हैं, तो फिर वही कसौटी उन लोगों पर क्यों न लागू की जाए जो इस मुद्दे को नैतिकता और राजनीतिक शुचिता के चश्मे से देखने की बात करते हैं? इस आरोप के उठने भर से बिहार का राजनीतिक माहौल गरमाना स्वाभाविक था। साथियों बात अगर हम कैबिनेट गठन के बाद बढ़ा विवाद कौन किसका बेटा की सूची और बयानबाजी की तीक्ष्णता को समझने की करें तो, नीतीश सरकार के नए मंत्रिमंडल ने जैसे ही शपथ ली, आरोपों की नई पर्तें खुलनी शुरू हो गईं। आरजेडी ने मंत्रियों की एक सूची जारी की, जिसमें दिखाया गया था कि नए कैबिनेट के कई चेहरे किसी न किसी रूप में राजनीतिक परिवारों की अगली पीढ़ी से आते हैं, कोई पूर्व मुख्यमंत्री का बेटा, कोई पूर्व मंत्री का वारिस, कोई जिला स्तर के शक्तिशाली परिवार का सदस्य। आरजेडी का तर्क था कि यही वही तत्व है जिसे एनडीए 'परिवारवाद का विरोध' कहकर चुनावी मंचों पर चुनौती देता रहा है। यह सूची जारी होते ही राजनीतिक तापमान और बढ़ गया। आरोप और प्रत्यारोप इस कदर गहरे हो गए कि बहस अब राजनीतिक समीकरणों से निकलकर राजनीतिक नैतिकता और सिद्धांतों के बड़े दायरे में पहुंच गई। आरजेडी ने कहा कि जो लोग चुनावों में वंशवाद के खिलाफ क्रांति की बात करते थे, अब वही अपने शासन में परिवारों को ही सबसे बड़ी भूमिका दे रहे हैं। साथियों बात अगर हम मंत्रिमंडल में जगह पाए इस परिवारवादी सूची तथा व्यंग्य, कहावतें और राजनीतिक कटाक्ष, बिहार की सियासत की सदाबहार शैली को देखकर समझने की करें तो (1) संतोष सुमन- पूर्वसीएम व गया से सांसद और वर्तमान केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का पुत्र, वर्तमान विधायक ज्योति मांझी का दामाद और वर्तमान विधायक दीपा मांझी का पति संतोष सुमन मांझी (2) सम्राट चौधरी-पूर्व मंत्री शकुनी चौधरी और पूर्व विधायक दिवंगत पार्वती देवी का उपमुख्यमंत्री पुत्र सम्राट चौधरी। (3) दीपक प्रकाश-पूर्व केंद्रीय मंत्री, वर्तमान राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा और वर्तमान विधायक स्नेहलता का पुत्र दीपक प्रकाश। (4) श्रेयसी सिंह- पूर्व केंद्रीय मंत्री दिग्विजय सिंह और पूर्व सांसद पुतुल कुमारी की पुत्री श्रेयसी सिंह। (5) रमा निषाद -पूर्व केंद्रीय मंत्री कैप्टन जय नारायण निषाद की बहु और पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी रमा निषाद। (6) विजय चौधरी- पूर्व विधायक जगदीश प्रसाद चौधरी का पुत्र विजय चौधरी। (7) अशोक चौधरी-पूर्व मंत्री महावीर चौधरी का पुत्र और समस्तीपुर की वर्तमान सांसद शांभवी चौधरी का पिता अशोक चौधरी (8) नितिन नबीन-पूर्व विधायक नवीन किशोर सिन्हा का पुत्र नितिन नबीन। (9) सुनील कुमार- पूर्व मंत्री चन्द्रिका राम का पुत्र और पूर्व विधायक अनिल कुमार का भाई सुनील कुमार। (10) लेसी सिंह- समता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष दिवंगत भूटन सिंह की पत्नी लेसी सिंह। व्यंग्य, कहावतें और राजनीतिक कटाक्ष, बिहार की सियासत कीसदाबहार शैली-बिहार की राजनीति में व्यंग्य हमेशा ही बहस का एक प्रमुख हथियार रहा है। आरजेडी ने परिवारवाद पर अपने हमले को और तीखा करनेके लिए प्रसिद्ध कहावतों और दोहों का इस्तेमाल किया। वंशजों की पालकी उठवाए चारों दिशाम, फिर दूसरों के नीति पर दें कैसे वो ज्ञान इसी तरह आरजेडी ने सबको परिचित कहावत का सहारा लिया-जिनके सूप ही हजारो छेद है, वो चलनी पर क्या सवाल खड़े करेंगे ये पंक्तियाँ केवल शाब्दिक कटाक्ष नहीं थीं, बल्कि यह संकेत भी थीं कि राजनीतिक बहस अब तर्क के स्तर से भावात्मक और सांस्कृतिक प्रतीकों के स्तर पर जा चुकी है।

## कांग्रेस को ले डूबा, अहम और वहम

-मुस्ताअली बोहरा

लोकसभा चुनाव और उसके बाद हरियाणा, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, दिल्ली से लेकर बिहार तक कांग्रेस के हालात नहीं बदल सके। कांग्रेस का ही नारा था.... हाथ बदलेगा हालात। लोकसभा चुनाव में जिन दलों के साथ कांग्रेस गलबहियां कर रही थीं बाद में उन्हीं दलों के साथ मतभेद उभरकर सामने आ गए, बतौर उदाहरण आप। बिहार में कांग्रेस ने जिन दलों के साथ गठबंधन किया वो भी फिस्सडी निकले। यहां हम थोड़ा वक्त पहले चलें जब 2023 में दो दर्जन से भी ज्यादा विपक्षी दलों ने इंडिया गठबंधन बनाया था तो एकजुटता के दावे किए गए थे। ये नारा भी दिया गया था कि जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया, लेकिन लोकसभा चुनाव के दौरान ही फूट उजागर हो गई। लोस चुनाव के बाद तो पूरा का पूरा गठबंधन ही बिखर गया। लोकसभा चुनाव में भी बंगाल, केरल और पंजाब में मित्र दल एक दूसरे के खिलाफ लड़ रहे थे। यानि ये माना जा सकता है कि जब देश में यूपीए की सरकार थी तब के कांग्रेसनीत गठबंधन को कांग्रेस बरकरार नहीं रख पाई। देश की सत्ता पर दशकों तक राज करने वाली कांग्रेस आज अपना अस्तित्व बचाने के लिए जूझ रही है। तमिलनाडु, बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, आंध्रप्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, जम्मूकश्मीर से लेकर मध्यप्रदेश तक कांग्रेस की जड़ें कमजोर हो गईं हैं। सच ये भी है कि कांग्रेस की ये स्थिति अचानक से नहीं हुई है। कांग्रेस नेतृत्व इतना आत्ममुग्ध हो गया कि संगठन कब और कितना खोखला हो गया इसका एहसास ही नेताओं को नहीं हुआ। संगठन के पदों से लेकर टिकट वितरण तक में काबिल लोगों की अनदेखी हुई। कांग्रेस से अलग होकर जो क्षेत्रीय दल बने वो ज्यादा मजबूत होते गए। या यूं कहा जाए कि कांग्रेस के बिखरे वोटों को बटोरने वाले क्षेत्रीय दलों की स्थिति आज कांग्रेस से बेहतर है। बतौर उदाहरण, सन 2013 में आप ने दिल्ली की सत्ता से कांग्रेस को बेदखल कर दिया था। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस कभी सपा से गठबंधन करती रही, तो कभी बसपा से। राहुल गांधी कभी अखिलेश यादव की सरकार को कोसते दिखते हैं तो कभी उन्हीं से गठजोड़ कर लेते हैं। ऐसा नहीं है कि ये सिर्फ कांग्रेस या राहुल ने ही किया हो भाजपा भी वक्त दर वक्त अपने राजनीतिक मित्र बदलते रही है। लेकिन, असल धर्म संकट उन कार्यकताओं के साथ होता है जो अपनी पार्टी के प्रति समर्पित भाव से काम करते हैं। जिसके खिलाफ राजनीतिक विरोध हो उसी के साथ मतदाताओं के बीच जाकर वोट मांगना इन कार्यकताओं के लिए मुश्किल हो जाता है। लोकसभा और फिर लगातार विभिन्न राज्यों में विधानसभा चुनाव हार के बाद कांग्रेस के सामने फिर नेतृत्व परिवर्तन की मांग उठ रही है, पार्टी का थिंक टैंक खामियों को ढूंढने और दूर करने की बात कह रहा है। विपक्षी दलों को कांग्रेस को घेरने का मौका मिल गया है और इनमें से कुछ तो उसके अस्तित्व पर ही सवाल उठा रहे हैं। आज कांग्रेस की जो हालत है उससे क्या ये माना जाए कि कांग्रेस अब राजनीतिक पटल से बाहर हो जाएगी ?, इस पर पुराने कांग्रेसियों का तर्क है कि ऐससा नहीं है। एक वक्त में तो भाजपा की भी देश भर में दो ही संसदीय सीटें थी और फिर वो तीन सौ से ज्यादा सीटों पर पहुंच गई। कांग्रेस को भी अपने अहम और वहम से बाहर निकलना होगा, संगठन को मजबूत बनाना होगा, कार्यकताओं में जोश भरना होगा, वोटरों का भरोसा जीतना होगा। क्षेत्रीय दलों के भरोसे सत्ता तक पहुंचने की कोशिश की छोड़नी होगी तो हाथ के हालात बदलने में वक्त नहीं लगेगा।

## आज का राशिफल

**मेष** अचानक आने वाली परेशानी के कारण लाभ के अवसरों में रुकावट आ सकती है।

**तुला** पकड़ मजबूत बनी रहेगी। आपकी सूझबूझ से एक के बाद एक मामले सुलझाते चले जाएंगे।

**वृषभ** दिन लाभ दिलाने वाला साबित होगा। अधिक उत्साह के कारण कुछ कार्य बिगड़ भी सकते हैं।

**वृश्चिक** आज दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। कार्यक्षेत्र में जटिल काम आसानी से पूरे होंगे।

**मिथुन** आज के दिन मतभेद हो सकता है। ऐसे में परिवार के सदस्यों के साथ खुलकर बातचीत करें।

**धनु** छोटी-मोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में शुभ समाचार प्राप्त होगा।

**कर्क** दिन अधिक मेहनत करनी होगी। कुछ पुराने कार्यों की वजह से आपको तनाव हो सकता है।

**मकर** आज मेहनत का अच्छा फल मिलेगा। कार्यक्षेत्र में नई योजनाओं से लाभ मिलेगा।

**सिंह** सब कुछ अच्छा रहने वाला है। आपके सभी काम बिना किसी बड़ी अड़चन के समय पर पूरे हो जाएंगे।

**कुंभ** धन दोनों का नुकसान हो सकता है। हालांकि इस दौरान योजनाबद्ध कार्य सफल होंगे।

**कन्या** आज का दिन शुभ समाचारों से भरा रहेगा। किसी आयोजन में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

**मीन** दिन काफी लाभदायक है। अपनी बुद्धिमानी से आप कठिन परिस्थितियों को भी आसानी से संभाल लेंगे।

## विशेष

## रिटेल में वैश्विक व्यापार

रिटेल कारोबार में वैश्विक व्यापार संधि के कारण पहले किसानो और व्यापारियों के ऊपर कुठाराघात हुआ। अब यह कुठाराघात मजदूरों के ऊपर होने जा रहा है। जिस तरह के लेबर लासरकार ने बना दिए हैं। उसके बाद असंगठित क्षेत्र के कारोबार मे जो करोणों मजदूर काम करते थे। अब उनकी नौकरी भी खतरे में पडती दिखाई दे रही है। अब 5 -10 कर्मचारी वाले संस्थान भी इंस्पेक्टर राज के दायरे में आ जाएंगे। सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं है। मनरेगा में 100 दिन का न्यूनतम काम देना जरूरी है। मनरेगा में जो श्रमिक पंजीकृत हैं। उन्हें 40 दिन का भी काम नहीं मिल रहा है। श्रमिकों का आगे भगवान ही मालिक है।

## सरकारी अस्पताल के बेड पर कुत्तों का कब्जा

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले की सरकारी अस्पताल के एक वार्ड के बिस्तर पर कुत्ते सो रहे हैं। दर्जनों की संख्या में कुत्ते अस्पताल परिसर में घूमते हैं। जब उन्हें आराम करने का मन होता है। तो बिस्तर पर जाकर सो जाते हैं। अस्पताल परिसर का फोटो वायरल हो रहा है। जिसमें कुत्ते बेड पर सो रहे हैं। सरकारी अस्पताल के सारे वार्ड संक्रमण से मुक्त होना चाहिए। वहां पर कुत्ते झुंड में घूमते घूमते हुए संक्रमण फैला रहे हैं। जहां जगह मिलती है, वहां सो जाते हैं। अस्पताल प्रशासन सोया हुआ है, या जाग रहा है। यह सरकार और भगवान ही जानते होंगे। कोई निजी अस्पताल होता तो कमाई का साधन बन जाता।

## कार्टून कोना




## आज का इतिहास

1867: कंटीले तार का पेटेंट जोसेफ ग्लीडेन ने अमरीका में कराया। 1926: श्री अरविंदस्वामी को पूर्ण सिद्धि प्राप्त हुई। 1961: सुरक्षा परिषद ने अफ्रीका को परमाणु मुक्त क्षेत्र बनाने का आह्वान किया। 1963 :अमरीकी राष्ट्रपति जान एफ. केनेडी के कथित हत्यारे ली हाव ओसवाल्ड को जैक रूबी ने गोली मार दी। 1964: बेल्जियम के छाताधारी सैनिकों ने कांगो के सैनिकों के साथ मिलकर विद्रोहियों से स्टैनलेविले छीन लिया। 1970: जापानी लेखक युकियो मिशिमा ने सेना के कार्यालय पर हमले के बाद आत्महत्या कर ली। 1972: थाईलैंड ने अमरीका को वायुसेना का अड्डा बनाए रखने की अनुमति दी। 1974: अमरीका और सोविय संघ में परमाणु हथियारों के परिसीमन के बारे में सहमति बनी। 1975: पूर्वी तुर्की में भूकंप से लगभग छह सौ व्यक्ति मारे गए।

## दैनिक पंचांग

**24 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**




**सोमवार** 2025 वर्ष का 328 वा दिन
**दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** हेमन्त।
**विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947
**मास** मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल
**तिथि** चतुर्थी 21.23 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा 21.54 बजे को समाप्त।
**योग** शूल 12.37 बजे को समाप्त।
**करण** वणिज 08.26 बजे तदनन्तर विष्टि 21.23 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 3.7 घण्टे
**रवि क्रान्ति** दक्षिण 20° 33'
**सूर्य** दक्षिणायन
**कलि अहर्गण** 1872538
**जूलियन दिन** 2461003.5
**कलियुग संवत्** 5126
**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
**वीरनिर्वाण संवत्** 2552
**हिजरी सन्** 1447
**महीना** जमादि उस्सानी
**तारीख** 02
**विशेष** विनायक चतुर्थी।

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | वृश्चिक में | धनु | 08.04 बजे से |
| चंद्र | धनु में | मकर | 10.09 बजे से |
| मंगल | वृश्चिक में | कुंभ | 11.56 बजे से |
| बुध | तुला में | मीन | 13.29 बजे से |
| गुरु | कर्क में | मेष | 14.59 बजे से |
| शुक्र | तुला में | वृष | 16.39 बजे से |
| शनि | मीन में | मिथुन | 18.37 बजे से |
| राहु | कुंभ में | कर्क | 20.51 बजे से |
| केतु | सिंह में | सिंह | 23.07 बजे से |
| राहुकाल | 7.30 से 9.00 बजे तक | कन्या | 01.19 बजे से |
| | | तुला | 03.30 बजे से |
| | | वृश्चिक | 05.44 ब.से |

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| अमृत | 05.53 से | 07.22 बजे तक | चर | 05.43 से | 07.14 बजे तक |
| काल | 07.22 से | 08.50 बजे तक | रोग | 07.14 से | 08.45 बजे तक |
| शुभ | 08.50 से | 10.19 बजे तक | काल | 08.45 से | 10.17 बजे तक |
| रोग | 10.19 से | 11.48 बजे तक | लाभ | 10.17 से | 11.48 बजे तक |
| उद्वेग | 11.48 से | 01.17 बजे तक | उद्वेग | 11.48 से | 01.19 बजे तक |
| चर | 01.17 से | 02.45 बजे तक | शुभ | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| लाभ | 02.45 से | 04.14 बजे तक | अमृत | 02.51 से | 04.2 बजे तक |
| अमृत | 04.14 से | 05.43 बजे तक | चर | 04.22 से | 05.53 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## संक्षिप्त समाचार

### ट्रेन की चपेट में आने से मटकुरिया के वृद्ध की मौत

**धनबाद, एजेंसी।** ट्रेन की चपेट में आने से शनिवार की शाम मटकुरिया चेक पोस्ट शिव मंदिर के समीप रहने वाले 60 वर्षीय महेंद्र रवानी की मौत हो गयी। वह किसी काम से मटकुरिया के समीप रेलवे लाइन के पास गये हुए थे। रेलवे लाइन क्रॉस करते समय ट्रेन की चपेट में आकर घायल हो गये। उनके घायल होने की सूचना पर पहुंचे परिजन उन्हें उठाकर एंबुलेंस से एसएनएमएमसीएच पहुंचे। यहां जांच के बाद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके दामाद सुदामडीह निवासी कपिल रवानी ने बताया कि महेंद्र रवानी बैकमोड़ में चाय की दुकान चलाते थे। उनके घायल होने की सूचना पर मटकुरिया के समीप घटनास्थल पहुंचे और उन्हें लेकर एसएनएमएमसीएच पहुंचे। मृतक महेंद्र का शव फिलहाल एसएनएमएमसीएच के मॉर्चुरी में रखा गया है। रविवार को पुलिसिया कार्रवाई के बाद उनके शव का पोस्टमार्टम कराया जायेगा।

### मनरेगा संविदा नियुक्ति में नयी सूची जारी, 29 नवंबर तक दावा-आपत्ति का मौका

**धनबाद, एजेंसी।** तकनीकी सहायक (सहायक अभियंता/कनीय अभियंता समकक्ष), लेखा सहायक और कंप्यूटर सहायक के रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए वर्ष 2023 में निकाले गये विज्ञापन के आधार पर प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों की स्क्रूटनी हो चुकी है। विभाग ने नियुक्ति समिति के निर्णयानुसार अंतरिम/प्रारंभिक औपबंधिक मेधा सूची, अयोग्य आवेदकों की सूची तथा दक्षता परीक्षा के लिए योग्य अभ्यर्थियों की सूची धनबाद जिला की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। इसके पूर्व दावों व आपत्तियों को दर्ज कराने के लिए प्रारंभिक सूची 29 जुलाई को वेबसाइट और कार्यालय सूचना पट्ट पर प्रकाशित की गई थी। आवेदकों द्वारा दर्ज आपत्तियों के समाधान के बाद अब संशोधित सूची सार्वजनिक की गयी है। जिला ग्रामीण विकास शाखा ने सभी अभ्यर्थी को इस नयी सूची पर कोई दावा या आपत्ति हो, तो उन्हें 29 नवंबर शाम पांच बजे तक कार्यालय दिवस में लिखित आवेदन के माध्यम से दावा या आपत्ति दर्ज कराने का अवसर दिया है। तय समय सीमा के बाद प्राप्त किसी दावा–आपत्ति पर विचार नहीं होगा। विभाग ने बताया कि सभी वैध दावों के निराकरण के बाद अंतिम मेधा सूची तैयार की जाएगी, जिसके आधार पर दक्षता परीक्षा आयोजित होगी। परीक्षा से संबंधित तिथि व विस्तृत सूचना जिला वेबसाइट तथा प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित की जायेगी।

### युवा महोत्सव 'अंतर्नाद-2025' के लिए प्रायोजक ढूंढ रहा बीबीएमकेयू

**धनबाद, एजेंसी।** विश्वविद्यालय धनबाद में कार्यरत विभिन्न पीएसयू और उन बैंकों को प्रस्ताव भेज रहा है, जिनमें विश्वविद्यालय के खाते संचालित हैं। अधिकारियों के अनुसार पहली बार युवा महोत्सव के लिए प्रायोजक तलाशने की पहल की गयी है। इससे पहले यह आयोजन विवि अपने स्तर पर करता था। विश्वविद्यालय अधिकारियों ने बताया कि युवा महोत्सव का आयोजन खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए छात्रों से लिये जाने वाले शुल्क से किया जाता है। हालांकि फंड की कमी को देखते हुए इस वर्ष प्रायोजकों से सहायता लेने का निर्णय लिया गया है। विवि प्रशासन ने इस प्रायोजन के माध्यम से लगभग एक करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। अधिकारियों के अनुसार इस वर्ष 'अंतर्नाद-2025' की मेजबानी पीके रॉय मेमोरियल कॉलेज को दी जा सकती है। कॉलेज प्रशासन को इस संबंध में मौखिक सूचना दे दी गयी है। अब तक पीके रॉय कॉलेज को एक बार भी युवा महोत्सव की मेजबानी नहीं मिली है। कॉलेज प्रशासन भी मेजबानी को लेकर उत्साहित है।इस वर्ष युवा महोत्सव का आयोजन जनवरी में प्रस्तावित है। संभवत: यह कार्यक्रम जनवरी के दूसरे सप्ताह में आयोजित होगा। यह आयोजन जोनल युवा महोत्सव से पहले होगा।

### मंगरा हाट की जमीन पर कब्जे की सीओ ने की जांच

**धनबाद, एजेंसी।** फुलारीटांड़ स्थित मंगरा हाट की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत पर शनिवार को बाघमारा सीओ गिरजा नंद किस्कू ने जांच की। इस दौरान सीओ ने विवादित निर्माण, सरकारी चबूतरा और उसके आसपास की जमीन चिह्नित कर स्थिति का आकलन किया। सीओ श्री किस्कू ने बताया कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। जांच प्रतिवेदन तैयार कर आगे की कार्रवाई की जायेगी। इधर, प्रशासनिक कार्रवाई शुरू होते ही अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया है।स्थानीय ग्रामीणों एक संयुक्त हस्ताक्षरित आवेदन सीओ को देकर हटिया की जमीन पर कब्जे की शिकायत की थी। ग्रामीणों के अनुसार आरोपी द्वारा सरकारी भूमि की ओर दरवाजा खोल कर उसे निजी जमीन बताते हुए चारपहिया वाहन खड़ा करता था। इससे हटिया आने वाले लोगों को परेशानी हो रही थी। ज्ञात हो कि नौ नवंबर को कचरा फेंकने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद के बाद मारपीट की घटना हुई थी। जिसमें महिलाओं समेत पांच लोग घायल हो गये थे।

# विधायक जनता के भरोसे को बनाए रखें, योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे: राज्यपाल गंगवार

**रांची, एजेंसी।** झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शनिवार को कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का उद्देश्य जनकल्याण और राज्य का विकास होना चाहिए। उन्होंने विधायकों से यह भी आग्रह किया कि वे सुनिश्चित करें कि सरकारी योजनाओं का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। रांची में झारखंड विधानसभा के रजत जयंती समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि मेरा मानना है कि टकराव नहीं, बल्कि स्वस्थ चर्चा से लोकतंत्र मजबूत होता है। सत्ता पक्ष और विपक्ष को जनकल्याण और राज्य के विकास के लक्ष्य को लेकर कार्य करना चाहिए। झारखंड विधानसभा का गठन 22 नवंबर, 2000 को हुआ था।

उन्होंने कहा कि विधानमंडल लोकतंत्र का मुख्य स्तंभ है। जनता द्वारा चुने गए विधायक न केवल राज्य में कानून निर्माण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि जनता और सरकार के बीच एक मजबूत सेतु का काम भी करते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि के तौर पर विधायक की सबसे बड़ी जिम्मेदारी जनता के भरोसे को बनाए रखना है। जनता द्वारा दिया गया अधिकार सेवा का अवसर है, शक्ति का माध्यम नहीं। विधायकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सरकारी योजनाओं का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

उन्होंने कहा कि यह विशेष दिन हमारे लिए यह संकल्प लेने का अवसर है कि हम सभी मिलकर झारखंड को राजनीतिक रूप से मजबूत, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सामाजिक रूप से समृद्ध बनाएँगे। इस अवसर पर राज्यपाल ने धनबाद विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी के तीन बार के विधायक राज सिन्हा को श्रेष्ठ विधायक पुरस्कार भी प्रदान किया।

पुरस्कार प्राप्त करने के बाद राज सिन्हा ने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां श्रेष्ठ विधायक के रूप में उपस्थित रहूंगा। इस सम्मान के लिए मैं उन सभी का आभारी हूं जिन्होंने मुझे इसके योग्य समझा। मैं यह पुरस्कार धनबाद की जनता को समर्पित करता हूं। यह मुझे और कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा देगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर रहा है, लेकिन अभी भी गरीबी, कुपोषण और पिछड़ेपन से जूझ रहा है।

उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार ने हर व्यक्ति को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से मजबूत बनाने का संकल्प लिया है। इसी संकल्प के तहत राज्य की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और बेहतर शिक्षा के लिए स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की शुरुआत की गई है। राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष पर हमने 'सेवा का अधिकार' कार्यक्रम भी शुरू किया है। ये कदम भविष्य में मील का पत्थर साबित होंगे। समारोह के दौरान राष्ट्र के लिए शहीद हुए झारखंड के सैनिकों के परिजनों को सम्मानित किया गया। इसके अलावा विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों और राज्य को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में गौरवान्वित करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया।

## ऐसे गाया आपने की आंखें भर आयीं

**धनबाद, एजेंसी।** इंडियन आइडल सीजन 16 में शनिवार को सोनी टीवी पर कोयलांचल के अभिषेक कुमार ने धमाकेदार प्रस्तुति देकर एक बार फिर से सबका दिल जीत लिया। अभिषेक छठे नंबर के कंटेस्टेंट थे। उन्हें मंच पर बुलाने से पहले जज श्रेया घोषाल ने उनके पिता अंजय साव को आमंत्रित कर अभिषेक को सरप्राइज कर दिया। पिता को मंच की तरफ आता देख अभिषेक आश्चर्य से देखते रह गये। फिर भाग कर पिता के चरण छूए। गले लग भावुक होते हुए कहा मुझे तो पता भी नहीं था कि पापा आ रहे हैं। बहुत दिनों से मम्मी-पापा से मिला नहीं हूं। बस वीडियो कॉल पर बातें हो जाती हैं। जज विशाल ददलानी ने अपनी सीट पर अभिषेक के पिता को बिठा कर कहा-आप मेरी जगह से अभिषेक को गाते हुए सुनें। पिता ने कहा-ज्यादा अच्छा गाया : सबसे पहले उसके पिता से परफार्मेंस के बारे में पूछा गया। उन्होंने कहा ज्यादा अच्छा लगा। उसके सुर सुपर से भी ऊपर थे। घर में रियाज करते सुनता था। मंच की बात ही कुछ और है। मुझे सब सपना लग रहा है। यकीन नहीं हो रहा मैं इंडियन आइडल के मंच पर बैठ कर बेटे को गाते सुन रहा हूं। बेटे की वजह से मैं मुंबई आ पाया। नैना जो साझे ख्वाब देखते थे, नैना गाकर मचाया धमाल : अभिषेक ने 'नैना जो साझे ख्वाब देखते थे नैना, बिछड़ के आज रो दिये हैं, यूं गाकर माहौल बना दिया। उनका गाना खत्म होने के बाद कुछ सेकेंड तक पिन डॉप साइलेंस छा गया।

# केरेडारी के पेटो पंचायत में सभी आवेदन का किया गया निष्पादन

**केरेडारी, एजेंसी।** सेवा का अधिकार सप्ताह 2025 के तहत आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के दूसरे दिन केरेडारी प्रखंड के तीन पंचायत पेटो, पचड़ा व पाण्डु में शिविर का आयोजन किया गया। जिला के अपर समाहर्ता संतोष कुमार सिंह पेटो पंचायत के शिविर में शामिल हुए और यहां लाभुकों के बीच परिसम्पत्ति व प्रमाण पत्र वितरित किये।

यहां जिला परिषद सदस्या अनिता सिंह, बीडीओ विवेक कुमार, सीओ रामरतन कुमार वर्णवाल,उप प्रमुख अमेरिका महतो, पंसस अरबिंद साव, पंचायत सचिव कुमकुम कुमारी समेत गुरुदयाल साव, रामेश्वर साव, प्रीतम साहू, अशेश्वर यादव, कंचन यादव आदि प्रबुद्ध गण उपस्थित थे। लगातार दूसरे दिन सर्वर खराब रहने के कारण मुख्यमंत्री माइयां सम्मान योजना का पोर्टल नही खुल पाया वैसे आवेदन जमा लिए गए। यहां कार्यक्रम की अध्यक्षता मुखिया कौशल्या देवी व संचालन रामवतार रजक ने किया।पेटो पंचायत के शिविर में कुल 184 आवेदन आये सभी का ऑनलाइन भी हुआ तथा सभी आवेदन को निष्पादित भी किया गया, वहीं पचड़ा पंचायत में कुल 200 आवेदन आये,सभी का ऑनलाइन हुआ 105 आवेदन निष्पादित किये गए वहीं 15 की जांच की जा रही है। पाण्डु पंचायत में कुल 128 आवेदन आये सभी का ऑनलाइन हुआ 109 निष्पादित किये गए 19 आवेदन का जांच की जा रही है। सभी जगह आय, जाति, आवासीय, मृत्यु, जन्म प्रमाण पत्र, दाखिल खारिज, वृद्धापेंशन, विकलांग पेंशन, स्वास्थ्य व अन्य लोक कल्याणकारी योजनाओं के स्टॉल लगाए गए थे।

# पत्नी और नवजात को मारकर करना चाहता था दूसरी शादी

**पलामू, एजेंसी।** लातेहार जिले के बरवाडीह थाना क्षेत्र के उक्कामाड़ गांव में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति पर अपनी पत्नी और 20 दिन के नवजात बच्चे को जहर देने का गंभीर आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि आरोपी पति दूसरी शादी की तैयारी में था।इसके लिए वह पत्नी व बच्चे को रास्ते से हटाना चाहता था। घटना शनिवार रात की है। जानकारी के मुताबिक पति ने पत्नी और नवजात को दवा देने के बहाने जहर मिलाकर पिलाने का प्रयास किया। नवजात को जैसे ही दवा पिलाई गई, उसमें से तेज दुर्गंध आने लगी। बच्चा दवा का कुछ हिस्सा ही पी पाया, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। इसी दौरान पत्नी को शक हुआ। उसने दवा को सूंघकर आशंका जताया कि इसमें जहर मिलाया गया है।

गांव की ही युवती से अफेयर में था पति

पीड़िता रूबी देवी ने बताया कि उसकी शादी एक वर्ष पहले पीतलेश सिंह से हुई थी। शादी के कुछ ही महीनों बाद पति का व्यवहार

बदलने लगा। रूबी ने आरोप लगाया कि पीतलेश का गांव की ही एक युवती से प्रेम संबंध है। वह उसी से शादी करना चाहता है। इसी कारण वह रूबी और उसके नवजात को अपने जीवन से हटाना चाहता था।

रूबी के अनुसार, शनिवार को पति ने दोनों के लिए दवा लाकर कहा कि इसे लेने से कमजोरी दूर होगी। लेकिन दवा से उठती दुर्गंध ने रूबी को सतर्क कर दिया। उसने तुरंत नवजात को लेकर मेदिनीनगर के एमएमसीएच पहुंची। रात में ही बच्चे को अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में भर्ती करा दिया गया। डॉक्टरों ने बताया कि समय पर इलाज मिलने से बच्चे की स्थिति में सुधार होने लगा है, हालांकि अभी उसे निगरानी में रखा गया है।

अस्पताल चौकी पुलिस ने पूरे मामले की जानकारी ली है। रूबी देवी ने दोनों दवाएं पुलिस को सौंप दी हैं, जिनमें जहर होने की आशंका है। पुलिस दवा को फोरेंसिक जांच के लिए भेजने की तैयारी कर रही है। महिला ने अपने पति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल नवजात एसएनसीयू में मां की देखरेख में है। डॉक्टरों की टीम लगातार उसकी स्थिति पर नजर रखे हुए है। घटना के बाद गांव में भी चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

# 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर गूंजेगी झारखंड पुलिस के कर्नल जेके सिंह की आवाज

**धनबाद, एजेंसी।** गणतंत्र दिवस परेड 2026 में झारखंड के लिए गर्व का क्षण बनने जा रहा है। झाड़ूडीह पालीटेक्निक रोड निवासी एवं झारखंड पुलिस में सेवारत कर्नल जेके सिंह की आवाज कर्तव्य पथ नई दिल्ली में 26 जनवरी 2026 को होने वाली परेड में गूंजेगी।

कर्नल चयन प्रक्रिया के सभी चरणों में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान पर रहे हैं। दिल्ली में आयोजित परीक्षणों में कर्नल सिंह ने शारीरिक क्षमता, रणनीतिक नेतृत्व, सैन्य अनुशासन और परेड कमांड की दक्षता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कर्नल ने बताया कि देशभर के शीर्ष सैन्य अधिकारियों, मीडिया, तकनीकी विशेषज्ञों एवं सुरक्षा इकाइयों ने हिस्सा लिया। 48 घंटे तक चले इस अभ्यास में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, मनोवैज्ञानिक संतुलन, रणनीतिक योजना, परेड आदेश और टीम प्रबंधन के उच्च मानकों पर उम्मीदवारों का आकलन किया गया। इसमें उन्हें सर्वोच्च स्थान मिला।

कर्नल जेके सिंह इससे पहले गणतंत्र दिवस परेड में चयनित हो चुके हैं। पूर्व में झारखंड के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों रांची, जमशेदपुर, लातेहार,

दुमका, पलामू, गढ़वा सहित कई जिलों में विशेष सुरक्षा अभियान एवं काउंटर आपरेशन की जिम्मेदारी दी गई थी। कर्नल के नेतृत्व में झारखंड के 14 चयनित सिपाहियों को विशेष प्रशिक्षण के लिए भेजा गया है, ताकि वे राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। केंद्र सरकार की ओर से गुड प्रैक्टिस माडल के रूप में कर्नल के कार्यों को विशेष स्थान दिया गया है।

इसे झारखंड पुलिस में रोल माडल प्रशिक्षण के रूप में लागू किया जा रहा है। कर्नल की पहल पर झारखंड के 26 वीर जवानों के बच्चों को सैनिक स्कूल और सैनिक अकादमी प्रवेश तैयारी कार्यक्रम में शामिल किया गया। इनमें कई अब राष्ट्रीय स्तर पर चयनित हो चुके हैं।

कर्नल सिंह को जम्मू-कश्मीर में एक एंटी टेररिस्ट आपरेशन के लिए गैलेंट्री अवार्ड मिला चुका है। इसमें हिजबुल मुजाहिदीन का डिस्ट्रिक्ट कमांडर मारा गया था। कर्नल जेके सिंह ने लश्कर-ए-तैयबा के मुजाहिदीन ग्रुप के आइयूएम के डिस्ट्रिक्ट कमांडर समेत छह टेररिस्ट को भी जिंदा पकड़ा था।

# केलियासोल व एग्यारकुंड का हैबिटेशन मैपिंग शून्य

**धनबाद, एजेंसी।** हैबिटेशन मैपिंग का काम जिले में चल रहा है, लेकिन इसकी गति काफी धीमी है। इसको लेकर एपीओ शंभुदत्त मिश्रा ने शनिवार को निरसा, केलियासोल व एग्यारकुंड के सीआरपी, बीपीओ व एचएम के साथ वीसी की। प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा की। केलियासोल और एग्यारकुंड का प्रति रिपोर्ट शून्य है, जबकि निरसा में 20 हैबिटेशन मैपिंग हो पायी है। ऐसे में पांच दिनों में हैबिटेशन मैपिंग का काम पूरा कर शिक्षकों को टैग करने को कहा है। काम के पूरा होने के बाद डोर टू डोर सर्वे का काम शुरू होगा। ज्ञात हो कि पूरे जिले की बात करें तो शनिवार की दोपहर 12।30 बजे तक 514 गांव में 922 हैबिटेशन मैपिंग की गयी है। इसमें 551 शिक्षकों को टैग किया गया है। क्या है हैबिटेशन मैपिंग समग्र शिक्षा की वार्षिक कार्य योजना एवं बजट (2026-27) तैयार करने के लिए तीन से 18 आयु वर्ग के बच्चों की संख्या, स्कूलों में उनका नामांकन, ड्रॉप आउट तथा अनामांकित बच्चों की संख्या से संबंधित प्रतिवेदन केंद्र सरकार को उपलब्ध कराना है। विद्यालय स्तर पर शिशु पंजी सर्वे का काम स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा कराया जा रहा है। इसमें प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के साथ ही सरकारी स्कूलों, गैर सरकारी सहायता प्राप्त, अल्पसंख्यक, सरकारी सहायता प्राप्त संस्कृत विद्यालयों व मदरसा शिक्षकों की जिम्मेदारी तय की गयी है। स्कूल से टैग होगा टोला व गांव वर्तमान वित्तीय वर्ष में शिशु पंजी अपडेट का काम प्रारंभिक, माध्यमिक व उच्च माध्यमिक कक्षा वाले सभी सरकारी स्कूलों के शिक्षक-शिक्षिकाएं करेंगे। जिले के सभी सरकारी स्कूलों को शिशु पंजी अपडेट करने के लिए विद्यालय को पास के सभी टोला या गांव से संबद्ध (टैग) किया जायेगा।

# राज्यपाल ने 'यूनिटी मार्च - एक भारत, आत्मनिर्भर भारत' में लिया हिस्सा, बढ़ाया युवाओं का उत्साह

**रांची, एजेंसी।** राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शुक्रवार को राजभवन के मुख्य द्वार से ओटीसी ग्राउंड तक आयोजित 'यूनिटी मार्च - एक भारत, आत्मनिर्भर भारत' में शामिल होकर प्रतिभागियों के मनोबल को बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी, आधुनिक भारत के शिल्पकार एवं देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री, 'लौहपुरुष' भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित यह पदयात्रा राष्ट्रीय एकता और सेवा-भावना का प्रेरक प्रतीक है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को इस पदयात्रा के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दी।

राज्यपाल ने कहा कि सरदार पटेल जी ने भारत की 562 रियासतों का विलय कर अखंड भारत की नींव रखी, जो उनकी अद्वितीय दूरदृष्टि, साहस और राष्ट्रनिष्ठा का उदाहरण है। उनका संदेश सदैव यही रहा है कि 'एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है।' उन्होंने यह भी कहा कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा 'माई भारत' द्वारा सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्षगांठ को एक जन-आंदोलन के रूप में मनाया जाना अत्यंत सराहनीय पहल है।

राज्यपाल ने आगे बताया कि देशभर में आयोजित

पदयात्राएँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, निबंध और क्विज़ प्रतियोगिताएँ, 'एक था सरदार' पॉडकास्ट तथा राष्ट्रीय रील प्रतियोगिता जैसी गतिविधियाँ युवाओं में राष्ट्रभावना को प्रबल करेंगी। उन्होंने कहा कि एनएसएस, स्काउट्स × गाइड्स, माई भारत वॉलंटियर्स और विभिन्न शिक्षण संस्थानों के हजारों छात्र-छात्राओं की उत्साही भागीदारी यह दर्शाती है कि युवा वर्ग राष्ट्र-निर्माण के प्रति पूर्णतः समर्पित है।

राज्यपाल ने कहा कि देश का भविष्य युवाओं की एकजुटता, संकल्प और चरित्र पर आधारित है, और विकसित भारत के निर्माण में उनकी अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' जैसी पहल की गई हैं, और इसी क्रम में राजभवन, झारखंड द्वारा सभी राज्यों के स्थापना दिवस समारोह आयोजित किए जाते हैं और संबंधित राज्य के नागरिकों को आमंत्रित किया जाता है।

उन्होंने यह भी कहा कि सरदार पटेल के आदर्शों को केवल स्मरण ही न करें, बल्कि उन्हें अपने आचरण, कर्तव्यों और जीवन-मूल्यों में आत्मसात करें। उन्होंने सभी युवाओं से आह्वान किया कि वे सरदार पटेल के सपनों के सशक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

राज्यपाल ने उल्लेख किया कि इसी माह की 9 तारीख को उन्हें सरदार पटेल की भव्य 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि वहां देश-विदेश से आए असंख्य लोग उपस्थित थे और ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वे केवल प्रतिमा का अवलोकन ही नहीं कर रहे थे, बल्कि सरदार पटेल जी को श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ स्मरण भी कर रहे थे। अंत में राज्यपाल ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस पदयात्रा से प्रेरित होकर हम सभी राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव के संकल्प को और अधिक दृढ़ करें। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को स्वदेशी अपनाने और नशामुक्ति हेतु शपथ दिलाई।

## धनबाद वन प्रमंडल का नया भवन व अतिथि गृह बनकर तैयार

**धनबाद, एजेंसी।** धनबाद वन प्रमंडल को लगभग 69 वर्ष बाद अपना अलग कार्यालय भवन मिलेगा। बिरसा मुंडा पार्क नावाडीह के समीप पहाड़ी के पास धनबाद वन प्रमंडल का नया कार्यालय बनकर तैयार हो चुका है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार 27 नवंबर को बने नये भवन का उद्घाटन होगा। यह इको फ्रेंडली ग्रीन बिल्डिंग होगी।

बता दें कि वर्ष 1956 से धनबाद वन प्रमंडल का कार्यालय कंबाइंड बिल्डिंग के दूसरे तल पर चल रहा है। यहीं पर चार कमरों में पूरा विभाग कार्यरत है। इसमें से एक कमरे में वन प्रमंडल पदाधिकारी बैठते हैं। दूसरे में सहायक वन प्रमंडल पदाधिकारी, दो छोटे कमरों में विभाग के दूसरे कर्मी बैठते हैं। जगह की काफी कमी है। लंबे समय से अलग कार्यालय बनाने के लिए पत्राचार किया जा रहा था। वित्तीय वर्ष 2023-24 में नावाडीह में वन विभाग की भूमि पर कार्यालय भवन बनाने की योजना को मंजूरी दी गयी।

अप्रैल 2024 में नावाडीह के समीप वन प्रमंडल के भवनों का निर्माण कार्य शुरू हुआ था। लगभग 95 लाख रुपये की लागत से दो भवन बनाये गये हैं। इसमें एक दो मंजिला है, जिसमें कार्यालय चलेगा। इसके ठीक पास में ही एक भवन का निर्माण अतिथि गृह के रूप में कराया गया है। अतिथि गृह में तीन कमरे हैं।

# टमाटर की रोगरोधी जातियां

टमाटर एक प्रमुख सब्जी फसल है और इसे सब्जियों का बादशाह भी कहा जाता है इसके उपयोग के बिना अन्य सब्जियों का स्वाद अधूरा ही रहता है। टमाटर के फलों में अनेक पोषक तत्व विटामिन सी थायमिन एवं राइबोफ्लोविन प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं यह फसल भिन्न-भिन्न ऋतुओं में कवकजनित, जीवाणुजनित, विषाणुजनित एवं सूत्रकृमिजनित रोगों से प्रभावित होती हैं। इन रोगों के कारण उत्पादन में प्रतिकूल प्रभाव होता है। इन रोगों से बचाव के लिए रोगरोधी प्रजातियों को उगाना सर्वोत्तम उपाय हैं।

**सेलेक्शन- 120:** इस किस्म में मोजेक कम लगता है। तथा वर्षाऋतु के लिये भी उपयुक्त होती है। मध्यम समय में (120-150) तैयार हो जाती है। फल बड़े आकार के होते हैं। उपज प्रति हेक्टेयर 250-275 क्विंटल होती है यह किस्म निमेटोड प्रतिरोधी है।

**अविनाश 2:** यह किस्म पर्णकुंचन रोग के प्रति सहनशील उच्च उपज, पौधे परिमित, सघन वृद्धि, फल अर्द्ध आयताकार, मध्यम आकार के हैं।

**एच.एस.-101:** यह किस्म टमाटर के पर्णकुंचन रोग के प्रति सहनशील है।पौधे परिमित तथा बौने होते हैं। फलों का रंग लाल, मध्यम आकार के, गोल तथा गुच्छों में होते हैं।

**हिसार अनमोल:** मूल ग्रन्थी सूत्रकृमि रोधी है। पौधे अर्ध अपरिमित, जल्दी पकने वाली, फल गोल तथा मध्यम से बड़े आकार के होते हैं।

**पूसा हाइब्रिड-4:** यह किस्म भी मूल ग्रन्थी सूत्रकृमि रोधी है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली द्वारा विकसित, परिमित, विपुल उत्पादक गहरी हरी पत्तियों वाली संकर है। फल आकर्षक, गोलाकार, चिकने, औसत भार 70-80 तथा एक समान पकने वाले होते हैं।

**अर्का श्रेष्ठ:** जीवाणु मुरझान रोधी, पौधे अर्ध परिमित तता हल्की हरी पत्तियों वाले होते हैं। फल



गोलाकार, सख्त, गहरे हरे, औसत आकार 75 ग्राम, सामान्य तापक्रम पर 7 दिनों तक संग्रहित किये जा सकते



हैं। रोपण के 55-60 दिनों बाद फलना आरंभ करके 140 दिनों तक फलती रहती है। औसत उपज 700 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

**अर्का वर्धन:** यह किस्म सूत्र कृमि रोधी है। पौधे अपरिमित होते हैं। फल चपटे गोलाकार, सख्त, गहरे लाल, हरे कंधों वाले, औसत भार 140-150 ग्राम के होते हैं।

**माधुरी (बी.एस.एस.-39):** बेजो शीतल बीज कंपनी, जालना द्वारा विकसित की गई है। पौधे परिमित, फल गहरे लाल, चपटे गोलाकार, मोटे छिलके वाले, औसत 100 ग्राम के फटने के प्रतिरोधी एवं उपज 500-700 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पाई जाती है।

**मीनाक्षी (बीएसएस-20)-** फ्यूजेरियम विल्ट रोधी है। बेजो शीतल बीजकंपनी, जालना द्वारा विकसित अपरिमित संकर है। फल गहरे लाल गोलाकार और भार 80 ग्राम होता है। औसत उपज 600-1000 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

# कीटों से बचाएं तोरिया

**पौध संरक्षण अर्थात् फसल सुरक्षा**

तोरिया में लगभग एक दर्जन कीट एवं रोग हानि पहुंचाते हैं उनमें प्रमुख हैं। माहो, आरा मक्खी, पेंटेडबग और दीमक तथा रोगों में व्हाइट रस्ट अर्थात सफेद रतुआ, आल्टरनेरिया ब्लाइट अर्थात झुलसा रोग, डाउनी मिल्ड्यू और पाउडरी मिल्डयू प्रमुख है।

**माहो–** तोरिया में सबसे अधिक हानि इस कीट द्वारा होती है। इसकी संख्या में वृद्धि नम एवं बदली वाले मौसम में होती है। यह कीट बहुत छोटा लगभग तारामीरा के दाने जैसा हरे रंग का होता है। कीट कोशिकाओं का रस चूसते हैं। जिससे पौधों का विकास रुक जाता है एवं फलियां सिकुड़ने लगती हैं।

इसके बचाव के लिए फसल की बोनी अक्टूबर

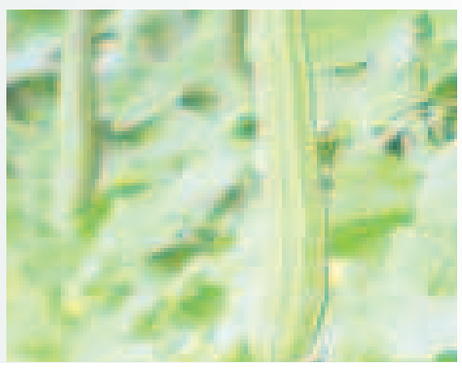



के प्रथम सप्ताह में करें। इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल की 1 मिली मात्रा प्रति 3 लीटर पानी में या डायमिथियेट 30 ईसी की 2 मिली मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

**आरा मक्खी–** तोरिया का यह कीट प्रारंभिक अवस्था अक्टूबर, नवम्बर में फसलों की पत्तियों को किनारे से खाकर नुकसान पहुंचाता है। इसकी एक खास पहचान यह है कि इसे स्पर्श करने पर शीघ्र ही यह अपने शरीर की कुंडली अर्थात रिंग बना लेता है। इसकी रोकथाम के लिए कार्बोसल्फान 25 ईसी 400 मिली दवा या ऐसीफेट 75 डब्ल्यू पी की 150 ग्राम मात्रा प्रति एकड़ पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

**आल्टरनेरिया ब्लाइट–** इसे झुलसा रोग के नाम से भी जानते हैं। इससे तोरिया की उपज में कमी के साथ–साथ तेल की मात्रा भी कम हो जाती है। इस रोग से बचाव के लिए मेटालेक्जिल+मेन्कोजेब (64+8) या मेंकोजेब 75 डब्ल्यू.पी. की 2.5 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी के घोल का छिड़काव करें। यह छिड़काव फसल बोने के 40 से 45 दिन से शुरू कर 15 दिन के अंतराल से दो – तीन बार करें।

**व्हाइट रस्ट–** इस बीमारी को सफेद रतुआ अथवा श्वेत किट्टू भी कहा जाता है। आमतौर पर इस रोग के लक्षण तोरिया की पत्तियों की निचली सतह से शुरू होते हैं। बाद में तने एव फलियों पर भी सफेद रंग के फफोले दिखाई देते हैं या धब्बे गर्म एवं अधिक आर्द्रता वाले अनुकूल मौसम को पाकर बड़े हो जाते हैं और पत्तियों का काफी भाग नष्ट कर देते हैं। इसके नियंत्रण के लिए रिडोमिल की डेढ़ ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर अथवा डाईथेन एम–45 का 0.25 प्रतिशत घोल बनाकर छिड़काव करें।

**पाउडरी मिल्ड्यू–** इस रोग में तने पत्तियों एवं हरी फलियों पर सफेद चूर्ण जैसी फंफूद दिखाई देती है। इसके नियंत्रण के लिए फसल पर हेक्जाकोनाजोल या डायनोकेप या केराथेन की 1 मिली या घुलनशील गंधक 2.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें या गंधक चूर्ण 25 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

# खुद परखें उर्वरक

**मिलावट की जांच का तरीका–**

सीएफसीएल टेस्टिंग किट जो सेन्ट्रल फर्टिलाइजर क्वालिटी कन्ट्रोल एण्ड टेस्टिंग इंस्टीट्यूट भारत सरकार फरीदाबाद (हरियाणा) से विकसित है के द्वारा प्रमुख उर्वरकों में मिलावट की जांच कर सकते हैं जैसे–

**यूरिया–** शुद्ध यूरिया चकमदार, लगभग समान आकार के दाने वाला, पानी में पूर्णतया



घुल जाता, घोल को छूने पर शीतल की अनुभूति, गर्म तबे पर रखने से पिघल जाना, आंच तेज करने पर कोई अवशेष न बचना आदि सामान्य बाते हैं।

हथेली पर थोड़ा पानी लें, 2 मिनिट बाद जब हथेली और पानी का ताप अनुरूप (एक सा) हो जाए तब 10–15 दाने यूरिया के डालें, शुद्ध यूरिया ठंडक देगा, यदि ठंडक महसूस न हो तो यूरिया में मिलावट समझें।

1 ग्राम यूरिया परखनली में ले तथा पिघलने तक गर्म करें, ठंडा होने पर 1 मिली पदार्थ पानी में घोलें तथा बूंद–बूंद कर 1 मिली बाई यूरेट घोल मिलाएं, गुलाबी रंग आता है तो यूरिया शुद्व है और यदि गुलाबी रंग नहीं आता है तो मिलावट है।

1 ग्राम यूरिया परखनली में लें तथा 5 मिली आसुत जल मिलाएं और पदार्थ को घोलें एवं 5–6 बूंद सिलवर नाईट्रेट घोल मिलाएं दही जैसा सफेद अवक्षेप का बनना यह प्रदर्शित करता है कि पदार्थ मिलावटी है किसी भी अवक्षेप का न बनना शुद्ध यूरिया को बताएगा।

**डीएपी (डाई अमोनियम फास्फेट)**

- सामान्यतः शुद्ध डीएपी के दानों का आकार एकदम गोल नहीं होता , डीएपी के दानों को गर्म करने या जलाने पर दाने फूलकर साबूदाने की भांति खिलकर फूलकर लगभग दोगने आकार के हो जाएं तो वह शुद्ध होगा, डीएपी के दानों को लेकर फर्श पर रखें फिर जूते से ताकत से रगड़े शुद्ध डीएपी के दाने आसानी से नहीं फूटेंगे, यदि आसानी से टूट जाए तो डीएपी में मिलावट है।
- डीएपी में नाइट्रोजन जांच के लिए 1 ग्राम पिसी डीएपी में चूना मिलायें, सूघें, सूंघने पर यदि अमोनिया की गंध आती है डीएपी में नाइट्रोजन उपस्थित है यदि नहीं तो डीएपी में मिलावट है।
- 1 ग्राम पिसा नमूना परखनली में लें, 5 मिली आसुत जल मिलायें और हिलायें, फिर 1 मिली नाईट्रिक अम्ल मिलायें फिर हिलायें, यदि यह घुल जाए एवं घोल अर्धपारदर्शी हो जाए तो डीएपी शुद्ध है, यदि कोई पदार्थ अघुलनशील बचता है तो मिलावट है।
- एक चम्मच डीएपी परखनली में लें, घोल बनाये तथा 1/2 मिली सोडियम हाइड्रासाईड मिलायें, हिलायें, सूंघे यदि अमोनिया की तीक्ष्ण गंध है तो डीएपी शुद्ध है गंध नहीं तो मिलावट समझें।

**म्यूरेट ऑफ पोटाश–**

- 1 ग्राम उर्वरक परखनली में लें, 5 मिली आसुत जल मिलायें व अच्छी तरह हिलायें, अधिकांश उर्वरक घुल जाए तथा कुछ अघुलनशील कण पानी की सत पर तैरें तो शुद्ध होगी यदि अधिकांश अघुलनशील पदार्थ परखनली के तले पर बैठ जाए तो समझे उर्वरक में मिलावट है।
- 1 ग्राम उर्वरक लें और 10 मिली आसुत जल मिलायें इसे अच्छी तरह घोलें एवं छाने फिकट्रेट में 5–6 बूदें कोवेल्टी नाइट्रेट रिजेब्ट को मिलायें, पीला अवक्षेप का बनना उर्वरक में के की उपस्थिति बताएगा तथा अवक्षेप का ना बनना पदार्थ में मिलावट बताएगा।
- शुद्ध एमओपी पानी में पूर्णतया घुलनशील, रंगी एमओपी का लाल भाग पानी का तैरता है यदि ऐसा है तो एमओपी शुद्ध है अन्यथा नहीं शुद्ध एमओपी के कण नम करने पर आपस में चिपकते नहीं है।

**सिंगल सुपर फास्फेट–**

- दानेदार पाऊडर काला भूरा आदि रंगों में , एक दाना हथेली पर रगड़ने से आसानी से टूट जाये तो शुद्ध है।
- 1 ग्राम उर्वरक परखनली में लें, 5 मिली आसुत जल मिलायें अच्छी तरह हिलायें और छाने तथा 5–6 बूंद घोल मिलायें यदि पीला अवक्षेप है एवं घुल जाए तो फास्फेट की उपस्थिति है यदि नहीं तो पदार्थ संदिग्ध है।
- 1/2 चम्मच उर्वरक को 5 मिली आसुत जल में घोलें ऊपर के निथरे भाग को दूसरी परखनली में लेकर 15–20 बूंद के घोल को मिलायें, यदि हलका दूधिया अवेक्षेप प्राप्त होता है इसमें 2–3 बूंद तनु काष्टिक सोडा मिलाने पर पीला अवक्षेप आता है तो उर्वरक शुद्ध है यदि ऐसा नहीं होता तो अशुद्ध समझें।

**जिंक सल्फेट–**

- 1 ग्राम उर्वरक परखनली में ले, 5 मिली आसुत जल मिलायें अच्छी तरह हिलायें फिल्टर पेपर से छाने 8–10 बूंद तनु घोल मिलायें, सफेद जैली जैसा पदार्थ बनता है तब 10–12 बूंद सान्द्र ह्ङ्क्ष॥ घोल मिलायें अगर अवक्षेप घुल जाये तो पदार्थ शुद्ध है अन्यथा नहीं।
- पानी में घुलनशील लेकिन असका घोल यूरिया तथा एमओपी की तरह ठंडा नहीं होता तो पदार्थ शुद्ध है।
- डीएपी के घोल के जिंक सल्फेट के घोल को मिलाने पर थक्केदार घना अवक्षेप बन जाता है जो मैग्नीशियम सल्फेट के साथ ऐसा नहीं होता।

**कैन/ किसान खाद–**

- 1 ग्राम पदार्थ परखनली में ले एचसीएल मिलायें, शुद्ध केन उर्वरक में बहुत सारे बुलबुले उठेंगे, इसके बाद 10 मिली आसुत जल मिलायें, कुछ समय बाद पदार्थ घुल जाएगा तो शुद्ध केन है, अन्यथा नहीं।

## ओवरटाइम पेमेंट, सैलरी स्ट्रक्चर...नए लेबर कोड से जुड़े हर सवाल का जवाब

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सरकार ने 21 नवंबर यानी बीते शुक्रवार को एक ऐतिहासिक फैसला किया। उसने सभी चार लेबर कोड्स (श्रम संहिताओं) को नोटिफाई कर दिया। इस प्रमुख सुधार के जरिये चार लेबर कोड में 29 श्रम कानून शामिल किए गए हैं। वेतन संहिता में चार, सामाजिक सुरक्षा संहिता में नौ, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य दशा संहिता में 13 और औद्योगिक संबंध संहिता में तीन कानूनों को मिलाया गया है। इन नए नियमों का मकसद मजदूरों के लिए काम की जगह को बेहतर बनाना, उनकी सैलरी और सामाजिक सुरक्षा को पक्का करना है। इन कानूनों से असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को भी फायदा होगा, जिन्हें पहले न्यूनतम मजदूरी का अधिकार नहीं था। अब सभी मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी मिलेगी। साथ ही, गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए भी खास सुरक्षा उपाय किए गए हैं। इन बदलावों से कंपनियों के लिए नियम-कानून का पालन करना भी आसान हो जाएगा। आइए, यहां इससे जुड़े सभी पहलुओं को जानते हैं।

## आखिरी समय में फ्लाइट टिकट कैंसिल कराने पर मिलेगा 80 प्रतिशत तक रिफंड

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अगर आप आखिरी समय में अपनी फ्लाइट की टिकट कैंसिल कराते हैं तो अब आपकी टिकट का पूरा पैसा डूबेगा नहीं। भारत सरकार हवाई टिकटों में एक खास ट्रैवल इंश्योरेंस जोड़ने की तैयारी कर रही है। यह सुविधा अगले 2 से 3 महीनों में शुरू हो सकती है। इससे आखिरी वक्त में फ्लाइट कैंसिल होने पर आपको टिकट की रकम का 80 प्रतिशत तक वापस मिल सकता है। फिलहाल अगर आप फ्लाइट के उड़ने से ठीक 3 घंटे पहले टिकट कैंसिल करते हैं, तो इसे नो-शो माना जाता है। यानी, आप फ्लाइट में नहीं बैठे और ऐसे में आपको कोई पैसा वापस नहीं मिलता है। अगर किसी यात्री की कोई मेडिकल इमरजेंसी हो और वह आखिरी समय में फ्लाइट कैंसिल करे, तो एयरलाइंस अपनी मर्जी से पूरा पैसा वापस दे सकती हैं। लेकिन यह पूरी तरह से एयरलाइन के फैसले पर निर्भर करता है, कोई पक्का नियम नहीं है। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, एविएशन सेक्रेटरी (नागर विमानन सचिव) भारतीय एयरलाइंस से बात कर रहे हैं कि यह नया इंश्योरेंस प्लान कैसे लागू किया जाए। सबसे अच्छी बात यह है कि यात्रियों को इसके लिए अलग से कोई पैसा नहीं देना पड़ेगा। इसका प्रीमियम एयरलाइंस खुद बीमा कंपनियों के साथ मिलकर भरेंगी। अभी, अगर कोई यात्री यात्रा बीमा लेना चाहता है, तो उसे यह एक अलग से ऐड-ऑन सर्विस के तौर पर खरीदना पड़ता है।

# देश की आधी आबादी को और सशक्त बनाने के लिए तैयार नई श्रम संहिताएं

## महिलाओं के लिए बड़ा बदलाव

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत को 2047 तक 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना अनिवार्य है। फिलहाल श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी 41.7 प्रतिशत है और विकसित भारत का लक्ष्य इसे बढ़ाकर 70 प्रतिशत तक ले जाना है। लगभग 30-अंकों के इस अंतराल को पाटने का मूल मकसद राष्ट्रीय उत्पादकता को बढ़ाना तथा यह सुनिश्चित करना है कि भारत की विकास गाथा को सिर्फ आधे लोग ही नहीं, बल्कि सभी लोग आकार दें।

शिक्षा, डिजिटल सुलभता और उद्यमिता के मामले में हुई प्रगति के बावजूद, अभी भी बहुत सी संभावनाओं का दोहन बाकी है। भारत को एक ऐसा श्रम इकोसिस्टम तैयार करना होगा जो महिलाओं को प्रवेश करने, टिके रहने तथा आगे बढ़ने में समर्थ बनाए और भारत के एकीकृत श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन इन प्रणालीगत बाधाओं को दूर करने और समावेशन को उत्पादकता में बदलने का एक दुर्लभ मौका देता है। जरा गौर करें- ई-श्रम पर पंजीकृत सीता नाम की उत्तर प्रदेश की एक श्रमिक बच्चों की देखभाल की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं होने के चलते अपने दो बच्चों का पालन-पोषण करते हुए, घर बैठकर एक ठेकेदार के लिए कपड़े सिलती है। इससे उसे एक अनियमित आय होती है। उनके जैसी महिलाओं के लिए, नई श्रम संहिताएं एक बड़ा परिवर्तनकारी कदम साबित हो सकती हैं। पास की एक कपड़ा फैक्ट्री अब औपचारिक अनुबंधों के साथ अलग-अलग पालियों में काम करने के लिए महिलाओं की भर्ती कर रही है।

पहली बार, भारत के श्रम कानूनों का ढांचा सीता जैसी लाखों महिलाओं के लिए बाधक होने के बजाय उनका संबल बनने के लिए तैयार है। वर्ष 2019-2020 के बीच अधिनियमित श्रम संहिताएं 29 बिखरे कानूनों को चार सुव्यवस्थित ढांचों, मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, पेशेगत सुरक्षा और औद्योगिक संबंध संहिताओं-में समेकित करती हैं।

यह विधायी मंशा साहसिक है और अब अनेक राज्य तेजी से इन्हें लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। भारत के पास इस मंशा को प्रभाव में बदलने का एक महत्वपूर्ण मौका है। इससे महिलाओं को उनके रोजगार चक्र में सुरक्षित व टिकाए रखने के तौर-तरीकों को नए सिरे से परिभाषित किया जा सकेगा।

### जीवन के बदलावों में मददगार

पहले कदम के रूप में दृश्यता सामाजिक सुरक्षा संहिता मातृत्व, स्वास्थ्य बीमा, पेंशन और बच्चों की देखभाल से जुड़े पहलुओं को शामिल करते हुए गिग और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए एक राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड की स्थापना करती है। ई-श्रम पोर्टल पर 30.6 करोड़ से अधिक श्रमिक पंजीकृत हैं, जिनमें से 53 प्रतिशत यानी 16 करोड़ महिलाएं हैं। इस पोर्टल और आधार आधारित यूएएन के बीच का जुड़ाव (लिंकेज) इन हकों को किसी भी स्थान पर और किसी भी क्षेत्र (सेक्टर) में दिलाया जाना संभव बनाता है। यह बुनियादी ढांचा बच्चे के जन्म या देखभाल जैसे जीवन के प्रमुख बदलवों के दौरान होने वाली क्षति को कम कर सकता है। दृश्यता तो महज पहला कदम भर है। पंजीकरण को कल्याणकारी वितरण प्रणालियों से जोड़ने की प्रक्रिया में तेजी लाई जानी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाओं के पास सिर्फ पहचान पत्र ही नहीं हो, बल्कि उन्हें वास्तविक सहायता भी मिले।

## भारत ने इजरायल के साथ की बड़ी डील!

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत ने इजरायल के साथ बड़ी डील की है। दोनों ने खेती-किसानी के क्षेत्र में साथ मिलकर काम करने के तरीकों पर चर्चा की है। वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार यह जानकारी दी। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इजरायल की यात्रा पर थे। वहां उन्होंने इजरायल के कृषि और खाद्य सुरक्षा मंत्री एवी दिचर से मुलाकात की। दोनों मंत्रियों ने खेती-बाड़ी में सहयोग को और बढ़ाने के बारे में विस्तार से बात की। डील में किस चीज पर बनी बात मंत्रालय ने बताया कि गोयल ने अपनी यात्रा के दौरान कई द्विपक्षीय बैठकें भी कीं। इन मुलाकातों में खेती, टेक्नोलॉजी, नई खोजों और व्यापार जैसे क्षेत्रों में साझेदारी पर चर्चा हुई। यह यात्रा शनिवार को ही खत्म हुई। गोयल ने यह भी बताया था कि भारत और इजरायल ने एक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट यानी मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने के लिए जरूरी कागजात पर दस्तखत किए हैं। इस समझौते के कागजात में कई अहम बातें शामिल हैं। जैसे दोनों देशों के बीच सामानों के आने-जाने पर लगने वाले टैक्स (टैरिफ) और दूसरी रुकावटों (नॉन-टैरिफ बैरियर) को हटाना। साथ ही निवेश को आसान बनाना, नई टेक्नोलॉजी का आदान-प्रदान करना, कस्टम की प्रक्रिया को सरल बनाना और सेवाओं के व्यापार के नियमों को आसान बनाना भी इसमें शामिल है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने यह भी बताया कि इजरायल डेयरी उत्पाद, चावल, गेहूं और चीनी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में भारत के बाजार में प्रवेश नहीं मांगेगा।

## अडानी ग्रुप का बड़ा दांव, 239 करोड़ रुपये में इस कंपनी को खरीदा

**मुंबई, एजेंसी।** अडानी ग्रुप की एक ज्वाइंट वेंचर कंपनी ने बुनियादी ढांचा डेवलपर ट्रेड कैसल टेक पार्क को 231.34 करोड़ रुपये में खरीद लिया है। बता दें, ट्रेड कैसल टेक पार्क के पास काफी जमीन है। अडानी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, 'उसने और डेटा सेंटर ऑपरेट एजकॉनेक्स के ज्वाइंट वेंचर अडानीकॉनेक्स (एसीएक्स) ने टीसीटीपीपीएल में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने के लिए 21 नवंबर 2025 को ट्रेड कैसल टेक पार्क (टीसीटीपीपीएल) तथा उसके मौजूदा शेयरधारक श्री नामन डेवलपर्स और जयेश शाह के साथ एक शेयर खरीद समझौते (एसपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं।' कंपनी ने बताया, 'अधिग्रहण का उद्देश्य बुनियादी ढांचा सुविधाएं स्थापित करना है। ' कंपनी ने कहा, 'टीसीटीपीपीएल भारत में निगमित है और 16 अक्टूबर 2023 को महाराष्ट्र, मुंबई के रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के पास पंजीकृत हुई थी। इसका उद्देश्य बुनियादी ढांचा विकास गतिविधियां करना है। अभी तक टीसीटीपीपीएल ने कारोबारी गतिविधियां शुरू नहीं की हैं, लेकिन इसके पास काफी बड़ी भूमि जोत है और बुनियादी ढांचा गतिविधियां शुरू करने के लिए प्रमुख लाइसेंस प्राप्त हैं, जिससे एसीएक्स को शुरुआती बढ़त मिलेगी। ' अडानी एंटरप्राइजेज, समूह की दिग्गज कंपनियों में से एक है। अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर शुक्रवार को बीएसई में करीब एक प्रतिशत की गिरावट के बाद 2421.60 रुपये के लेवल पर बंद हुए थे।

## 7 कंपनियां ट्रेड करेंगी इस हफ्ते एक्स-डिविडेंड

**मुंबई, एजेंसी।** इस हफ्ते कंपनियां शेयर बाजार में एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगी। इन 8 कंपनियों की लिस्ट में एक कंपनी ऐसी भी है जो निवेशकों को एक शेयर पर 55 रुपये का डिविडेंड दे रही है। आइए एक-एक करके जानते हैं इनके विषय में...

इंगरसोल-रैंड (इंडिया) लिमिटेड के शेयर मंगलवार को एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगे। कंपनी की तरफ से एक शेयर पर 55 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। इससे पहले कंपनी इसी साल जुलाई के महीने में एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब कंपनी ने एक शेयर पर 25 रुपये का डिविडेंड दिया था। बता दें, शुक्रवार को मार्केट के बंद होने के समय पर इंगरसोल-रैंड (इंडिया) लिमिटेड के शेयर एनएसई में 3899 रुपये पर बंद हुआ था। इस दिन दो कंपनियां एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगी। इन दो कंपनियों में पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड भी एक है। कंपनी ने एक शेयर पर 3.65 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। इससे पहले कंपनी के शेयर इसी साल चार बार एक्स-डिविडेंड ट्रेड किए थे। बता दें, पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन इस साल अबतक 10 रुपये से अधिक का डिविडेंड दिया है। श्यामकलाल इंवेस्टमेंट लिमिटेड के शेयर भी 26 नवंबर को ही एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगी कंपनी ने एक

शेयर पर 10 पैसे का डिविडेंड देने का फैसला किया है। ए के कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड के शेयर 27 नवंबर को एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगे। कंपनी ने एक शेयर पर 16 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है।

28 नवंबर को तीन कंपनियां ट्रेड करेंगी एक्स-डिविडेंड योग्य निवेशकों को एक शेयर 5 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। मीरा इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एक शेयर 0.50 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा।

### सबसे बड़ी बर्बादी शुरू हुई... दुनिया आर्थिक मंदी की चपेट में

## रॉबर्ट कियोसाकी ने दी चेतावनी

**ई दिल्ली, एजेंसी।**
च डैड पुअर डैड के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने दुनिया में आए आर्थिक संकट ो लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि तिहास की सबसे बड़ी आर्थिक गिरावट शुरू ो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि कौन सी ंपत्तियां इस बाजार की गिरावट से बचने में दद कर सकती हैं।

रॉबर्ट कियोसाकी ने सोशल मीडिया लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट की है। इसमें न्होंने लिखा है, इतिहास की सबसे बड़ी ारावट शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि उन्होंने ाल 2013 में ही इसकी भविष्यवाणी की थी। '8 वर्षीय कियोसाकी ने अपनी भविष्यवाणी ोहराते हुए कहा, साल 2013 में मैंने रिच डैड ी भविष्यवाणी प्रकाशित की थी, जिसमें मैंने बसे बड़ी गिरावट के बारे में बताया था। भाग्य से वह गिरावट आ गई है। उन्होंने लिखा है कि यह सिर्फ अमेरिका की बात नहीं है। यूरोप और एशिया भी आर्थिक मंदी की चपेट में हैं।

कियोसाकी ने अपनी पोस्ट में गिरावट का कारण भी बताया है। उन्होंने लिखा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण बाजार में गिरावट आई है। कियोसाकी का मानना है कि एआई नौकरियों को खत्म कर देगा। उन्होंने लिखा है कि जब नौकरियां खत्म होंगी, तो ऑफिस और घरों की प्रॉपर्टी के दाम भी गिर जाएंगे। रियल एस्टेट मार्केट भी क्रैश हो सकती है। इस गिरावट से बचने के लिए कियोसाकी ने सोना, चांदी, बिटकॉइन और इथेरियम जैसी चीजों में निवेश करने की सलाह दी है। उनका कहना है कि इन संपत्तियों में निवेश करने का यह सही समय है। उन्होंने कहा कि चांदी सबसे अच्छी और सबसे सुरक्षित मानी जा रही है। कियोसाकी ने अपनी पोस्ट में लिखा है, आज चांदी की कीमत 50 डॉलर है।

## भारत की अर्थव्यवस्था ने पकड़ी रफ्तार, अमेरिका-चीन रह गए पीछे

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
भारत की अर्थव्यवस्था कोरोना महामारी के झटके से उबरते हुए उससे पहले की स्थिति से भी आगे निकल गई है। महामारी के बाद बुनियादी ढांचे, आपूर्ति शृंखला और डिजिटल क्षेत्र में किए गए मजबूत सुधार के लिए किए गए उपायों के कारण यह बदलाव आया है।

भारत की तुलना में अमेरिका, चीन, रूस और यूरो-एशिया जैसी अर्थव्यवस्थाएं अभी महामारी के झटके से उबरने के लिए ही जूझ रही हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की तीन सदस्यीय आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन रहे जैसन फुरमन ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक और संबंधित देशों के आंकड़ों के आधार पर यह खाका पेश किया है। फुरमन ने विभिन्न चार्ट के जरिये भारत, अमेरिका, यूरो एरिया यानी यूरोपीय संघ, रूस और चीन की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तुलना की है और अनुमानित विकास दर पेश किया है। 2019 से 2025 की तीसरी तिमाही तक के आंकड़ों का आकलन किया गया है।

**जीडीपी 10 प्रतिशत तक रहने का जताया अनुमान:** फुरमन के आकलन के अनुसार, 2025 की तीसरी तिमाही तक भारत की जीडीपी कोरोना से पहले की वास्तविक जीडीपी रुझान को पार करते हुए 10 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। इन सब कारकों से इस साल के अंत तक भारत के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है। उक्त अवधि के दौरान अमेरिका की जीडीपी भी बढ़ेगी, लेकिन उसकी प्रगति 5 फीसदी आसपास रहेगी। वहीं, चीन और यूरो एरिया के रुझानों से काफी नीचे रहेंगे जो क्रमशः माइनस 10 प्रतिशत और माइनस 5 प्रतिशत है।

चीन के प्रॉपर्टी क्षेत्र में आए संकट और डेमोग्राफिक मंदी के साथ-साथ यूक्रेन युद्ध से यूरोप के ऊर्जा क्षेत्र में आई कमजोरी इसकी मुख्य वजह है। इनकी तुलना में यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बावजूद रूस की जीडीपी कोरोना से पहले के रास्ते पर अग्रसर है, हालांकि, उसकी गति धीमी हो गई है, लेकिन सकारात्मक बनी हुई है और लगभग 1.1 फीसदी पर बनी हुई है। फुरमन ने आंकड़ों के विश्लेषण कर जो चार्ट पेश किया है, उसमें साफ नजर आता है कि 2020 में जब कोरोना महामारी फैली थी, तब पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ा था। लेकिन उस दौरान भी, बाकियों की तुलना में भारत की अर्थव्यवस्था में कम गिरावट देखी गई और वह शून्य से 5 से 10 के बीच बनी रही। जैसे यूरो एरिया में डीजीपी शून्य से 20 फीसदी से नीचे चली गई, अमेरिका की माइनस 10 फीसदी रही, चीन और रूस भी शून्य से नीचे रहे। फुरमन के अनुसार, कोरोना महामारी के बाद भारत की प्रगति किसी चमत्कार से कम नहीं है। भारत ने कोरोना के कारण ध्वस्त आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत के साथ पटरी पर लाया, बल्कि लॉकडाउन और वैश्विक संकट के कारण पैदा हुए हालात से भी बेहतर ढंग से निपटा।

## न अमेरिका कर पाया न चीन, सिर्फ भारत ने लांघी वो दीवार... हार्वर्ड के अर्थशास्त्री ने दिखा दी पिक्चर

**ई दिल्ली, एजेंसी।**
ार्वर्ड के अर्थशास्त्री जेसन फरमैन ने भारत की शानदार ार्थिक बढ़त पर एक नए तुलनात्मक ग्रोथ चार्ट के जरिए काश डाला है। यह चार्ट दिखाता है कि कैसे प्रमुख र्थव्यवस्थाएं महामारी से पहले के अपने विकास पथ की ुलना में प्रदर्शन कर रही हैं। फरमैन ने सोशल मीडिया लेटफॉर्म एक्स पर यह ग्राफ शेयर किया। इसमें 2019 से 025 की तीसरी तिमाही तक अमेरिका, यूरो क्षेत्र, चीन, रूस ौर भारत की वास्तविक जीडीपी की तुलना महामारी से पहले के रुझानों के प्रतिशत के रूप में की गई है। इस ग्राफ से एक ड़ा अंतर साफ दिखता है। जहां ज्यादातर अर्थव्यवस्थाएं अभी ी महामारी के असर से उबर रही हैं। वहीं, भारत का जीडीपी ुझान से ऊपर निकल गया है। यह 2025 के मध्य तक +5 तिशत की ओर बढ़ रहा है और यह एकमात्र बड़ी अर्थव्यवस्था जो अपने दीर्घकालिक पथ से काफी आगे निकल गई है।

इस चार्ट के अनुसार, 2020 में सभी पांचों अर्थव्यवस्थाएं ाकारात्मक क्षेत्र में चली गई थीं। यूरो एरिया सबसे ज्यादा -25 तिशत तक गिरा, चीन -10 प्रतिशत तक, अमेरिका -5 तिशत तक, भारत -5 प्रतिशत तक और रूस लगभग -8 तिशत तक। लेकिन, इसके बाद उनकी रिकवरी में काफी ंतर आया। अमेरिका ने तेजी से वापसी की, जिसे अमेरिकी ाचाव योजना जैसे बड़े वित्तीय हस्तक्षेपों का सहारा मिला। रमैन ने पहले इन उपायों को निशान को रोकने और अमेरिका को 2025 तक रुझान से लगभग +2 प्रतिशत ऊपर ले जाने

में मदद करने का श्रेय दिया था। फिर भी यह प्रदर्शन भी भारत की असाधारण चढ़ाई के सामने फीका पड़ जाता है।

भारत 2020 के अपने निचले स्तर से ऊपर उठा और 2022 तक कोविड से पहले के रुझानों को पार कर गया। 2024 में यह +3 प्रतिशत पर पहुंच गया और 2025 की तीसरी तिमाही तक +5 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। फरमैन ने इस बात पर जोर दिया कि यह कोई एक बार की उछाल नहीं है, बल्कि संरचनात्मक ताकतों का नतीजा है। उन्होंने एक्स पर कहा, भारत की नीतियों ने वैश्विक चुनौतियों के बीच घरेलू खपत और निवेश को बढ़ावा दिया। उन्होंने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश सुधारों और स्थिर मैक्रोइकॉनॉमिक माहौल का हवाला दिया। उन्होंने इसकी तुलना अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों से की।

## समस्याएं देख आया आइडिया... भाइयों की जोड़ी ने बदला काम, अब करोड़ों की कमाई

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
रायपुर के दो भाइयों आकाश अग्रवाल और आशीष अग्रवाल ने मसालों की दुनिया में अलग पहचान बनाई है। उन्होंने एक सफल मसालों का ब्रांड खड़ा किया है। इसका नाम जॉफ फूड्स है। इसकी शुरुआत दोनों ने 2018 में की थी। मसालों में मिलावट और प्रिजर्वेटिव्स की समस्या को देखकर भाइयों को इसे शुरू करने का आइडिया आया। दोनों भाइयों ने इसका समाधान आधुनिक, स्वच्छ और ऑर्गेनिक मसालों के रूप में पेश किया। कूल ग्राइंडिंग टेक्नोलॉजी और नो-ह्यूमन-टच प्रोसेसिंग जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके उन्होंने मसालों की खुशबू और पोषक तत्वों को बरकरार रखा। इस अनोखे तरीके और जिप-लॉक पैक्स जैसी सुविधाओं के कारण उनके ब्रांड ने बाजार में पहले से मौजूद बड़े खिलाड़ियों को टक्कर दी। वित्तीय वर्ष 2023-24 में इसका रेवेन्यू

92.66 करोड़ रुपये पहुंच गया। आइए, यहां आकाश और आशीष की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। तो उठ बैठा, अर्धनग्न युवक को मुर्दा समझकर डर गए लोग, फिर हुआ यह सब जॉफ फूड्स की कहानी रायपुर के दो भाइयों आकाश अग्रवाल और आशीष अग्रवाल की है, जो स्टील व्यवसाय वाले परिवार से आते हैं। दोनों भाइयों ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ प्लानिंग एंड मैनेजमेंट , नई दिल्ली से एमबीए की डिग्री हासिल की है। कॉलेज के बाद उन्होंने अपने पारिवारिक स्टील प्लांट का काम संभाला। यहीं पर उन्होंने क्वालिटी, ऑटोमेशन और बड़े पैमाने पर उत्पादन के महत्व को समझा। लगभग 2015 के आसपास उन्होंने अपने पारिवारिक स्टील व्यवसाय से हटकर भारतीय मसाला खरीद और मैन्युफैक्चरिंग उद्योग में कदम रखने का फैसला किया। इस क्षेत्र में उन्होंने कई कमियां देखीं। कई स्थापित और स्थानीय मसाला ब्रांड मिलावटी मसाले बेच रहे थे। ब्रांडों की ओर से इस्तेमाल की जाने वाली प्रोसेसिंग तकनीक मसालों को गर्मी से खराब कर देती थी। आकाश और आशीष ने एहसास किया कि भारतीय उपभोक्ता ऐसे उत्पाद चाहते हैं जहां गुणवत्ता, विश्वसनीयता और स्वच्छता एक साथ हो। इस आइडिया के साथ उन्होंने 2018 में अपना वेंचर शुरू किया। उन्होंने रायपुर में एक पूरी तरह से ऑटोमैटिक, हाइजीन-फोकस्ड प्लांट में निवेश किया। उन्होंने एयर-कूल्ड ग्राइंडिंग तकनीक का इस्तेमाल किया। यह तकनीक मसालों के आवश्यक तेलों, रंग और सुगंध को बरकरार रखती है। शुरुआती बूटस्ट्रैपिंग (बाहरी फंडिंग के बिना) के बाद भाइयों ने जेएम फाइनेंशियल के नेतृत्व में सीरीज ए फंडिंग में 40 करोड़ रुपये जुटाए। इसका इस्तेमाल सप्लाई चेन और प्रोडक्ट रेंज को बढ़ाने में किया गया। इस यात्रा की सबसे बड़ी चुनौती बाजार में एक मजबूत पहचान बनाना था। कारण था कि कई बड़े ब्रांड पहले से ही मौजूद थे।

## गुवाहाटी टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म, राहुल-जायसवाल ने नहीं गिरने दिया एक भी विकेट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इंडिया वर्सेस साउथ अफ्रीका दूसरा टेस्ट गुवाहाटी में खेला जा रहा है। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने साउथ अफ्रीका के 489 रनों के सामने बिना विकेट खोए 9 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने 6.1 ओवर में एक भी विकेट नहीं गिरने दिया। जायसवाल 7 तो राहुल 2 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले सनुरन मुथुसामी ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक जड़ते हुए 109 रनों की शानदार पारी खेली, वहीं मार्को येन्सन अपने शतक से चूक गए और 93 रनों पर आउट हुए। साउथ अफ्रीका ने पहले दिन 6 विकेट के नुकसान पर 247 रन बनाए थे, दूसरे दिन आखिरी चार बल्लेबाजों ने मिलकर 242 रन जोड़े। भारत के लिए कुलदीप यादव ने सर्वाधिक 4 विकेट चटकाए, वहीं रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को 2-2 विकेट मिले। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी ऑलआउट करने के बाद यशस्वी और राहुल ने सधी हुई बल्लेबाजी की। खराब रोशनी के कारण थोड़ी दिक्कतें हो रही थी, लेकिन इन दोनों सलामी बल्लेबाजों ने सुनिश्चित किया कि दक्षिण अफ्रीका को कोई सफलता नहीं मिल सके। तीसरे दिन भारतीय बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका पर बढ़त लेने के इरादे से उतरेंगे।

## साहिबजादा ने रचा इतिहास, ये रिकॉर्ड बनाने वाले पाकिस्तान के पहले बल्लेबाज बने



**नई दिल्ली, एजेंसी।** टी20 क्रिकेट में विस्फोटक बल्लेबाजी की मिसाल बनने वाले पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान ने श्रीलंका के खिलाफ ट्राई-नेशन टी20आई सीरीज में एक नई उपलब्धि हासिल कर ली। रावलपिंडी में खेले गए मैच में उन्होंने न केवल पाकिस्तान को 27 गेंदें बाकी रहते शानदार जीत दिलाई बल्कि साथ ही 20 फॉर्मेट में एक कैलेंडर साल में 100 से अधिक छक्के लगाने वाले पाकिस्तान के पहले और दुनिया के 12वें बल्लेबाज़ बनकर इतिहास रच दिया। उनकी नाबाद 80 रन की पारी ने पाकिस्तान को सीरीज में लगातार दूसरी जीत दिलाने के साथ उन्हें सुर्खियों में ला दिया।श्रीलंका के खिलाफ इस मुकाबले में साहिबज़ादा फरहान पूरी तरह अलग ही लय में नज़र आए। 45 गेंदों पर नाबाद 80 रन की पारी के दौरान उन्होंने 5 छक्के जड़े और इसी के साथ उनके साल 2025 में कुल छक्कों की संख्या 102 हो गई। इस सूची में उनसे आगे केवल दो खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के करणबीर सिंह (122) और वेस्टइंडीज़ के निकोलस पूरन (103) हैं।फरहान ने यह उपलब्धि पाकिस्तान क्रिकेट में पहली बार हासिल की है, जो उनकी लगातार बेहतर होती फॉर्म और आक्रामक अंदाज़ का बड़ा प्रमाण है। फरहान ने इस साल टी20 क्रिकेट में 4 शतक और 11 अर्धशतक, करणबीर ने 2 शतक और 13 फिफ्टी, जबकि पूरन ने 1 शतक और 14 फिफ्टी बनाई हैं। फरहान की 80* रन की पारी श्रीलंका के खिलाफ टी20 में पाकिस्तान की ओर से सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। यह रिकॉर्ड पहले शोएब मलिक के नाम था, जिन्होंने 2007 टी20 वर्ल्ड कप में 57 रन बनाए थे। फरहान ने न सिर्फ रिकॉर्ड तोड़ा, बल्कि श्रीलंका के गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाकर मैच को एकतरफा बना दिया।

# लक्ष्य सेन ने जीता इस सत्र का अपना पहला खिताब



### ऑस्ट्रेलियाई ओपन के विजेता बने; तनाका को हराया

**सिडनी, एजेंसी।** लक्ष्य ने पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इस सत्र का अपना पहला खिताब जीत लिया। लक्ष्य ने पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। 24 साल के लक्ष्य से शानदार लय बरकरार रखते हुए 26 वर्षीय तनाका को 38 मिनट तक चले मैच में 21-15, 21-11 से हराया। लक्ष्य के लिए पिछले समय से चीजें सही नहीं चल रही थीं और वह पेरिस ओलंपिक 2024 में चौथे स्थान पर रहे थे। 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने इससे पहले अपना आखिरी सुपर 300 खिताब पिछले साल लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल में जीता था। वह सितंबर में हांगकांग सुपर 500 टूर्नामेंट में जीत के करीब थे, लेकिन उपविजेता रहे थे।

### लक्ष्य ने नहीं गंवाया एक भी गेम

इस वर्ष ऑर्लियंस मास्टर्स सुपर 300 खिताब जीतने वाले विश्व के 26वें नंबर के खिलाड़ी तनाका का सामना करते हुए लक्ष्य ने शानदार नियंत्रण और तेज तर्रार खेल का नमूना पेश किया तथा एक भी गेम गंवाए बिना मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ मौजूदा राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन लक्ष्य इस सत्र में बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय बन गए। इससे पहले आयुष शेट्टी ने अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट जीता था। भारत के अन्य खिलाड़ियों में सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी हांगकांग और चीन मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे थे, जबकि किदांबी श्रीकांत भी साल की शुरुआत में मलयेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे थे।

## एशिया ओशिनिया 100 किमी अल्ट्रा चैंपियनशिप में अमर का कमाल, राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ बने विजेता

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत के अमर सिंह देवंदा ने बैंकॉक में आयोजित एशिया ओशिनिया 100 किमी अल्ट्रा चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। देवंदा ने 6:59:37 (छह घंटे, 59 मिनट और 37 सेकंड) का राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय निकालकर जीत हासिल की। इस प्रतियोगिता का आयोजन इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ अल्ट्रारनर्स ने किया था। अमर इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले 11 सदस्यीय भारतीय दल का हिस्सा हैं।भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'अमर सिंह देवंदा ने भारत के लिए इतिहास रच दिया। उन्होंने 6:59:37 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ एशिया ओशिनिया 100 किमी अल्ट्रा चैम्पियनशिप जीत ली।' भारतीय टीम के अन्य सदस्यों में सौरव कुमार रंजन, गीनो एंटनी, वेलु पेरुमल, योगेश सनप, जयद्रथ, आरती झंवर, रणजी सिंह, सिंधु उमेश, नामग्याल ल्हामो और तेनजिन डोल्मा शामिल हैं।




## आईपीएल की नीलामी से पहले संजू सैमसन बने कप्तान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** संजू सैमसन, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में केरल टीम की कप्तानी करेंगे. इस टूर्नामेंट का आगाज 26 नवंबर से होने जा रहा है. सैमसन पिछले दिनों आईपीएल ट्रेड को लेकर चर्चा में रहे, जो अब राजस्थान रॉयल्स का साथ छोड़ चेन्नई सुपर किंग्स में आ गए हैं. अब आईपीएल ऑक्शन से पूर्व वो सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में केरल टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे. केरल के स्क्वाड में संजू के भाई सैली सैमसन को भी जगह मिली है. दोनों भाइयों की जोड़ी इससे पहले केरल क्रिकेट लीग में एकसाथ खेलती दिखी थी.

# इंग्लैंड पीछे नहीं हटेगा

### पर्थ में हार के बाद हेड कोच मैकुलम ने 'बैजबॉल' का किया समर्थन

**पर्थ, एजेंसी।** इंग्लैंड के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि पर्थ में एशेज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 8 विकेट से करारी हार के बाद उनकी टीम अपने 'बैजबॉल' दृष्टिकोण से पीछे नहीं हटेगी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट सिर्फ दो दिन में खत्म हो गया जिससे यह 1921 के बाद एशेज का सबसे छोटा टेस्ट बन गया। दूसरे दिन की शुरुआत में मेहमान टीम अच्छी स्थिति में थी, लेकिन हार के साथ खत्म दिन का अंत हुआ। दूसरे दिन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9/123 था, कप्तान बेन स्टोक्स की शानदार बॉलिंग से ऑस्ट्रेलिया 132 रन पर आउट हो गई और थ्री लायंस ने 40 रन की लीड ले ली, जिससे वे 14 साल में ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर अपनी पहली टेस्ट जीत हासिल करने की स्थिति में आ गए। इंग्लैंड ने अच्छी शुरुआत की जिससे उन्हें 9 विकेट बाकी रहते 105 रन की लीड मिल गई। हालांकि, उनकी बैटिंग तब लड़खड़ा गई जब उन्होंने 18.2 ओवर के अंदर अपने बाकी सभी विकेट खो दिए और अच्छी शुरुआत के बाद अपने टोटल में सिर्फ 99 रन और जोड़े। इससे ऑस्ट्रेलिया को 205 रन का टारगेट चेज करना पड़ा। लक्ष्य का पीछा करते हुए ट्रैविस हेड ने एशेज इतिहास की सबसे बेहतरीन पारियों में से एक खेली जिसमें सिर्फ 83 गेंदों पर 123 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की लीड लेने में मदद मिली। पहला टेस्ट हारने के बाद हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि नतीजे से दुख होगा, लेकिन उन्हें भरोसा है कि इंग्लैंड पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा और वह आने वाले ब्रिस्बेन टेस्ट पर फोकस करेगा। मैकुलम ने कहा, 'हम कुछ समय से चीजों पर बहुत ज्यादा रिएक्ट करने से बचने की कोशिश कर रहे हैं। हम जानते हैं कि इससे दुख होगा और इससे सिर्फ हमें ही नहीं, बल्कि इस क्रिकेट टीम को फॉलो करने वाले सभी इंग्लिश लोगों को भी नुकसान होगा।






## गिल चोटिल: राहुल टीम इंडिया के बन सकते हैं वनडे कप्तान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** शुभमन गिल की गर्दन की गंभीर तकलीफ के कारण उनके साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली वनडे और टी-20 सीरीज से बाहर होने की संभावना है। ऐसे में केएल राहुल टीम इंडिया की कप्तानी संभाल सकते हैं। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 30 नवंबर को रांची में खेला जाएगा। कोलकाता टेस्ट में बढ़ी गिल की चोट गिल को 14 से 16 नवंबर के बीच कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट के दूसरे दिन बैटिंग करते समय गर्दन में अकड़न महसूस हुई थी। तकलीफ बढ़ने पर उन्हें बीच में ही बल्लेबाजी छोड़नी पड़ी। यह मुकाबला तीन ही दिनों में खत्म हो गया था और भारत को हार का सामना करना पड़ा था। गिल गुवाहाटी में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट का हिस्सा नहीं हैं। हालांकि वह टीम के साथ गुवाहाटी तक गए थे, लेकिन बाद में वहां से मुंबई लौट आए। फिलहाल वह मुंबई में लगातार स्कैन और विशेषज्ञों से परामर्श ले रहे हैं। गर्दन की चोट नस या मांसपेशियों से जुड़ी समस्या बीसीसीआई अधिकारियों के मुताबिक गिल की चोट सामान्य नहीं है। यह मांसपेशियों या नसों से जुड़ी जटिल समस्या हो सकती है। गिल को दर्द कम करने के लिए इंजेक्शन दिया गया है और उन्हें आराम की सलाह मिली है। संभावना है कि वह 9 दिसंबर से शुरू होने वाली टी20 सीरीज भी मिस कर सकते हैं।

# स्मृति मंधाना-पलाश मुच्छल की टीम के बीच खेला गया क्रिकेट मैच

### शादी से पहले अनोखा सेलीब्रेशन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** स्मृति मंधाना और पलाश मुच्छल ने अपनी शादी से ठीक पहले यानी प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन में एक-दूसरे के खिलाफ क्रिकेट मैच खेला। स्मृति मंधाना ने इस मैच में टीम ब्राइड की कप्तानी की जबकि टीम ग्रुम की कप्तानी पलाश मुच्छल ने की और इस मैच का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस मैच में स्मृति मंधाना की भारतीय महिला क्रिकेट टीम की साथी खिलाड़ियों ने साथ ही पलाश के करीब दोस्तों ने हिस्सा लिया। स्मृति की टीम में शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, राधा यादव और ऋचा घोष शामिल थीं। ये मैच दोस्ताना जरूर था, लेकिन इसमें कड़ा मुकाबला देखने को मिला जिसमें दोनों टीमों ने पूरे उत्साह के साथ परफॉर्म किया। आखिकार इस मैच में स्मृति मंधाना की टीम को जीत मिली और जीत के बाद उनकी टीम ने जमकर जश्न मनाया। इस वक्त स्मृति मंधाना की शादी में शामिल होने के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कई खिलाड़ी मौजूद हैं। इससे पहले मंधाना ने अपनी हल्दी सेरेमनी में अपने साथी खिलाड़ियों के साथ जबरदस्त डांस किया था जिसमें शेफाली, ऋचा, श्रेयांका पाटिल, रेणुका, शिवाली शिंदे, राधा यादव और जेमिमा शामिल थीं।

### टाटा स्टील वर्ल्ड 25 के कोलकाता

# इंटरनेशनल इवेंट ऐंबेसडर बने ओलंपिक स्टार केनी बेडनारक

**नई दिल्ली, एजेंसी।** टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता (टीएसडब्यू 25 के) के 10वें संस्करण के लिए आयोजकों ने दुनिया के दिग्गज धावक और डबल ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट केनी बेडनारक को इंटरनेशनल इवेंट ऐंबेसडर नियुक्त किया है।

टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता (टीएसडब्यू 25 के) के 10वें संस्करण के लिए आयोजकों ने दुनिया के दिग्गज धावक और डबल ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट केनी बेडनारक को इंटरनेशनल इवेंट ऐंबेसडर नियुक्त किया है। यह प्रतिष्ठित दौड़ 21 दिसंबर 2025 को आयोजित होगी, जिसे वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल का दर्जा प्राप्त है। 27 वर्षीय बेडनारक, जिन्हें खेल जगत में प्यार से 'कुंग फू केनी' कहा जाता है–200 मीटर में टोक्यो




2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में सिल्वर जीतने के अलावा टोक्यो में हुई 2025 विश्व चैंपियनशिप में गोल्ड और सिल्वर अपने नाम कर चुके हैं। दुनिया के सबसे स्थिर और भरोसेमंद स्प्रिंटर्स में उनकी गिनती होती है। कठिन बचपन, गोद लिए जाने और संघर्षों के बाद अमेरिकी धावक का सामुदायिक कॉलेज से वैश्विक एथलेटिक्स के शीर्ष मंच तक पहुंचना प्रेरणादायक सफर है। बेडनारक कहते हैं– 'ज़िंदगी ने सिखाया है कि मंज़िल से ज्यादा सफर मायने रखता है। हर कदम आपको बनाता है। कोलकाता की ऊर्जा और इस दौड़ का सामुदायिक भाव मुझे बेहद प्रेरित करता है। उनके नाम 100 मीटर (9.79 सेकेंड, 2025), 200 मीटर (19.57 सेकेंड, 2024) और 400 मीटर (44.73 सेकेंड, 2019) में शानदार व्यक्तिगत प्रदर्शन दर्ज हैं।

टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट (कॉरपोरेट सर्विसेज) डीबी सुंदर रमम ने कहा,10वें संस्करण में केनी का स्वागत हमारे लिए गौरव की बात है। उनका सफर दृढ़ता और संकल्प का प्रतीक है–वे मूल्य जो इस इवेंट और टाटा स्टील दोनों की सोच से मेल खाते हैं। प्रोकैम इंटरनेशनल के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर विवेक सिंह ने कहा, इस जश्न में केनी का जुड़ना बेहद प्रेरक है। उत्कृष्टता की राह पर उनका धैर्य और निरंतरता इस इवेंट की भावना को और मजबूत करते हैं। हम कोलकाता में उनका स्वागत करने को उत्साहित हैं।

## 'तू मेरी मैं तेरा...' का टीजर रिलीज

### अनन्या संग दिखीं जबरदस्त केमिस्ट्री

कार्तिक आर्यन के जन्मदिन पर मेकर्स ने फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा...' का टीजर रिलीज किया है। इसमें अनन्या पांडे के साथ उनकी केमिस्ट्री कमाल की लग रही है। कार्तिक आर्यन के फैंस को उनके जन्मदिन पर बड़ा तोहफा मिला है। एक्टर की अपकमिंग फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा...' का टीजर रिलीज हुआ। इसमें अनन्या और कार्तिक एक न्यू एज लव स्टोरी का हिस्सा बने हैं।

**हॉट लुक में कार्तिक की एंट्री**

फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा...' के टीजर में कार्तिक आर्यन की एंट्री शानदार होती है। वह पहले ही सीन में शर्ट लेस नजर आते हैं। आगे अनन्या का भी बीच लुक देखने को मिलता है। फिर शुरू होती है इनके किरदारों के बीच नोक-झोंक। प्यार को लेकर दोनों का नजरिया अलग है।

## पहले किसी प्रोजेक्ट पर इतना अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला

**'द फैमली मैन 3' में अपने किरदार पर बोलीं निमरत**

**अभिनेत्री** निमरत कौर ने 'द फैमिली मैन 3' में अहम किरदार निभाया है। उन्होंने अपने किरदार के बारे में कई बातें बताई हैं। मनोज बाजपेयी की अदाकारी वाली वेब सीरीज 'द फैमिली मैन 3' शुक्रवार को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है। अभिनेत्री निमरत कौर ने इस सीरीज में अहम रोल अदा किया है। अपने रोल के बारे में उन्होंने कई बातें कही हैं। उनके मुताबिक 'द फैमिली मैन' के नए सीजन में मीरा की भूमिका निभाना एक रोमांचक मौका था। कौर ने फिल्म 'द लंचबॉक्स', 'एयरलिफ्ट' और 'दसवीं' में बेहतरीन अभिनय किया है। निमरत कौर 'द फैमिली मैन 3' में श्रीकांत तिवारी (मनोज बाजपेयी) की दुश्मन हैं। जयदीप अहलावत के साथ उन्होंने विलेन का रोल किया है। अपने किरदार के बारे में निमरत ने कहा 'वह एक कड़वी चॉकलेट है, एक कैरेक्टर के तौर पर बहुत स्वादिष्ट है। वह आम इंसान की पहुंच से दूर है। कौर ने आगे कहा कि उन्हें अपने किसी भी आने वाले प्रोजेक्ट पर इतना अच्छा रिएक्शन कभी नहीं मिला, जितना उन्हें तब मिला जब उन्होंने बताया कि वह 'द फैमिली मैन 3' का हिस्सा हैं।

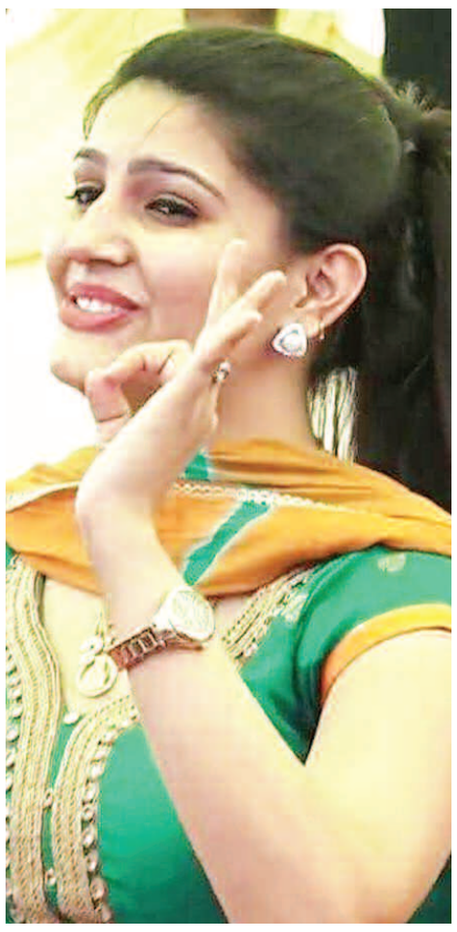

## हरियाणा में रौला गाने पर सपना चौधरी का किलर डांस देख फैंस फिदा, हार्ट इमोजी से लुटाया प्यार

हरियाणवी लोक कलाकार और डांसर सपना चौधरी दो बच्चों की मां हैं, लेकिन उनकी लोकप्रियता जितनी शादी से पहले थी, उससे कहीं ज्यादा अब है। आलम ये है कि उनकी लोकप्रियता सिर्फ हरियाणा तक सीमित नहीं है। पंजाब, उत्तर प्रदेश और बिहार में भी फैंस उनके डांस मूव्स के दीवाने हैं। इस बीच सपना चौधरी ने इंस्टाग्राम पर ऐसा वीडियो शेयर किया है, जिसे देखने के बाद खुद को डांस करने से रोकना नामुमकिन सा है। उन्होंने अपने तीन दिन पहले रिलीज हुए गाने 'हरियाणा में रौला' पर ठुमके लगाए हैं। डांसर घाघरा-कुर्ती में सज-धज कर अपने जानलेवा एक्सप्रेशन और किलर डांस मूव्स से तारीफें बटोर रही हैं। फैंस भी हार्ट इमोजी पोस्ट कर उन पर प्यार लुटा रहे हैं। सपना चौधरी अपने बैक-टू-बैक गानों से सोशल मीडिया पर छाई हैं। बीते 15 दिन में उनके 6 गाने रिलीज हो चुके हैं। 6 गाने अलग-अलग बैनर के तले शूट किए गए हैं और फैंस को बहुत पसंद आ रहे हैं। इसमें 'मरजानी', 'जुल्फी', 'लव यू मेरी सासू की', 'मौसम बना दूं मैं', और 'आंख दुनाली' जैसे गाने शामिल हैं। डांसर के सभी गाने वेडिंग सीजन की जान होते हैं। उनके गानों के बिना उत्तर प्रदेश, हरियाणा और मध्यप्रदेश जैसे राज्यों में शादी अधूरी लगती है। सपना चौधरी की 2026 में बायोपिक 'मैडम सपना' भी रिलीज होने वाली है, जिसका टीजर 2023 में ही रिलीज हो चुका है। टीजर में सपना के स्टेज शोज के विवाद और आत्महत्या जैसे मुद्दों को दिखाया गया है। बायोपिक को महेश भट्ट बना रहे हैं, जिसमें सपना चौधरी की संघर्ष भरी जिंदगी को पर्दे पर दिखाया जाएगा, क्योंकि स्टेज पर डांस करने वाली सपना और सोशल मीडिया पर मुस्कुराने वाली सपना को सब जानते हैं, लेकिन इस मुकाम को हासिल करने के लिए अकेले दम पर सपना ने क्या-क्या झेला है। बायोपिक में खुद सपना चौधरी अपना रोल प्ले नहीं कर रही हैं, बल्कि एक नई एक्ट्रेस को लॉन्च किया जाएगा। अपनी बायोपिक के लिए सपना काफी एक्साइटेड हैं।

## यशराज की एक्शन फिल्म में हुई ऐश्वर्य ठाकरे की एंट्री

**यशराज** फिल्म्स की अगली बड़ी एक्शन-रोमांस फिल्म इन दिनों जबरदस्त सुर्खियों में है। वजह है शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे का इस फिल्म में एंट्री करना। खास बात यह है कि ऐश्वर्य पहली बार बड़े पर्दे पर कदम रख रहे हैं- वह भी सीधे विलेन के रूप में। उनकी टक्कर होगी नए जमाने के उभरते सितारे अहान पांडे से, जबकि शरवरी वाघ फिल्म की मुख्य अभिनेत्री होंगी। निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं बड़े कैनवस वाली फिल्मों के लिए मशहूर अली अब्बास ज़फर। फिल्म इंडस्ट्री में हर बार किसी नए चेहरे की एंट्री होती है, तो दर्शकों में उत्सुकता बढ़ जाती है। लेकिन इस बार मामला कुछ खास है, क्योंकि ऐश्वर्य ठाकरे का लॉन्च सीधे बड़े पैमाने की फिल्म में, एक मजबूत नेगेटिव किरदार के रूप में हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में उनका किरदार सिर्फ विरोधी नहीं, बल्कि कहानी की पूरी दिशा तय करने वाला बताया जा रहा है। वहीं अहान पांडे, जिन्हें हाल ही में 'सैयारा' से युवाओं में जबरदस्त पहचान मिली, इस फिल्म के हीरो हैं। सूत्रों के मुताबिक दोनों के बीच होने वाला क्लैश फिल्म का मुख्य आकर्षण होगा।

**अहान पांडे की कड़ी तैयारी**

यह प्रोजेक्ट सिर्फ एक बड़े कैनवस की कहानी नहीं, बल्कि कलाकारों के लिए भी बड़ा चैलेंज है। खबर है कि अहान पांडे फिल्म के लिए रोजाना कई घंटों की ट्रेनिंग लेते हैं। सुबह बॉक्सिंग से शुरू होने वाला सेशन धीरे-धीरे मार्शल आर्ट्स और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग तक जाता है। उनकी ट्रेनिंग का लेवल देखकर साफ है कि फिल्म में हाई-इंटेंसिटी फाइट सीक्वेंस होंगे, जो बड़े पर्दे पर देखने लायक होंगे।

ऐश्वर्य ठाकरे का नाम राजनीति से लेकर ग्लैमर वर्ल्ड तक अक्सर चर्चा में रहा है। लेकिन पहली बार वे किसी बड़े प्रोजेक्ट में अभिनय करने जा रहे हैं, वह भी एक ऐसे किरदार के रूप में जो फिल्म के टोन को तय करेगा। फिल्म इंडस्ट्री के विशेषज्ञ कह रहे हैं कि अगर यह किरदार दर्शकों को पसंद आया, तो ऐश्वर्य को एक दमदार शुरुआत मिल सकती है।

## श्रेया सरन ने फैंस को दी नेचर वॉक की सलाह

**बॉलीवुड** और साउथ की खूबसूरत अभिनेत्री श्रेया सरन इन दिनों प्रकृति के बीच समय बिताती नजर आ रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव को शानदार बताते हुए फैंस को नेचर के बीच समय बिताने की सलाह दी। श्रेया सरन अपने इंस्टाग्राम पर जिंदगी और काम से जुड़े पोस्ट कर फैंस को रूबरू कराती रहती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने कुछ बेहद प्यारी तस्वीरें शेयर की, जिनमें वह बेटी के साथ हरे-भरे चाय और कॉफी के बागानों में मस्ती करती दिख रही हैं। तस्वीरों में श्रेया सरन बेटी को गोद में लिए मुस्कुराती हुई तो कभी उसके साथ प्रकृति के बीच टहलते हुए नजर आ रही हैं। हरी-हरी वादियों, ताजी हवा और परिवार के साथ बिताए समय को एक्ट्रेस ने बेहद कीमती बताया।

शहर की भागदौड़ से दूर प्रकृति के बीच बिताए गए समय को उन्होंने सुकून देने वाला बताया। उन्होंने फैंस को भी सलाह दी कि एक बार जरूर ऐसी जगह जाकर नेचर वॉक करें और अपनों के साथ यादों को बनाएं। पोस्ट के साथ श्रेया सरन ने कैप्शन में लिखा, 'यह वह जगह है, जहां समय की रफ्तार भी कम हो जाती है। चाय और कॉफी के बागानों में घूमें। नेचर वॉक करें और यादों को सहेजें। एक्ट्रेस ने साल 2018 में रूसी बिजनेसमैन आंद्रेई कोशेव से शादी की थी। इसके बाद साल 2021 में वह मां बनी थीं। इसके बाद से वह अक्सर अपनी बेटी की फोटो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। उन्होंने बेटी का नाम राधा सरन कोशेव रखा है।

## फिल्म की शूटिंग के दौरान श्रद्धा कपूर को लगी चोट, रोकनी पड़ी ईथा की शूटिंग

**अभिनेत्री** श्रद्धा कपूर स्त्री 2 की कामयाबी के बाद फिल्म ईथा पर काम कर रही हैं। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान अभिनेत्री के पैर में चोट लग गई है। इसकी वजह से फिल्म की शूटिंग को रोक दिया गया है। यह फिल्म मशहूर लावणी डांसर और तमाशा कलाकार विठाबाई भाऊ नारायणगांवकर की बायोपिक है। श्रद्धा कपूर की नई फिल्म की शूटिंग महाराष्ट्र के नासिक के पास औंढेवाडी में चल रही थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले हफ्ते निर्देशक लक्ष्मण उतेकर को फिल्म की शूटिंग इसलिए रोक देनी पड़ी क्योंकि शूटिंग के दौरान अभिनेत्री के बाएं पैर की उंगली में चोट लग गई। श्रद्धा को चोट तब लगी जब वह लावणी डांस का एक सीन कर रही थीं। दावा किया जा रहा है कि श्रद्धा कपूर लावणी संगीत पर डांस करने वाली थीं। उन्होंने भारी साड़ी और गहने पहने थे। विठाबाई का किरदार निभाने के लिए श्रद्धा ने अपना काफी वजन बढ़ाया है। डांस के स्टेप करते हुए उन्होंने अपना वजन एक पैर पर डाल दिया, जिसकी वजह से बैलेंस बिगड़ गया और उन्हें चोट लग गई।

## 'गुस्ताख इश्क' में दिखेगा 90 के दशक वाला प्यार

90 के दशक वाले प्यार की सादगी और गहराई को नए अंदाज में दिखाने वाली फिल्म 'गुस्ताख इश्क' जल्द ही रिलीज होने वाली है। विभु पुरी के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक ड्रामा में पहली बार फातिमा सना शेख और विजय वर्मा साथ नजर आएंगे। फिल्म में रिश्तों, प्यार और भावनाओं की जटिलताओं को पेश किया गया है। इसका खास आकर्षण गुलजार और विशाल भारद्वाज का संगीत है, जिसे दर्शक लेकर काफी उत्साहित हैं। हाल ही में विजय ने बातचीत में अपने अनुभव साझा किए।

**90 के दशक की बहुत सी बातें याद आती हैं, खासकर उस दौर का सच्चा प्यार और जज्बात। आपको उस समय की कौन-सी बातें सबसे ज्यादा याद आती हैं?**

90 के दशक की बहुत सी यादें हैं। हर चीज में अपना अलग मजा था। मौसम का, फिल्म देखने का, थिएटर की लाइन में लगने तक का। उस समय हर चीज के लिए इंतजार करना पड़ता था, लेकिन लोग उस इंतजार को भी एन्जॉय करते थे। लाइट चली जाती थी तो परिवार या दोस्तों के साथ बातें करते थे, पुराने फोटो एल्बम देखते थे, छोटी-छोटी खुशियां मनाते थे। वही पुरानी खूबसूरत यादें इस फिल्म में फिर से देखने को मिलेंगी।

**स्कूल टाइम में जो मासूम प्यार होता था, वो एकतरफा था या दोतरफा? कोई अनुभव शेयर करें?**

एकतरफा ही था, क्योंकि कभी बात नहीं की। शायद दोतरफा भी हो, लेकिन मौका ही नहीं मिला।

**आपने कभी अपने दिल की बात कही थी?**

स्कूल के समय मैं बहुत शर्मीला था, किसी से ज्यादा बात नहीं करता था। 18 साल की उम्र में पहली बार किसी लड़की से बात हुई। उसने खुद मुझे एक चिट्ठी भेजी थी, जिसमें लिखा था- तुम चेक शर्ट में अच्छे लगते हो। इसके बाद हम दोस्त बने, फिर कुछ सालों बाद हमारी डेटिंग शुरू हुई। कुछ समय बाद हमारा रिश्ता खत्म हो गया, और उसके बाद मैं पढ़ाई के लिए पुणे के एफटीआई चला गया।

**नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? सुना है, एफटीआईआई में उनकी वर्कशॉप में आप नहीं जा पाए थे, क्या कहानी है?**

जब मैं एफटीआई में था, तब नसीर साहब की वर्कशॉप हमारे बैच में नहीं हुई थी। अगले बैच में उनकी वर्कशॉप रखी गई, तो मैं और मेरा एक दोस्त पुणे चले गए। हमने सोचा था कि क्लास में बैठ जाएंगे, लेकिन वहां जाने की अनुमति नहीं मिली क्योंकि वो दूसरे बैच की वर्कशॉप थी। हम बाहर ही पूरा दिन बैठे रहे, बस उनसे मिलने की उम्मीद में। शाम को जब नसीर साहब ने देखा कि हम अब भी बाहर बैठे हैं, तो मुस्कुराकर बोले, कल सुबह 9 बजे आ जाना। इसी तरह हमें उनकी वर्कशॉप में शामिल होने का मौका मिल गया।

**विजय आप अपनी को-स्टार फातिमा के बारे में क्या कहेंगे?**

फातिमा बहुत डाउन टू अर्थ और सिंपल हैं। बिल्कुल भी एटीट्यूड नहीं है, बड़ी फिल्मों में काम करने के बावजूद बहुत ग्राउंडेड है।

**हाल में आपने ओटीटी पर कई अच्छे रोल किए, अब फिर रोमांटिक हीरो बनकर लौट रहे हैं,कैसा लग रहा है?**

बहुत नया महसूस हो रहा है, जैसे एक्टर के तौर पर दोबारा जन्म ले रहा हूं। मेरी फिल्में काफी समय बाद थिएटर में आ रही हैं, वो भी बतौर लीड। तो यह मेरे लिए नई शुरुआत है। बस चाहता हूं कि ऑडियंस का प्यार और सपोर्ट मिले ताकि आगे बढ़ता रहूं।